सुबह सवेरे

A Daily News Magazine

इंदौर

बुधवार, 15 मई, 2024

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अंक 207 , नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2 (डाक पंजीयन संख्या: MP/IDC/1529/2016-2018)

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

लद्दाख : इंडिया ब्लॉक की लड़ाई से कारगिल-लेह एकता में दरार

आकिब जावेद

कारगिल और लद्दाख के लेह जिले के लोगों द्वारा अपने मतभेदों को अलग रखने और संवैधानिक सुरक्षा उपायों के लिए संयुक्त रूप से काम करने का निर्णय लेने के चार साल बाद, लोकसभा चुनावों के लिए उम्मीदवारों के नामांकन को लेकर दोनों क्षेत्रों के बीच मतभेद उभर आए हैं। यहां 20 मई को पांचवें चरण में मतदान होगा। नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (आईएनसी) दोनों 'इंडिया' गठबंधन के तहत लद्दाख में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के खिलाफ संयुक्त रूप से चुनाव लड़ रहे हैं। 1 मई को कारगिल में कांग्रेस और एनसी ने संयुक्त रूप से हाजी मुहम्मद हनीफा जान को लद्दाख लोकसभा सीट के लिए अपने उम्मीदवार के रूप में नामित किया। मुस्लिम बहुल कारगिल से ताल्लुक रखने वाले हाजी मुहम्मद नेशनल कॉन्फ्रेंस के जिला अध्यक्ष हैं। हालांकि, नई दिल्ली में कांग्रेस आला कमान ने लेह के त्सेरिंग नामग्याल को इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार के रूप में नामित किया।

कांग्रेस आलाकमान की घोषणा ने कारगिल चुनाव में मुहम्मद हनीफा जान का समर्थन करने के विकल्प के साथ लद्दाख में दरार पैदा कर दी। 3 मई को, मुहम्मद हनीफा जान ने लद्दाख संसदीय क्षेत्र से एक स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में नामांकन दाखिल किया, जिससे कांग्रेस के आधिकारिक उम्मीदवार को निराशा हुई।

कारगिल के नेताओं के फैसले ने लेह के लोगों को मुश्किल में डाल दिया है, जिनके पास सीट से चुनाव मैदान में दो उम्मीदवार हैं - बीजेपी के ताशी ग्यालसन और कांग्रेस के त्सेरिंग नामग्याल। वरिष्ठ कांग्रेस नेता रिगज़िन स्पालबार ने कहा, 'लेह में वोट बीजेपी और कांग्रेस के बीच बंट जाएंगे, जिससे मुहम्मद हनीफा जान को फायदा होगा।'

राजनीति से इस्तीफा दे चुके स्पालबार ने जोर देकर कहा कि लोकसभा चुनाव में लद्दाख में ध्रुवीकरण हो गया है। उन्होंने कहा, 'कारगिल से उम्मीदवार की जीत निश्चित है क्योंकि वह एकमात्र दावेदार है।' लद्दाख बौद्धों और मुसलमानों की मिली-जुली आबादी वाला एक उच्च रेगिस्तान है। चीन की सीमा से लगे लेह जिले में बौद्धों का वर्चस्व है, जबकि पाकिस्तान की सीमा लगे कारगिल? जिले मे शिया मुसलमान रहते हैं।

इस क्षेत्र में मतदान करने वालों की संख्या 182,571 है, जिसमें 91,703 पुरुष और 90,867 महिलाएं शामिल हैं। इनमें कारगिल में 95,929 वोट हैं जबकि लेह में कुल मतदाताओं में से 88,870 वोट हैं। मतदाताओं की संख्या के मामले में कारगिल थोड़ा आगे है। इस क्षेत्र की जंस्कार बेल्ट, जहां मुसलमानों की अच्छी आबादी है, में भी मुहम्मद हनीफा जान के पक्ष में मतदान होने की उम्मीद है। विशेष रूप से, कारगिल के एक सामाजिक कार्यकर्ता सज्जाद हुसैन कारगिली ने भी घोषणा की कि वह आगामी संसद चुनाव नहीं लड़ेंगे और संयुक्त उम्मीदवार हाजी हनीफा जान का समर्थन करेंगे।

6 मई को, नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने कारगिल में अपने पार्टी सहयोगियों को लद्दाख सीट के लिए लोकसभा चुनाव में इंडिया ब्लॉक के उम्मीदवार टी नामग्याल का समर्थन करने की चेतावनी दी। नेशनल कॉन्फ्रेंस ने अपने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'एनसी अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने पार्टी की कारगिल इकाई को लोकसभा चुनाव में लद्दाख सीट के लिए इंडिया ब्लॉक के उम्मीदवार त्सेरिंग नामग्याल का समर्थन करने का निर्देश दिया है। उन्होंने अपने सहयोगियों से कहा है कि इस निर्देश का पालन करने में विफलता को पार्टी अनुशासन के गंभीर उल्लंघन के रूप में देखा जाएगा।'

नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में चुनाव लड़ रही हैं, जहां कांग्रेस ने कश्मीर संभाग में एनसी का समर्थन किया, वहीं एनसी को जम्मू और लद्दाख में कांग्रेस का समर्थन करना था। हालांकि, निर्देशों का पालन न करते हुए, उसी दिन पूरी कारगिल इकाई ने लोकसभा चुनाव के लिए उम्मीदवार की पसंद को लेकर सामूहिक इस्तीफे की घोषणा की।

कारगिल में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, अतिरिक्त महासचिव लद्दाख कमर अली अखून ने कहा कि पार्टी आलाकमान उन पर लद्दाख से आधिकारिक कांग्रेस उम्मीदवार को समर्थन देने के लिए दबाव डाल रहा था, जिसे कारगिल नेतृत्व ने अस्वीकार्य कर दिया। पत्र में कहा गया, 'लद्दाख डेमोक्रेटिक अलायंस ने एकजुट होकर आगामी लोकसभा चुनाव के लिए 1-लद्दाख संसदीय क्षेत्र से एक स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में मोहम्मद हनीफा जान नाम के एक संयुक्त उम्मीदवार को पेश करने का फैसला किया है, जिसे पार्टी/धार्मिक संबद्धता वाले सभी राजनीतिक और धार्मिक संस्थानों द्वारा सर्वसम्मति से समर्थन दिया जाएगा।' कारगिल के लोगों का तर्क है कि संसद में डिवीजन (लेह और कारगिल) का प्रतिनिधित्व कम है और इसके लिए उन्हें अपने उम्मीदवार के नहीं रहने का नुकसान उठाना पड़ा है।

ऐतिहासिक रूप से अधिकतर बार लेह से उम्मीदवार ही लोकसभा चुनाव जीतता आया है. 2009 के बाद से कारगिल से कोई भी उम्मीदवार चुनाव नहीं जीत पाया है। कारगिल के जिला कांग्रेस अध्यक्ष नासिर मुंशी ने कहा- 'इंडिया गठबंधन का उम्मीदवार हमें स्वीकार्य नहीं है। हम कारगिल से एक उम्मीदवार चाहते हैं और कांग्रेस और एनसी दोनों ने चुनाव में जान का समर्थन करने का फैसला किया है।' उन्होंने कहा कि संसद में उम्मीदवार नहीं होने से उन्हें नुकसान हुआ है।

विशेष रूप से, लद्दाख के लोग लेह और कारगिल के लिए संसद में दो अलग-अलग सीटों की मांग कर रहे हैं और यह क्षेत्र के प्रतिनिधियों द्वारा नई दिल्ली में रखे गए चार सूत्री एजेंडे का हिस्सा है।

इस बार कारगिल एकजुट हो गया। सभी धार्मिक और राजनीतिक दलों ने चुनाव में जान का समर्थन करने और उनकी जीत सुनिश्चित करने का फैसला किया है। नासिर मुंशी, जिला अध्यक्ष, कांग्रेस, कारगिल कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) के एक प्रमुख व्यक्ति सज्जाद कारगिल ने कहा कि उन्होंने कारगिल से नामांकन वापस लेने का फैसला किया क्योंकि वोट विभाजित हो सकते थे।

8 मई को, कुछ बौद्ध नेताओं ने कारगिल से केवल एक मुस्लिम उम्मीदवार और लेह से दो बौद्ध उम्मीदवार होने पर चिंता व्यक्त की। हालांकि, दोनों जिलों के दोनों नेताओं- सज्जाद कारगिली और दोरेजय - का तर्क है कि उम्मीदवारों के नामांकन पर मौजूदा विवाद दोनों समुदायों के बीच कड़ी मेहनत से अर्जित सद्भाव को कम नहीं करेगा।

एलबीए के अध्यक्ष चेरिंग दोरजे लाक्रूक ने कहा कि भले ही उम्मीदवार के नामांकन पर मतभेद हैं, लेकिन इसका एलबीए और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) के गठबंधन पर कोई असर नहीं पड़ेगा, जो लद्दाख को भारतीय संविधान की छठी अनुसूची के तहत लाने के लिए लड़ रहे हैं।

(दि क्विंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

'थैंक्यू'.... पीएम मोदी ने कार्यकर्ताओं में भरा 'जोश'

प्यार और आशीर्वाद के लिए काशी का जताया आभार

वाराणसी (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को वाराणसी में कार्यकर्ता सम्मेलन में भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। इस दौरान सबसे पहले पीएम मोदी ने सभी कार्यकर्ताओं को थैंक्यू कहा और एक जून तक अपना उत्साह और उमंग बनाए रखने के साथ-साथ प्रत्येक पोलिंग बूथ पर विजय का मंत्र दिया। पीएम मोदी ने कहा कि हम सब जानते हैं कि लोगों का विश्वास जीतना आसान नहीं होता है। पंचायत चुनाव में भी जीतना हो तो नाकों चने चबाने पड़ते हैं। 24 घंटे लोगों के प्रति समर्पित रहना पड़ता है तब जनता प्यार करती है और अपना आशीर्वाद देती है। ऐसे में इस बार भी जनता का ये प्यार,

ये उत्साह, ये आशीर्वाद रोड शो के साथ-साथ ईवीएम में भी दिखाई देना चाहिए।

पीएम मोदी ने कार्यकर्ता सम्मेलन में अपने संबोधन की शुरुआत करते हुए कहा कि यदि आप सभी कार्यकर्ता इजाजत दें तो आपसे कुछ कहना चाहता हूं। आपसे इतना ही कहना है, थैंक्यू। पीएम ने कहा कि 2014 में भी यहां रोड शो किया था और 2019 में भी रोड शो किया था, देश भर में इन दिनों सप्ताह में तीन-चार रोड शो कर रहा हूं, लेकिन कल रोड शो के सारे रिकॉर्ड आपने तोड़ दिए। इसके लिए आपके माध्यम से जनता जनार्दन को सर झुकाकर धन्यवाद करना चाहूंगा।

गाजे-बाजे के साथ बूथ तक लाएं मतदाता को

पीएम मोदी ने एक-एक पोलिंग बूथ जीतने का मंत्र देते हुआ कहा कि साथियों मोदी तो जीत जाएगा, क्योंकि आप जिताने वाले हो, लेकिन मुझे हर एक पोलिंग बूथ जीतना है। कोई कहे कुछ भी, लेकिन इसके लिए कड़ी मेहनत लगती है। ये जुलूस, नारे, रोड शो इससे चुनाव में बूथ पर असर नहीं पड़ता। हार-जीत से फर्क नहीं पड़ता है, लेकिन अगर मतदान प्रतिशत में पीछे रह जाएं तो काशी का प्रतिनिधि होने के नाते क्या मुंह दिखाउंगा। इसलिए पोलिंग बूथ जीतना ही संकल्प होना चाहिए। पोलिंग बूथ जीतने का तरीका क्या होना चाहिए? मतदान को लोकतंत्र के उत्सव में बदल दीजिए। अभी आपके पास 14 दिन हैं, इस दौरान पोलिंग बूथ पर उत्सव मनाएं। पूरे पोलिंग बूथ में जितनी सोसायटी हैं, मोहल्ले हैं उन्हें आमंत्रित करें और वहां रंगोली व अन्य कार्यक्रम आयोजित करें। यही नहीं, जिस दिन मतदान करने जाएं तो देखें कि कौन मतदान करने आया और कौन नहीं।

पीएम मोदी ने तीसरी बार वाराणसी से किया नामांकन

- प्रस्तावकों के साथ खड़े रहे, डीएम ने बैठने के लिए कहा, तब कुर्सी पर बैठे

वाराणसी (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीसरी बार वाराणसी से नामांकन दाखिल कर दिया है। 4 प्रस्तावक और सीएम योगी उनके साथ मौजूद रहे। प्रस्तावकों में गणेश्वर शास्त्री, बैजनाथ पटेल, लालचंद कुशवाहा और संजय सोनकर शामिल रहे। गणेश्वर शास्त्री ने राम मंदिर का मुहूर्त निकाला था, जबकि अन्य तीन स्थानीय भाजपा नेता हैं। पीएम नामांकन कक्ष में 50 मिनट रहे। वह प्रस्तावकों के साथ कक्ष में खड़े रहे। जब डीएम ने उन्हें कुर्सी पर बैठने के लिए कहा, तब वह बैठे। पीएम ने शुभ मुहूर्त पुष्य नक्षत्र में 4 सेट में नामांकन दाखिल किया। गणेश्वर शास्त्री ने बताया कि 11.40 से 12.15 तक शुभ मुहूर्त रहा। इसमें सारे ग्रह एक साथ होते हैं। प्रस्तावकों में राम मंदिर मे प्राण-प्रतिष्ठा का मुहूर्त निकालने वाले गणेश्वर शास्त्री के अलावा, बैजनाथ पटेल, लालचंद कुशवाहा और संजय सोनकर भी हैं। प्रस्तावकों में जातीय समीकरण को साधने की कोशिश की गई।

सुप्रभात

इसी सड़क की इसी जगह के किनारे से
मेरे परदादा ने आपके परदादा जी की
बैलगाड़ी को नमस्कार किया था।
इसी सड़क की इसी जगह के किनारे से
मेरे दादा ने आपके दादाजी की घोड़ागाड़ी
को नमस्कार किया था।
इसी सड़क की इसी जगह के किनारे से
मेरे पिता ने आपके पिताजी की जीप
को नमस्कार किया था।
इसी सड़क की इसी जगह के किनारे से
मैंने आपकी कार को नमस्कार किया है।
इसी सड़क की इसी जगह के किनारे से
मेरा बेटा आपके पुत्र की और महँगी कार
को नमस्कार करेगा।
हमारे हाथों और आपके वाहनों का
यही रिश्ता है मालिक।

- चंद्रशेखर साकळे

मतदानकर्मियों की बस खड़े ट्रक में घुसी, होमगार्ड जवान की मौत, 9 घायल

मंदसौर में मतदान सामग्री जमा कर लौट रहे थे

मंदसौर (नप्र)। मंदसौर में मतदानकर्मियों की बस खड़े ट्रक में जा घुसी। हादसे में होम गार्ड जवान की मौत हो गई, जबकि 9 लोग घायल हैं। तीन गंभीर घायलों को सीतामऊ प्राथमिक केंद्र से जिला अस्पताल रेफर किया गया है। हादसा सुवासरा-मंदसौर रोड पर बसई के पास सुबह करीब 5.30 बजे हुआ।

सोमवार को चौथे चरण के चुनाव के बाद मतदान सामग्री जमा करवाने के लिए पोलिंग पार्टी मंदसौर पहुंची थी। सामग्री जमा करवाने के बाद आज सुबह 10 कर्मचारी निजी यात्री बस से घर लौट रहे थे, इसी दौरान हादसा हो गया।

हादसे में ये हुए घायल

● राजेश पिता मोहनलाल ● रामगोपाल पिता कन्हैया लाल राठौर ● अनिल पिता राधेश्याम तिवारी ● श्रवण पिता नरेंद्र कुमार जैन ● कैलाश पिता गोवर्धन लाल गुर्जर ● राजेंद्र पिता देवी प्रसाद श्रीवास्तव ● दीप्ति पति राजेंद्र श्रीवास्तव ● गोपाल पिता मंगस, निवासी बावड़ी खेड़ा चंदवासा ● तेजमल पिता चिरंजीवी लाल मेघवाल, निवासी भवानी मंडी

म.प्र. इलेक्शन से फ्री हुए नेता.. दूसरे राज्यों में करेंगे प्रचार

सीएम मोहन यूपी, दिल्ली जाएंगे, शिवराज दिल्ली में करेंगे जनसभाएं

भोपाल (नप्र)। मप्र में लोकसभा की 29 सीटों पर चार चरणों में मतदान हो चुका है। मप्र के चुनाव प्रचार से फ्री होने के बाद अब एमपी के नेता दूसरे राज्यों में चुनाव प्रचार करने जा रहे हैं। सीएम मोहन यादव यूपी, दिल्ली और हरियाणा में बीजेपी प्रत्याशियों के प्रचार में जाएंगे। वहीं पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान दिल्ली में 3 जनसभाओं को संबोधित करेंगे।

सीएम यूपी के हमीरपुर और दिल्ली में करेंगे प्रचार- मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव उत्तर प्रदेश के महोबा जिले के चरखारी कस्बे में जनसभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद वे दिल्ली पहुंचकर पश्चिम दिल्ली में रोड़ शो करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा 2:00 बजे भोपाल से खजुराहो के लिए रवाना हो गए थे। यहां उत्तर प्रदेश की हमीरपुर लोकसभा के बीजेपी प्रत्याशी कुंवर पुष्पेंद्र सिंह चंदेल के समर्थन में जिला महोबा की चरखारी विधानसभा के पनवाड़ी गांव में दोपहर 3.25 बजे आमसभा को संबोधित किया। जनसभा के बाद उत्तरप्रदेश से दिल्ली पहुँचे। दिल्ली पहुंचकर पश्चिम दिल्ली लोकसभा के मेन मटियाला रोड पर भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में रोड शो किया।

शिवराज भी दिल्ली में तीन जनसभाएं करेंगे- पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान दिल्ली दौरे पर रहेंगे। शिवराज सिंह चौहान दिल्ली में नॉर्थ ईस्ट दिल्ली और नई दिल्ली लोकसभा क्षेत्र में चुनाव प्रचार करेंगे। भाजपा प्रत्याशी मनोज तिवारी के समर्थन में शाम 5 बजे महिला सम्मेलन और शाम 7 बजे दलित सम्मेलन को संबोधित करेंगे। शिवराज सिंह चौहान रात 9 बजे नई दिल्ली लोकसभा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी बांसुरी स्वराज के समर्थन में सभा को संबोधित करेंगे।

पार्षद के बेटे ने युवक पर किया फायर

हरदा (नप्र)। हरदा में बीजेपी नेता के बेटे पर एक युवक पर कट्टे से फायर करने का आरोप लगा है। बताया जा रहा है कि किसी बात को लेकर भाजपा पार्षद और महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष अनीता अग्रवाल के बेटे सुमित अग्रवाल का एक युवक से विवाद हो गया था। उनसे कट्टा निकालकर फायर किया। इस दौरान झूमाझटकी हुई और गोली उसी के पैर में लग गई। सिटी कोतवाली पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लिया।

हाइवा ने बाइक को टक्कर मारी, पिता-बेटे की मौत

मंडला (नप्र)। मंडला में हाइवा ने बाइक सवार पिता-पुत्र को टक्कर मार दी। घटना मंगलवार दोपहर करीब 3.30 बजे हुई। हादसे में बाइक सवार पिता-पुत्र की मौके पर ही मौत हो गई।

राहुल बोले-सरकार बनते ही गरीबों को खटाखट देंगे पैसा

- अग्निवीर योजना को फाड़कर कचरे में फेकेंगे
- अखिलेश बोले-हर परीक्षा का पेपर लीक हो रहा

झांसी (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने मंगलवार को झांसी में संयुक्त रैली की। राहुल ने कहा- भाजपा वाले 22 अरबपति बना रहे हैं। हम करोड़ों लखपति बनाएंगे। हर परिवार से एक महिला चुनी जाएगी। उन करोड़ों महिलाओं के खाते में एक लाख रुपए भेजे जाएंगे। यानी महीने 8500 रुपया खाते में खटाखट-खटाखट जाएगा। 4 जून को हम हिंदुस्तान के गरीब किसानों का कर्जा माफ करने जा रहे हैं। जैसे हमने यूपीए सरकार में पहले किया था।

राहुल ने कहा- अग्निवीर योजना को हम फाड़कर कचरे में फेंक देंगे, हम शहीदों के साथ भेदभाव नहीं होने देंगे। मुफ्त अनाज योजना कांग्रेस की सरकार लेकर आई थी, हमारी सरकार बनने पर हम इसके तहत और अधिक, अच्छी क्वालिटी का राशन देंगे।

गरीबों, किसानों, कमजोर लोगों की सरकार बननी चाहिए, अंबानी-अडानी की सरकार हटाई जानी चाहिए। रैली में अखिलेश ने कहा- किसानों की आय का सारा पैसा भाजपा की जेब में जा रहा है। सब कुछ इस सरकार में महंगा हो गया है। हर बार जब परीक्षा हुई, पेपर लीक कर दिया गया। वैक्सीन का सच तो आप जानते ही होंगे। राहुल ने कहा- अग्निवीर योजना को कूड़ेदान में डाल देंगे। एक शहीद को दर्जा मिलेगा, एक को पेंशन मिलेगी। दूसरे को शहीद का दर्जा और पेंशन नहीं मिलेगी। हम ऐसा नहीं होने देंगे। हम ऐसी योजना को फाड़कर डस्टबीन में डाल देंगे।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 40 °c | न्यूनतम 29°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ बुधवार, 15 मई 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

यूरोप की बूढ़ी हो रही आबादी पर पोप ने जताई चिंता

● निशाने पर गर्भनिरोधक कंडोम! हथियार से कर दी तुलना ● इटली के लोगों से की अधिक बच्चे पैदा करने की अपील

रोम (एजेंसी)। ईसाई धर्म से सर्वोच्च धर्मगुरु पोप फ्रांसिस ने इटली और यूरोप में जनसंख्या संकट पर चिंता जाहिर करते हुए इटलीवासियों से अधिक से अधिक संख्या में बच्चे पैदा करने की अपील की। एक सम्मेलन में बोलते हुए पोप ने गर्भनिरोधक सामग्रियों की आलोचना की और उन पर जीवन को रोकने का आरोप लगाया। इटली दुनिया में सबसे कम जन्म दर वालों देशों में से एक है। देश में लगातार जन्मदर में गिरावट देखी जा रही है और पिछले साल 3,79,000 शिशुओं के जन्म के साथ निचले स्तर पर पहुंच गई है। पोप फ्रांसिस ने कहा, जन्म की संख्या उम्मीद की पहली किरण है। बच्चों और युवाओं के बिना कोई भी देश भविष्य के प्रति अपनी इच्छा खो देता है। पोप फ्रांसिस ने बच्चे पैदा करने के लिए कपल को प्रोत्साहित करने के लिए दीर्घकालिक राजनीतिक रणनीति और नीति बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कार्य संस्कृति को आसान बनाने और घर खरीदने में होने वाली बाधाओं को समाप्त करने की अपील की, जिससे महिलाओं को मातृत्व और करियर के बीच चुनाव न करना पड़े। आबादी को समस्या बताने वालों को निशाने पर लेते हुए उन्होंने कहा, हमारी दुनिया की समस्या बच्चों का पैदा होना नहीं है।

हिमाचली टोपी पहन कंगना रनौत ने भरा नामांकन

रोड शो में जबरदस्त भीड़ जुटाकर कांग्रेस की रैली का दिया जवाब

मंडी (एजेंसी)। बॉलीवुड अभिनेत्री और बीजेपी प्रत्याशी कंगना रनौत ने मंगलवार को मंडी लोकसभा सीट से अपना नामांकन भरा। नामांकन से पहले कंगना ने पड्डल मैदान से लेकर डीसी ऑफिस तक मेगा रोड़ शो निकाला। इस रोड़ शो में लोगों की भीड़ देखने को मिली। हजारों की संख्या में बीजेपी के कार्यकर्ता इस रोड शो में शामिल हुए। कार्यकर्ता कंगना के साथ नाचते-गाते हुए डीसी ऑफिस के गेट तक पहुंचे। कंगना के रोड शो से कांग्रेस की नामांकन रैली का जबाव देने का प्रयास भी किया। नामांकन दाखिल करने के बाद कंगना ने कहा कि आज उनके नामांकन को लेकर पूरे मंडी संसदीय क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिल रहा है।

संक्षिप्त समाचार

भीमा-कोरेगांव केस में गौतम नवलखा को 4 साल बाद जमानत

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को भीमा-कोरेगांव केस में महाराष्ट्र के एक्टिविस्ट गौतम नवलखा को जमानत दे दी है। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस एसवीएन भट्टी की बेंच ने कहा- हाईकोर्ट के जमानत के ऑर्डर पर स्टे की अवधि बढ़ाने का हमें कोई कारण नजर नहीं आ रहा है। पूरे मामले की सुनवाई खत्म होने में तो कई साल बीत जाएंगे।

कोर्ट ने कहा- गौतम नवलखा चार साल से ज्यादा समय से जेल में हैं। इनके खिलाफ अभी तक आरोप तय नहीं किए गए हैं। दरअसल, नवलखा पर 2017 में पुणे में एल्गार परिषद के आयोजित कार्यक्रम में भड़काऊ भाषण देने का आरोप है। इसके कारण ही भीमा-कोरेगांव में हिंसा हुई थी। हिंसा में एक व्यक्ति की मौत हुई थी, जबकि कई घायल हुआ था। इस मामले में नवलखा को बॉम्बे हाईकोर्ट ने जमानत दी थी।

पीओके में पाकिस्तानी रेंजर्स पर पत्थरों से हमला

● 718 करोड़ के पैकेज के बाद भी नहीं माने प्रदर्शनकारी

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में महंगाई और बिजली के दामों के खिलाफ 4 दिन से प्रदर्शन जारी हैं। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने

सोमवार को पीओके के लिए 23 अरब पाकिस्तानी रुपए (718 करोड़ हिंदुस्तानी रुपए) के पैकेज की घोषणा की। इसके बावजूद प्रदर्शनकारी पीछे हटने को तैयार नहीं हैं। पाकिस्तानी मीडिया डॉन न्यूज के मुताबिक, राहत पैकेज की घोषणा के कुछ देर बाद ही पाकिस्तानी रेंजर्स ने प्रदर्शनकारियों पर आंसू गैस के गोले छोड़े और फायरिंग की।

सपा ने डूबते जहाज से गठबंधन किया : मुख्यमंत्री

भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण को मध्यप्रदेश सरकार ने अपने पाठ्यक्रम में शामिल किया, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी सनातन की ध्वजा को दुनिया भर में फहरा रहे हैं : डॉ. मोहन यादव

महोबा। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा ने उत्तर प्रदेश के हमीरपुर लोकसभा क्षेत्र के महोबा जिले के चरखारी विधानसभा के पनवाड़ी में भाजपा प्रत्याशी श्री पुष्पेंद्र सिंह चंदेल के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया। जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार ने भगवान श्रीराम और श्री कृष्ण को स्कूल और कॉलेज के पाठ्यक्रम में शामिल कर छात्रों को पढ़ा रही है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने भारत को वैश्विक स्तर पर मान-सम्मान दिलाने का कार्य किया है। श्री नरेन्द्र मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए हर बूथ पर कमल खिलाएं। जनसभा को हमीरपुर से सांसद प्रत्याशी श्री पुष्पेन्द्र सिंह चंदेल ने भी संबोधित किया।

सपा ने डूबते जहाज से गठबंधन किया: डॉ. मोहन यादव

समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव पर तंज कसते हुए मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि भाई साहब को गठबंधन ही करना था तो डूबते जहाज में क्यों बैठे। जिन्होंने पूरी कांग्रेस को डुबा दिया, उनसे गठबंधन कर रहे हो, गठबंधन करना ही है तो चलती हुई गाड़ी से करो। हमारी संस्कृति में उगते हुए सूरज को नमस्कार किया जाता है। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि मुलायम सिंह ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी को शुभकामनाएं प्रेषित की थीं और कहा था कि आपकी सरकार बन रही है।

भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण का मध्यप्रदेश से रिश्ता गौरवशाली पक्ष- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भगवान श्रीराम ने वनवास के 11 वर्ष मध्यप्रदेश के चित्रकूट में बिताए हैं। कंस का वध करने के बाद भगवान श्रीकृष्ण ने उज्जैन में सांदीपनि आश्रम में शिक्षा प्राप्त की है। शिक्षा प्राप्त करने के बाद जब भगवान सृष्टि संचालन के लिए वापस जा रहे थे, तब मध्यप्रदेश के जानापाव में जन्म लेने वाले भगवान परशुराम ने उन्हें सुदर्शन चक्र सौंपा। अमीरी और गरीबी भगवान श्रीकृष्ण

और सुदामा जी की दोस्ती में कभी आड़े नहीं आई। वहीं भगवान श्रीराम ने प्रेमभाव देखकर हमारे आदिवासी समाज की माता शबरी के जूठे बेर खाए। मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश दो पड़ोसी राज्य हैं, लेकिन हम सभी का आप लोगों से सदियों पुराना रिश्ता है। मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश के रिश्ते भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण के काल से है। भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण का मध्यप्रदेश से रिश्ता गौरवशाली पक्ष है।

रानी दुर्गावती और रानी अवंतीबाई की वीरता जन-जन तक पहुंचा रही मध्यप्रदेश सरकार- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि बुंदेलखंड वीरों की भूमि है। जब सनातन की बात होगी तो भगवान श्रीकृष्ण, भगवान श्रीराम के साथ आल्हा-ऊदल के साथ रानी दुर्गावती और रानी अवंतीबाई का जिक्र हमेशा किया जाएगा। दिसंबर 2023 में मध्यप्रदेश में भाजपा सरकार बनने के बाद मैंने पहली कैबिनेट बैठक जबलपुर में की। जबलपुर में कैबिनेट रानी दुर्गावती को सम्मान देने के लिए पहली कैबिनेट बैठक की गई। सागर में रानी अवंतीबाई के नाम से विश्वविद्यालय स्थापित किया गया है। नई शिक्षा नीति में स्कूली पाठ्यक्रम में भगवान श्रीराम और भगवान श्रीकृष्ण से जुड़े प्रसंगों को पाठ्यक्रम में शामिल छात्रों को पढ़ाया जा रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी सनातन की ध्वजा को पूरी दुनिया में फहरा रहे हैं। मध्यप्रदेश सरकार भी भगवान श्रीकृष्ण और भगवान श्रीराम से जुड़े स्थानों को तीर्थ स्थल के रूप में विकसित करने जा रही है।

पहले चार चरणों में बीजेपी को मिलेंगी 270 सीटें

● पश्चिम बंगाल की जनसभा में अमित शाह का दीदी पर पलटवार

कोलकाता (एजेंसी)। 2024 लोकसभा चुनावों के लिए पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रचार के लिए पहुंचे बीजेपी नेता और गृह मंत्री अमित शाह ने दावा किया है कि बीजेपी पहले चार चरणों में ही 270 सीटें जीतेगी। शाह ने बनगांव की रैली में कहा कि अभी तक देश की 380 लोकसभा सीट पर चुनाव हो चुके हैं, उनमें से मोदी जी 270 सीट जीतेंगे। एक दिन पहले पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा था कि बीजेपी सिर्फ 195 सीटें ही जीत पाएगी। इंडिया अलायंस 315 सीटें जीतेगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि ममता दीदी वोट बैंक की राजनीति के लिए घुसपैठ होने देती हैं, लेकिन सीएए का विरोध कर रही हैं। शाह ने कहा कि ममता दीदी कभी भी सीएए लागू होने से नहीं रोक सकतीं, मामला केंद्र सरकार के अधीन है।

श्री नरेन्द्र मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने हर बूथ पर कमल खिलाएं : श्री विष्णुदत्त शर्मा

महोबा। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा ने उत्तर प्रदेश के हमीरपुर लोकसभा के महोबा जिले के चरखारी विधानसभा के पनवारी में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने बीते दस वर्षों में वैश्विक स्तर पर भारत का मान-सम्मान बढ़ाने का कार्य किया है। श्री शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी हर गरीब के जीवन को बदलने का कार्य कर रहे हैं वहीं हमीरपुर लोकसभा क्षेत्र से प्रत्याशी श्री पुष्पेन्द्र सिंह चंदेल क्षेत्र की जनता के विकास और कल्याण के लिए लगातार कार्य कर रहे हैं। श्री पुष्पेन्द्र सिंह चंदेल प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के गरीब कल्याण के कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने में जुटे हुए हैं। श्री पुष्पेंद्र सिंह चंदेल को हर बूथ पर कमल खिलाकर विजयी बनाएं।

प्रधानमंत्री जी भ्रष्टाचार और आतंकवाद मुक्त भारत बना रहे- भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी भ्रष्टाचार और आतंकवाद मुक्त भारत बना रहे हैं। कांग्रेस के शासनकाल में देश में आए दिन आतंकवादी घटनाएं होती थीं, लेकिन 2014 में श्री नरेन्द्र मोदी जी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से आतंकवादी घटनाएं बंद हो गई हैं। देश के अंदर अब आतकंवादी और उग्रवादी घटनाएं बंद हो गए हैं। कांग्रेस के नेता कहते हैं कि पाकिस्तान से बात करनी चाहिए। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का 56 इंच का सीना है, वो किसी से नहीं डरते। कांग्रेस के शासनकाल में आतंकवादी भारत में घुसकर वारदात करते हैं। लेकिन श्री नरेन्द्र मोदी जी के प्रधानमंत्री बनने के बाद भारत ने सर्जिकल स्ट्राइक करके पाकिस्तान के अंदर आतंकवादियों को सबक सिखाया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी भारत को विकसित राष्ट्र बनाने और भारत को विश्व गुरू बनाने के लिए कार्य हरे हैं। श्री नरेन्द्र मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए पुष्पेन्द्र चिंह चंदेल को ऐतिहासिक मतों से विजयी बनाएं।

छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र में 4 दिन तक आंधी-बारिश का अलर्ट

60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलेंगी हवाएं

राजस्थान में हीटवेव की संभावना

नई दिल्ली (एजेंसी)। मौसम विभाग ने आज 21 राज्यों में तेज हवा के साथ बारिश का अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा अगले 4 दिन तक मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र के कई जिलों में बारिश के साथ 40 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। इन राज्यों के अलावा हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड,राजस्थान, गुजरात, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, ओडिशा, बिहार, झारखंड, तमिलनाडु, केरल और कर्नाटक में भी बारिश होगी। यहां हवा की रफ्तार करीब 30 किलोमीटर प्रति घंटा रहेगी। मौसम विभाग के मुताबिक, आंधी-बारिश के दौर के बावजूद राज्यों में तापमान में ज्यादा गिरावट दर्ज नहीं हो रही है। राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, आंध प्रदेश, महाराष्ट्र में सोमवार को तापमान 40 से 42 डिग्री के बीच दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने बताया कि कुछ राज्यों में अगले कुछ दिनों में एक बार फिर से हीटवेव यानी लू चल सकती है। राजस्थान में 15 मई से 18 मई तक लू चलेगी।

बांग्लादेश बोला-भारत के बिना हमारा विकास मुमकिन ही नहीं

● कहा-बॉयकॉट इंडिया कैंपेन फेल हुआ, विपक्ष देश की अर्थव्यवस्था कमजोर करना चाहता है

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश के विदेश मंत्री हसन महमूद ने कहा है कि, भारत के बिना उनके देश में विकास संभव नहीं है। भारत के साथ बांग्लादेश तीन तरफ से कई हजार किलोमीटर की सीमा साझा करता है। ऐसे में उनसे अच्छे संबंध बनाना हमारे लिए बेहद जरूरी है। दरअसल, महमूद सोमवार को बांग्लादेश में विपक्ष की तरफ से चलाए गए बॉयकॉट इंडिया कैंपेन से जुड़े सवालों का जवाब दे रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा, बांग्लादेश नेशनल पार्टी (बीएनपी) की तरफ से चलाया गए इस अभियान का मकसद देश में अस्थिरता पैदा करना था। वे बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था को कमजोर करना चाहते हैं। महमूद ने अभियान को पूरी तरह से फ्लॉप बताते हुए कहा कि अगर बीएनपी दोबारा ऐसा कोई अभियान चलाएगी, तो वो पूरी तरह अलग-थलग हो जाएगी। लोग इस एजेंडे को फिर से अस्वीकार कर देंगे। 17 जनवरी को बांग्लादेश में आम चुनाव के बाद बायकॉट इंडिया या इंडिया आउट कैंपेन शुरू हुआ था।

भारत ईरान 'डील' पर अमेरिका हो गया लाल, चीन पर साधी चुप्पी

चाबहार पर भारत को दे दी धमकी, चीन पर नहीं खुल रही जुबान

तेहरान/वाशिंगटन/बीजिंग (एजेंसी)। गाजा युद्ध के बीच भारत और ईरान ने चाबहार बंदरगाह को लेकर बड़ा समझौता किया है। इस समझौते के बाद भारत को चाबहार पोर्ट के संचालन के लिए 10 साल का अधिकार मिल गया है। विश्लेषकों का कहना है कि रणनीतिक रूप से बेहद अहम यह बंदरगाह भारत के लिए यूरोप और रूस के दरवाजे खोल सकता है। चाबहार ईरान के पाकिस्तान से सटे सिस्तान बलूचिस्तान प्रांत का एक डीप वॉटर पोर्ट है जिसे चीन के बनाए जा रहे ग्वादर पोर्ट का जवाब कहा जा रहा है। ईरान का यह पोर्ट भारत के सबसे करीब है और विशाल कार्गो शिप के लिए आना जाना बहुत आसान होगा। भारत और ईरान के बीच इस डील के बाद अमेरिका बुरी तरह से भड़क गया है और उसने प्रतिबंधों की धमकी दी है। यह वही अमेरिका है जो चीन के खिलाफ चुप्पी साधे बैठा है जो ईरान के साथ अरबों की तेल डील करके मालामाल हो रहा है। ईरान के साथ चीन ने अरबों डॉलर तेल समझौता किया है। दरअसल, अमेरिका के प्रतिबंध लगाने के बाद ईरान का तेल निर्यात बंद हो गया। यहां तक कि भारत ने भी तेल खरीदना बंद कर दिया। इससे चीन को बड़ा मौका मिल गया।

बेटी ने भागकर की थी शादी, संपत्ति में हिस्सा मांगा तो सुपारी देकर पिता ने करवाई जेठ की हत्या

आजाद नगर थाना क्षेत्र में हुई हत्या के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है

इंदौर। आजाद नगर में हुई युवक की हत्या में मार्बल कारोबारी आरिफ खिलजी का हाथ सामने आया है। आरिफ ने सुपारी देकर हत्या करवाई है। साजिश में शामिल दो युवकों को पुलिस ने पकड़ लिया है। दोनों मृतक मोईन के दोस्त हैं जो 700 रुपये लेकर मोईन को गली तक ले गए थे। 20 वर्षीय मोईन पुत्र रफीक खान की रविवार रात अज्ञात बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। स्वजन ने आरोप लगाया कि हत्या में आरिफ खिलजी (स्नेहलतागंज), नाहिद जाटू (खजराना), युसूफ अंसारी (बड़वाली चौकी) व वसीम चौहान (स्नेहलतागंज) शामिल हैं। सोमवार सुबह पुलिस ने मोबाइल की काल डिटेल के आधार पर मोईन के दोस्त अहमद व इलियास को आजाद नगर से पकड़ लिया।

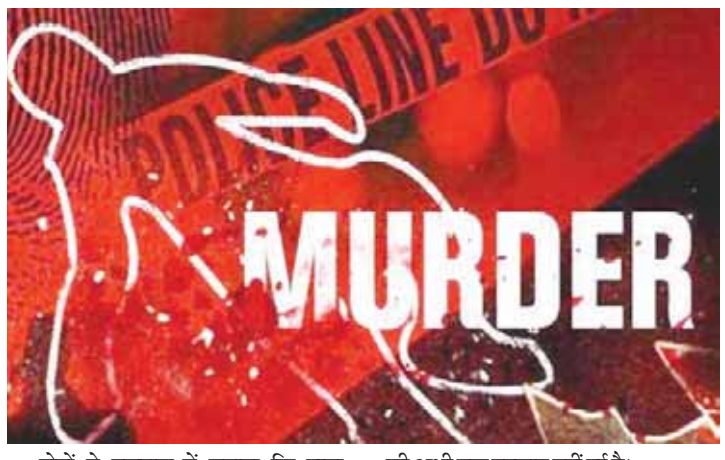

दोनों ने पूछताछ में बताया कि हत्या आरिफ खिलजी ने करवाई है। आरिफ ने दो शूटर बुलाए थे जो गोली मारकर भाग गए। अहमद और इलियास का काम मोईन को घर से बुलाकर नूरानी मस्जिद तक लाना था। इस काम के बदले उन्हें 700-700 रुपये मिले थे। पुलिस के मुताबिक आरिफ घर पर ताला लगाकर भाग गया है। गोली मारने वाले शूटर की अभी तक पहचान नहीं हुई है।

आरिफ की बेटी अलीशा ने पिछले वर्ष अगस्त में घर से भागकर मोईन के बड़े भाई मुबस्सर से प्रेम विवाह कर लिया था। अलीशा द्वारा संपत्ति में हिस्सा मांगने पर बात बिगड़ी थी। आरिफ आर्थिक रूप से संपन्न है और मुबस्सर की स्थिति ठीक नहीं है। आरिफ चाहता था कि अलीशा मुबस्सर को छोड़कर घर आ जाए। डीसीपी जोन-1 विनोद कुमार मीना के मुताबिक, अभी तक की पूछताछ में कान्ट्रेक्ट किलिंग की बात सामने आई है। आरिफ के पकड़े जाने के बाद ही शूटर के बारे में जानकारी मिलेगी।

वैन चालक की हत्या में मुख्य आरोपी फरार

कैश वैन चालक रिंकू उर्फ विजय की चाकू मारकर हत्या करने वाले आरोपी विजय नाथ उर्फ काल भैरव उर्फ राम बच्चा की तलाश जारी है। दो साथी यश और मयंक को पुलिस ने सोमवार को कोर्ट में पेश कर जेल भिजवा दिया। हुकुमचंद कॉलोनी (मल्हारगंज थाना क्षेत्र) निवासी रिंकू की शनिवार रात आरोपियों ने चाकू मारकर हत्या कर दी थी। हमले में रिंकू का साथी हेमंत भी घायल हुआ था।

घायल दंपती की मंत्री सिलावट ने की मदद

खुद की कार से अस्पताल भेजा, कार की टक्कर से घायल हुए थे पति-पत्नी

इंदौर (नप्र)। इंदौर-उज्जैन रोड पर हादसे में घायल दंपती को मंत्री तुलसीराम सिलावट ने अपनी कार से अस्पताल भेजा। बाइक सवार दंपती कार की टक्कर लगने से घायल हो गए थे। इस बीच मंत्री सिलावट उसी रास्ते से इंदौर आ रहे थे। उन्होंने घायल दंपती को अपनी कार में बैठाकर उपचार के लिए अस्पताल रवाना किया।

सिलावट ने कहा कि वे सोमवार को जब सांवेर में वोट डालकर लौट रहे थे तभी रास्ते में दोनों घायल मिले। दोनों को गंभीर घायल देख मंत्री ने कार रुकवाई और उन्हें उपचार के लिए अरविंदो अस्पताल भेजा। घटना दोपहर 3 बजे सोमवार की है। इसका वीडियो मंगलवार को वायरल हुआ है।

12वीं में फेल हुआ तो जहर खाया, मौत

इंदौर। कोतवाली थाना क्षेत्र में आने वाले गुजर खेड़ा में पटेल बेकरी के पास सीबीएसई 12वीं का रिजल्ट बिगड़ने से एक बच्चे ने सल्फास खाकर खुदकुशी कर ली। इस दौरान इंदौर में इलाज के दौरान बच्चे की मौत हो गई। कक्षा 12वीं में पढ़ने वाले किशोर का नाम आर्यन पिता विजय पाल है। सोमवार को जैसे ही सीबीएसई का रिजल्ट घोषित हुआ तब आर्यन ने अपने मोबाइल में रिजल्ट देखा। इसी दौरान घर में रखी तीन सल्फास की गोली खाकर आर्यन बाथरूम की ओर गया और अंदर से बाथरूम को बंद कर लिया। जब काफी देर तक बाथरुम से आर्यन बाहर नहीं आया तो घर वालों को शंका हुई। बाथरूम का गेट खोल कर देखा तो आर्यन बेसुध पड़ा था। उसके परिजन उसे तत्काल महू के शासकीय अस्पताल ले गए। वहां से उसे इंदौर रेफर कर दिया गया। यहां उपचार के दौरान मंगलवार सुबह उसकी मौत हो गई।

लोकतंत्र के समर्थन में खड़ा हुआ इंदौर, 61 प्रतिशत से अधिक हुआ मतदान

इंदौर में पिछली बार से 8 प्रति. कम वोटिंग 61.67 रहा प्रतिशत मतदान, रात 3.30 बजे आखिरी स्ट्रांग रूम में सील

इंदौर। लोकसभा चुनाव में बीते तीन चरणों में हुए मतदान में मध्य प्रदेश के माथे पर जो उत्साह हीनता का दाग लगा था, उसे इंदौर सहित मालवा-निमाड़ के आठों लोकसभा क्षेत्रों ने धो डाला। तमाम कयासों, अनुमानों, सुगबुगाहटों को परे कर मतदाता सुबह से ही घरों से निकले और शाम ढलने तक पूरे मनोयोग से अपने मताधिकार का इस्तेमाल करते रहे।

उधर इन सबसे इतर देश का सबसे स्वच्छ शहर इंदौर भी लोकतंत्र के महापर्व में नया अध्याय लिखने में सुबह से व्यस्त था। नया इसलिए क्योंकि यहां की राजनीतिक स्थिति मालवा-निमाड़ के अन्य सात लोकसभा क्षेत्रों से भिन्न थी। लोकसभा चुनाव के लिए नाम वापसी के आखिरी दिन कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशी अक्षय कांति बम ने नामांकन वापस लेकर भाजपा की सदस्यता ले ली। कांग्रेस के पास इस आघात को सहने के अलावा दूसरा विकल्प नहीं था। कांग्रेस नेता मतदान के एक दिन पहले तक इंदौरवासियों से नोटा के साथ जाने की अपील करते रहे। ये परिस्थिति निश्चित रुप से देश के अन्य हिस्सों के मतदाताओं के लिए नई भी थीं।

देशभर की निगाहें इंदौर पर टिकी भी थी कि इंदौर इस परिस्थिति में क्या करता है? लेकिन इंदौर ने फिर देशभर को बता दिया कि उसकी हवाओं में सकारात्मकता बहती है। कर्तव्य यहां संस्कार बन चुका है। और नवाचार को लेकर इंदौरी हमेशा आग्रही रहते हैं।

61 प्रतिशत से अधिक हुआ मतदान

सोमवार को घड़ी सुइयों के सुबह के सात बजते ही तमाम राजनीतिक समीकरणों को किनारे कर इंदौरवासी मतदान के लिए घरों से निकल पड़े। न भीषण गर्मी उनकी राह रोक सकी न बीते तीन महीनों से मध्य प्रदेश में चल रही सियासी उत्साह हीनता।

मैदान में भले ही विपक्षी दल का प्रत्याशी मौजूद नहीं था लेकिन शहरवासियों ने मतदान करने के अपने कर्तव्य से मुंह नहीं मोड़ा। शाम तक 61 प्रतिशत से अधिक मतदान ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि इंदौर यूं ही सिरमौर नहीं है। चुनौतियों को स्वीकार करना और उन पर जीत हासिल करना इस शहर का स्वभाव बन चुका है। यही कारण है कि बीते कुछ सालों में इंदौर ने देश ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय फलक पर अपनी खास जगह बनाई है।

मालवा-निमाड़ ने दूर की चिंता

मालवा-निमाड़ की सांस्कृतिक, आर्थिक राजधानी कहलाने वाले इंदौर शहर ने कदम आगे बढ़ाए तो भला शेष संसदीय क्षेत्र कैसे पीछे रहते। उज्जैन, धार, रतलाम, खरगोन, खंडवा, मंदसौर और देवास संसदीय क्षेत्रों में अच्छा मतदान हुआ। तीसरे चरण तक कम मतदान से राजनीतिक दलों के साथ-साथ निर्वाचन आयोग की चिंता को भी मालवा-निमाड़ ने चौथे चरण में दूर कर दिया।

कांग्रेस नेताओं पर हमला, बदमाशों ने ब्लॉक अध्यक्ष और पार्षदों पर ताने चाकू, महिलाओं-बच्चों को भी पीटा

पुलिस ने आठ लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है

इंदौर। हत्या, लूट-डकैती के आरोपियों और हिस्ट्रीशीटर 30 से ज्यादा बदमाशों ने सोमवार शाम कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष विनोद उर्फ बब्बू यादव के घर हमला कर दिया। चाकू-पिस्टल लेकर आए बदमाशों ने बब्बू के साथ मारपीट की और पार्षद राजू भदौरिया, चिंटू चौकसे को चाकू दिखाकर धमकाया। बदमाशों ने पथराव कर घर के कांच फोड़ दिए। बाहर खड़ी कार और दोपहिया वाहनों में भी चाकू मारे। पुलिस ने आठ के खिलाफ नामजद एफआईआर लिखी है। विवाद की शुरुआत कनकेश्वरी कॉलेज नंदानगर पोलिंग बूथ से हुई थी। रिंकू नामक युवक द्वारा भाजपा नेताओं से

बहस करने पर अमय यादव और महेंद्र चौहान ने उसकी पिटाई कर दी। गब्बू ने उन्हें समझाया तो दोनों पक्षों में तनातनी हो गई। सभापति मुन्नालाल यादव का बेटा अंकित भी पहुंचा और धमकाया। उस वक्त तो लोगों ने दोनों पक्षों को अलग-अलग कर दिया, लेकिन शाम करीब सवा पांच बजे हिस्ट्रीशीटर बदमाश लखन जाट, सूरज जाट, मोंटू यादव, हेमंत उर्फ भय्यू, आशीष पाल, आदर्श, चैरी, कौशल जाट सहित करीब 30 बदमाश बाइक से आए।

बब्बू यादव नेता प्रतिपक्ष व वार्ड क्रमांक-21 के पार्षद चिंटू चौकसे और वार्ड 22 के पार्षद राजू भदौरिया के साथ ऑफिस में बैठे थे। बदमाशों ने आते ही चाकू निकाले और दनदनाते हुए ऑफिस में घुस गए। बब्बू के साथ मारपीट की और भदौरिया व चौकसे को धमकाया। आरोपितों ने पेवर ब्लाक उठाकर घर में फेंके और खिड़की व दरवाजों के कांच फोड़ दिए। बाहर खड़ी कार, बाइकों के कांच फोड़ डाले। बाइक और स्कूटर की सीट चाकू मारकर फाड़ दी।

अभय राठौर के इनकम टैक्स रिटर्न की जांच कर रही पुलिस, तीन आरोपियों को जेल भेजा

इंदौर। नगर निगम में हुए ड्रेनेज घोटाले के आरोपी अभय राठौर से पूछताछ जारी है। राठौर की संपत्ति, इनकम टैक्स रिटर्न और बैंक खातों का विश्लेषण चल रहा है। उधर घोटाले में लिप्त तीन आरोपियों को पुलिस ने कोर्ट पेश कर जेल भेज दिया है। 59 वर्षीय निलंबित एक्जीक्यूटिव इंजीनियर अभय राठौर को पुलिस ने 15 मई तक पुलिस रिमांड पर लिया है। अभय द्वारा फर्जीवाड़ा करना स्वीकार लिया है। उसने कुछ कर्मचारियों के नाम बताए है जो शासकीय फाइलें उपलब्ध करवाते थे।

लोकायुक्त में हुई शिकायत

जोन-3 के डीसीपी पंकज पांडे के मुताबिक राठौर के खिलाफ आर्थिक अपराध ब्यूरो, लोकायुक्त में भी शिकायतें हो चुकी है। पुलिस उसकी संपत्ति की जांच के साथ साथ इनकम टैक्स रिटर्न का रिकार्ड जांच रही है ताकि घोटाले की जांच से लिंक जोड़ी जा सके। उधर पुलिस ने आरोपित राहुल बढ़ेरा,राजकुमार सालवी और मोहम्मद जाकीर को कोर्ट पेश कर जेल भेज दिया।

इंदौर में मतदान कराकर लौटे दलों का कलेक्टर-निगमायुक्त ने किया भव्य स्वागत

इंदौर। लोकसभा चुनाव की मतदान प्रक्रिया कराने के बाद मतदान केंद्रों से दलों की वापसी का सिलसिला सोमवार शाम 7 बजे बाद शुरू हुआ। सबसे पहले विधानसभा क्षेत्र क्रमांक तीन में आने वाले पालदा के सेंट अर्नाल्ड स्कूल स्थित तीन मतदान केंद्रों के दल एक साथ नेहरू स्टेडियम पहुंचे। यहां इनका ढोल बजाकर पुष्पहारों से स्वागत किया गया। कलेक्टर आशीष सिंह और निगमायुक्त शिवम वर्मा ने मतदान दलों का स्वागत किया। निगम के अपर आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने अगवानी की। सबसे पहले आने वाले मतदान दलों में दो दल पिंक बूथ के थे। इनकी पूरी टीम में महिलाएं थीं। इनमें कुछ महिला कर्मी अंतिम बार चुनाव का दायित्व निभा रही थीं।

इन महिलाओं का कहना था कि वे अगले कुछ वर्षों में ही सेवानिवृत्त होने वाली हैं। अंतिम बार चुनाव का दायित्व सफलतापूर्वक निभाने पर वे बेहद प्रसन्न और अभिभूत थीं। मतदान दलों और उनकी सामग्री को स्टेडियम के मुख्य द्वार से उनके निर्धारित टेबल पर पहुंचाने के लिए ई-रिक्शा की सुविधा उपलब्ध थी। सामग्री को रिक्शा से निर्धारित टेबल तक पहुंचाया गया।

रात डेढ़ बजे तक स्टेडियम लौटीं पोलिंग पार्टियां, सुबह साढ़े तीन बजे लगा स्ट्रांग रुम में ताला

इंदौर। इंदौर और आसपास के क्षेत्रों में हुई तेज बारिश का असर मतदान पर भी पड़ा। ग्रामीण क्षेत्रों के कई पोलिंग बूथों पर बिजली गुल हो गई और अंधेरे में पोलिंग पार्टियों को बची प्रक्रिया करने में समय लगा। इस कारण मतदान सामग्री स्थल नेहरू स्टेडियम में रात डेढ़ बजे तक बसों में सवार होकर पोलिंग पार्टियां आती रहीं। अलसुबह साढ़े तीन बजे महू और देपालपुर विधानसभा के स्ट्रांग रूमों को ताला लगाकर सील किया गया। अब ये कक्ष चार जून को मतगणना के दौरान ही खुलेंगे।इंदौर लोकसभा क्षेत्र में कांग्रेस वर्सेस नोटा के बीच मुकाबला रहा। इंदौर लोकसभा सीट के आठ विधानसभा क्षेत्रों में 61 प्रतिशत मतदान हुआ। मतदान छह बजे समाप्त हो चुका था, लेकिन बारिश और बिजली गुल होने के कारण महू, देपालपुर के कई बूथों पर ईवीएम सील करने,दस्तावेजों को व्यवस्थित करने में रात 9 बजे तक का समय लग गया। स्टेडियम के गेट नंबर छह से पोलिंग पार्टियों को प्रवेश की व्यवस्था की गई थी। रात साढ़े 12 बजे महू के चंदनखेड़ी गांव के बूथ से लौटे कर्मचारियों ने बताया कि शाम पांच बजे बिजली गुल हो गई

थी। मोमबत्ती में मतदान कराना पड़ा और मतदान के बाद की प्रक्रिया में भी इस कारण देर हो गई। सबसे पहले तीन नंबर विधानसभा क्षेत्र के स्ट्रांग रूम को सील किया गया। सबसे अंत में देपालपुर और महू के स्ट्रांग रूम पर सुबह तीन बजे उम्मीदवारों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में ताला लगाया गया। प्रशासन ने इसकी वीडियोग्राफी भी कराई। इंदौर जिले का महू विधानसभा क्षेत्र धार लोकसभा का हिस्सा है। धार लोकसभा क्षेत्र की दूसरी विधानसभा सीटों के वोटों गिनती तो धार में होगी, लेकिन महू क्षेत्र के वोटों की गिनती इंदौर में होगी और मतों की जानकारी धार भेज दी जाएगी। सभी ईवीएम रखे जाने के बाद स्ट्रांग रूम का बिजली कनेक्शन काट दिया गया, ताकि शॉर्ट सर्किट के कारण अग्नि हादसा न हो सके।

इंदौर के एमवाय अस्पताल में आई ब्लड क्रास मेचिंग मशीन, एक साथ हो सकेगी 90 ब्लड ग्रुप की जांच

इंदौर। स्वास्थ्य के क्षेत्र में प्रदेश में अधिकांश मामलों में भी अब इंदौर नंबर वन बनता जा रहा है। एमवाय अस्पताल स्थित ब्लड बैंक में मध्य प्रदेश की पहली इमिनो हेमेटोलाजी सिस्टम मशीन आ चुकी है। जिसमें अब एक साथ 90 ब्लड ग्रुपों की जांच और मेचिंग हो सकेगी। जिससे मरीजों के समय की बचत के साथ ही एक्यूरेसी भी रहेगी। इस मशीन की मांग ब्लड बैंक द्वारा लंबे समय से की जा रही है। बता दें कि फुली आटोमेटिक ब्लड ग्रुपिंग और क्रास मेचिंग मशीन सिस्टम की कीमत 50 लाख रुपये हैं, जिसे प्रदेश सरकार द्वारा भेजी गई है। अभी ब्लड मैचिंग एक-एक मरीजों की करना पड़ती है। जिसके कारण अधिक समय लग जाता है। बता दें कि अस्पताल में रोजाना करीब 150 यूनिट ब्लड की ग्रुप की जांच होती है। वर्तमान में मशीन के इंस्टालेशन का कार्य लगभग पूरा हो गया है। जल्दी ही मरीजों की सुविधा के लिए यह शुरू हो जाएगी। बता दें कि मशीन के आ जाने से अब मरीजों को खून देने से पहले इसकी दोहरी जांच होगी। इस जांच से मरीज में खून चढ़ाने के बाद किसी प्रकार के रिएक्शन का खतरा काफी कम हो जाएगा।

6 साल के बच्चे की एसिड पीने से मौत,रात में पानी समझकर पीया, दोपहर में ही फैरी वाले से लेकर रखा था

इंदौर। इंदौर के बाणगंगा में रहने वाले एक 6 साल के बच्चे की एसिड पीने से मौत हो गई। बताया जाता है कि उसने 8 दिन पहले एसिड गलती से पी लिया था। इसके बाद रात में उसकी तबीयत बिगड़ी। उसे उपचार के लिये एमवाय एडमिट कराया गया। यहां सोमवार को उसकी मौत हो गई। पोस्टमार्ट्म के बाद पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया है।

बाणगंगा पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक माखन (6) पुत्र कैलाश अहिरवार की सोमवार को उपचार के दौरान मौत हो गई। माखन ने 5 मई की रात में गलती से पानी समझकर एसिड पी लिया। इसके बाद उसे उपचार के लिये एमवाय अस्पताल में भर्ती किया गया। करीब आठ दिन तक उसका यहां उपचार चला।

रात में दो बार उठा, पानी पीकर सो गया-पिता कैलाश ने बातचीत में बताया कि उनकी पत्नी रचना ने रात में दाल बाटी बनाई थी। रात करीब 12 बजे माखन बिस्तर पर अपने पिता के पास सो रहा था। उसे प्यास लगी तो पिता ने पानी दे दिया। वह वापस सो गया। इसके बाद वह मां के पास नीचे सो गया। बाद में करीब डेढ़ बजे फिर से पानी मांगा। तब मां ने उसे पानी देकर सुला दिया।

रात करीब तीन बजे के लगभग फिर से वह उठा उस समय उसने कूलर के पास रखी बोतल से पानी समझकर एसिड पी लिया और सो गया। कुछ देर बाद उसके गले में जलन हुई मां रचना को उठाकर कहा कि उसे उल्टी आ रही है। मां उसे बाथरूम ले गई। तब उसे उल्टी में बदबू आई रचना डर गई। पति को उठाया। पूछताछ में बच्चे ने बोतल का पानी पीने की बात कही। इसके बाद वह उसे अस्पताल लेकर पहुंचे।

दोपहर में फेरी वाले से ली थी बोतल-पिता कैलाश के मुताबिक साफ सफाई के लिये उसने दोपहर में फेरी वाले से उसने सर्फ ओर एसिड की बोतल ली थी। उसे कूलर के पास ही रख दिया था। उन्हें नहीं पता बेटा रात में कब उठा ओर उसने इस तरह से बोतल से एसिड पी लिया।

विदिशा के पास का रहने वाला परिवार-पिता कैलाश के मुताबिक वह ग्राम रसीली साउ तहसील लटेरी के रहने वाले है। माखन उनका इकलौता बेटा है। उसकी एक बड़ी बहन अंजलि है। परिवार के मुताबिक वह बेटे का अंतिम संस्कार गांव में ही करेंगे। कैलाश बाणगंगा इलाके की एक फैक्ट्री में काम करते हैं। वहीं मां भी कंपनी में नौकरी पर जाती थी।

सीयूईटी काउंसलिंग के लिए आठ ग्रुप में बांटे 43 कोर्स, एक दिन में पूरी होगी प्रवेश प्रक्रिया

इंदौर। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय ने अपने विभगों से संचालित स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में प्रवेश को लेकर सीयूईटी काउंसलिंग में पंजीयन शुरू कर दिए है। 43 पाठ्यक्रम को विश्वविद्यालय प्रशासन ने आठ ग्रुप में बांटा है, जिसमें मैनेजमेंट, यांत्रिकी, विज्ञान संकाय के पाठ्यक्रम रखे गए है। प्रत्येक ग्रुप की अलग-अलग दिन काउंसलिंग करवाई जाएगी। खास बात यह है कि तीन ऐसे ग्रुप में है, जिसमें एक-एक कोर्स रखे है। अधिकारियों के मुताबिक इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए एक दिन में प्रक्रिया पूरी करेंगे। आईआईपीएस, आईएमएस, ईएमआरसी, लॉ, फिजिकल एजुकेशन सहित 17 विभागों के

43 पाठ्यक्रम में विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जाएगा। 1473 सीटों के लिए दस जून से काउंसलिंग का पहला चरण होगा। शेड्यूल अगले कुछ दिनों में विश्वविद्यालय जारी करेंगा, जिसमें प्रत्येक ग्रुप में रैंक के हिसाब से विद्यार्थियों को प्रक्रिया में शामिल होने के लिए बुलाया जाएगा। 10 से 15 जून के बीच पहला चरण खत्म होगा।

पहले चरण में देंगे अस्थाई प्रवेश-अभी ग्रुप के हिसाब काउंसलिंग का शेड्यूल नहीं बना है, जिसमें रैंक के अलावा एसटी-एससी, ओबीसी, सामान्य, ईडब्ल्यूएस के बारे में उल्लेख किया जाएगा। यह 25 मई तक जारी होगी। उसके आधार पर विद्यार्थियों को अपने पसंदीदा कोर्स में प्रवेश लेने के लिए काउंसलिंग में हिस्सा लेना होगा। अधिकारियों के मुताबिक पहले चरण में अस्थायी प्रवेश दिया जाएगा, क्योंकि स्नातक अंतिम वर्ष का परिणाम नहीं आया है। इसके लिए विद्यार्थियों को शपथ पत्र देना होगा। उसके बाद ही पाठ्यक्रम में दाखिला दिया जाएगा।

संपादकीय

घटते मतदान का सिलसिला जारी

लोकसभा चुनाव के चौथे चरण में भी मतदान 2019 के मुकाबले कम ही रहा। चुनाव और राजनीतिक दलों के तमाम प्रयासों के बाद भी वोटर अपेक्षित संख्या में वोट देने नहीं निकल रहे हैं, यह सभी की चिंता का विषय है। लेकिन इसका असली कारण यही है कि चुनाव में कोई ऐसा बड़ा मुद्दा नहीं है कि जिससे यह माहौल बने कि देश में कोई सत्ता परिवर्तन होने जा रहा है। ऐसे में सत्तारूढ़ दल के समर्थक वोटर तथा विरोधी दलों के समर्थक मतदाता भी बहुत ज्यादा उत्साह से घरों से नहीं निकल रहे हैं। राहत की बात इतनी है कि चुनाव के शुरूआती दो चरणों के मुकाबले तीसरे और चौथे चरण में स्थिति कुछ बेहतर है। अगर मप्र की बात करें तो तीसरे चरण में दो तीन सीटों पर मतदान पिछले चुनाव की तुलना में कुछ ज्यादा दर्ज हुआ था जैसे कि राजगढ़। लेकिन ये बढ़ा हुआ मतदान के किसके पक्ष में है, यह नहीं कहा जा सकता। अच्छी बात यह है कि चौथे चरण में 8 सीटों पर भी मतदान ज्यादा भले न हुआ हो, लेकिन बहुत कम भी नहीं हुआ है। चौथे चरण के अंतिम आंकड़े आने के बाद पूरी स्थिति साफ होगी। लेकिन हमें यह भी देखना होगा कि 2019 के लोकसभा चुनाव में जिस तरह से बम्पर वोटिंग हुई थी, वह अपने आप में अभूतपूर्व और 17 लोकसभा चुनावों में सर्वाधिक था। इस चुनाव में भाजपा और एनडीए के अधिकांश प्रत्याशी बम्पर मार्जिन से जीते थे, जबकि विपक्षी कांग्रेस के उम्मीदवार बहुत अंतर से जीत पाए थे। इस बार मप्र की 29 सीटों पर लोकसभा चुनाव का औसत प्रतिशत 2014 से ज्यादा और 2019 से कम रह सकता है। यह मतदान प्रतिशत औसतन 65 प्रतिशत हो सकता है। ध्यान रहे कि 2014 में राज्य में लोकसभा चुनाव में 61 फीसदी से अधिक मतदान हुआ था, जो 2019 में 10 फीसदी बढ़कर 71 फीसदी से ज्यादा हो गया था और भाजपा ने 29 में से 28 सीटें जीत ली थीं। मतदान में 10 फीसदी की यह वृद्धि अभूतपूर्व थी और लोग मोदी सरकार को वापस लाने के लिए घर से निकले थे। लेकिन इस बार तो मोदी सरकार को खतरा किसी से निकले थे। लेकिन इस बार तो मोदी सरकार को खतरा किसी से महसूस ही नहीं हो रहा है। इस बार भी लगभग वही स्थिति बनती दिख रही है। कांग्रेस दो तीन सीटों पर जीत सकती है। यह भी संभव है कि कांग्रेस को एक भी सीट न मिले। क्योंकि भाजपा लंबे समय से मिशन 29 पर काम कर रही है। इस चुनाव में आदिवासी इलाकों में उतनी ज्यादा वोटिंग नहीं हुई, जिसकी कि उम्मीद की जा रही थी। इसका मुख्य कारण विपक्ष के पास कोई ठोस मुद्दा न होना तथा समूचा चुनाव कैम्पेन मोदी विरोध और बेरोजगारी, महंगाई पर केन्द्रित होना है। मप्र में तो राहुल गांधी को छोड़कर कांग्रेस का कोई बड़ा नेता प्रचार के लिए नहीं आया। राहुल गांधी मोदी सरकार को घेर रहे हैं तो आम नेता अरविंद केजरीवाल ने यह भविष्यवाणी करके सभी को चौंका दिया था कि अगले पीएम मोदी नहीं बल्कि अमित शाह होंगे। बेशक चुनाव में भी स्थायी और स्थानीय मुद्दे हैं, लेकिन उन सब पर मोदी और राममंदिर का मुद्दा भारी पड़ सकता है। चुनाव नतीजों को यह सर्वाधिक प्रभावित करेगा। यह मुद्दे इस चुनाव में अंडर करंट की तरह से हैं,जो बाहर से भले न दिखाई दे, लेकिन जो मतदाता के दिल से जुड़े हैं। समूचे देश में लोकसभा चुनाव के तीन चरण अभी बाकी हैं। उनमें भी मतदान का वही ट्रेंड रहता है तो नतीजे 2014 के लोकसभा चुनाव के आसपास ही रह सकते हैं।

झूठ की इंतहा नहीं होती

यह किताब भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के मूल्यों, उसकी दिशा, उसकी उपलब्धियों आदि की धज्जियां उड़ाती हुई यह साबित करती है कि भारतीय समाज कुरीतियों-अन्याय-अत्याचार तथा शोषण की गंदी व्यवस्था पर टिका एक ऐसा गर्हित समाज है जिसे गुलाम बनाकर गोरी चमड़ी वाले अंग्रेजों ने कुछ सभ्य, कुछ मानवीय बनाया है। मेयो मैम की किताब तब कई लोगों को नागवार गुजरी थी और वह जल्दी ही 'गुजर भी जाती' यदि गांधीजी ने उसे पढ़ा न होता।

नजरिया

कुमार प्रशांत

लेखक गांधी शांति प्रतिष्ठान के अध्यक्ष हैं।

इतिहास भी कमाल के गोते लगाता है! भला सोचिए, 2024 में वह 1927 की कहानी दोहरा रहा है। तब यानी 1927 में एक थीं कैथरीन मेयो और एक थे महात्मा गांधी। महात्मा गांधी कौन थे यह तो हम सब जानते ही हैं, लेकिन कैथरीन मेयो कौन थीं यह जानने की जरूरत अधिकांश पाठकों को पड़ेगी। वे एक अमरीकी, श्वेत चमड़ी की श्रेष्ठता के भाव से भरी, नकचढ़ी पत्रकार सरीखी कुछ थीं जिन्हें कुछ लोग तब उसी तरह इतिहासकार भी कहते थे।

1920 के दशक में मिस मेयो भारत आई थीं, गांधीजी से भी मिली थीं, दूसरी हस्तियों से भी मिली थीं, रवींद्रनाथ ठाकुर से भी मिली थीं। गांधीजी के निर्देश में चल रहे भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन से असहमत, असंतुष्ट, नाराज मेयो मैडम ने एक किताब लिखीः **'मदर इंडिया!'** ना, ना, आप ऐसा मत मान बैठिएगा कि महबूब खान की प्रसिद्ध फिल्म 'मदर इंडिया' मेयो मैम की इस किताब से प्रेरित थी। मेयो मैम 'मदर इंडिया' में अपना अलग ही राग अलापती हैं।

यह किताब भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के मूल्यों, उसकी दिशा, उसकी उपलब्धियों आदि की धज्जियां उड़ाती हुई यह साबित करती है कि भारतीय समाज कुरीतियों-अन्याय-अत्याचार तथा शोषण की गंदी व्यवस्था पर टिका एक ऐसा गर्हित समाज है जिसे गुलाम बनाकर गोरी चमडी वाले अंग्रेजों ने कुछ सभ्य, कुछ मानवीय बनाया है। मेयो मैम की किताब तब कई लोगों को नागवार गुजरी थी और वह जल्दी ही 'गुजर भी जाती' यदि गांधीजी ने उसे पढ़ा न होता।

बहुत कहने पर गांधीजी ने न केवल 'मदर इंडिया' पढ़ी, बल्कि चौतरफा आग्रह के कारण, 'बहुत व्यस्तता' में से समय निकालकर उस पर एक टिप्पणी भी लिखी जो 15 सितंबर 1927 को 'यंग इंडिया' में प्रकाशित हुई। महात्मा गांधी ने अपनी टिप्पणी का शीर्षक दिया : 'ड्रेन इंस्पेक्टर रिपोर्ट' = नाली सफाई जमादार की रिपोर्ट ! गरज यह कि जिसका धंधा ही गंदगी को उकेर-उकेर कर देखना है, वह गंदगी के अलावा देखेगा भी तो क्या? और वर्णन भी करेगा तो गंदगी का ही करेगा। महात्मा गांधी की शैली में यह खासी कड़ी टिप्पणी थी।

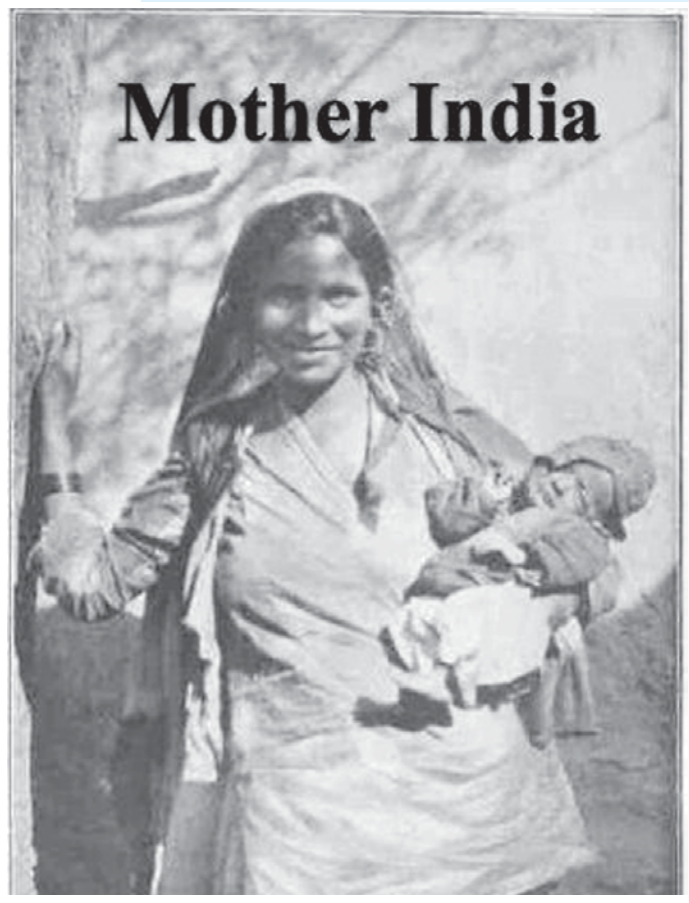

गांधीजी ने लिखा कि यह 'बड़ी चालाकी से लिखी गई सशक्त किताब है' जो किसी हद तक सत्य का बखान, असत्य के प्रचार के लिए करती है।'

अब न कैथरीन मेयो हैं, न गांधीजी, लेकिन गंदगी फैलाने का धंधा जोरों पर है। गंदगी को सहेजने तथा 'बड़ी चालाकी से सत्य का बखान इस तरह करना कि असत्य का प्रचार हो' वाली संस्कृति जीवित भी है, जारी भी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस कला में महारत हासिल कर ली है। वे अब इस कला के 'उस्ताद' बन गए हैं। हम देखें तो प्रधानमंत्री मोदी का कुल इतिहास 2014 से शुरू होता है और कुर्सी तक पहुंचकर चुक जाता है। वे सत्ता की जिन दो कुर्सियों पर बैठे हैं - मुख्यमंत्री व प्रधानमंत्री - यदि वे कुर्सियां हटा दी जाएं तो उनके पास कुछ भी बचता नहीं है।

मोदी चुनाव के सन्निपात में इधर जब-जब मुंह खोल रहे हैं, इतिहास का मुंह खुला-का-खुला रह जाता है। वैसे भी प्रधानमंत्री झूठ व सच में फर्क करने जैसी नैतिकता में पड़ते नहीं हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का चुनाव घोषणापत्र उन्हें मुस्लिम लीग के घोषणापत्र जैसा लगता है। कोई प्रमाण? कोई साम्यता? नहीं, यह सब बताना प्रधानमंत्री का काम थोड़े ही है ! उन्हें पता है कि उनकी बात को 'गोदी मीडिया' देश भर में पहुंचा देगा और जहां-जहां उनका कहा 'मुस्लिम' शब्द पहुंचेगा, सांप्रदायिकता के अनुकूल वातावरण बन ही जाएगा। उन्हें इस वातावरण से मतलब है, क्योंकि इससे वोट की फसल अच्छी बनती व कटती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस लोगों से घर छीन लेगी, भैंस छीन लेगी, धन छीन लेगी, मंगलसूत्र छीन लेगी और यह सारा मुसलमानों को दे देगी। कोई प्रमाण? कोई संदर्भ? नहीं, यह सब बताना प्रधानमंत्री का काम थोड़े ही है! उन्होंने कह दिया कि 'पाकिस्तान युवराज को प्रधानमंत्री बनाने को बेकरार है', तो कह दिया, लेकिन सच क्या है? सच इतना ही है कि पाकिस्तान के एक सांसद को लगता है कि राहुल गांधी भारत के प्रधानमंत्री हों। किसी एक व्यक्ति को पूरे देश का प्रतिनिधि बताकर कुछ भी बयान दे देना, गांधी के शब्दों में 'ड्रेन इंस्पेक्टर रिपोर्ट' है।

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का संदर्भ देकर प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस कहती है कि देश के धन पर पहला हक मुसलमानों का है। कोई प्रमाण? कोई संदर्भ? तुरंत ही प्रधानमंत्री के सिपाही खोज लाए एक वीडियो। इसे चलाया गया तो उसमें मनमोहन सिंह कह रहे हैं कि देश के संसाधनों पर पहला हक उनका होना चाहिए जो कमजोर हैं, अल्पसंख्यक हैं। हमारे देश में मुसलमान भी अल्पसंख्यक की श्रेणी में आते हैं, तो उनका नाम भी लिया मनमोहन सिंह ने।

यह कोई छुपी बात तो है नहीं कि महात्मा गांधी के नेतृत्व में जिस कांग्रेस का जन्म हुआ वह अंतिम आदमी की बात करती थी तथा यह भी मानती थी कि वह अंतिम आदमी हमारे विकास की कसौटी भी है और कारण भी। धर्म के आधार पर इनमें फर्क करना कांग्रेस की नीति में नहीं है। व्यवहार में राजनीति बहुत कुछ ऐसा कराती है जैसा इन दिनों मोदी-कुनबा कर रहा है, तो जितनी छूट इन्हें है, उतनी छूट मनमोहन सिंह को क्यों नहीं दी जानी चाहिए? कांग्रेस और मनमोहन सिंह सांप्रदायिकता का फायदा भले उठाते होंगे, लेकिन सांप्रदायिकता उनकी राजनीति का आधार कभी नहीं रही।

मोदी के सहचरों में से एक राजनाथ सिंह ने कह दिया है कि महात्मा गांधी कांग्रेस को समाप्त करना चाहते थे, लेकिन नेहरू-एंड-कंपनी ने यह होने नहीं दिया। यही महाशय थे जिन्होंने कहा था कि सावरकर ने महात्मा गांधी के कहने से अंग्रेजों को माफीनामा लिखा था। वह झूठ आज तक उनका मुंह काला करता है, तो यह नया सत्य इन्हें कहां ला पटकेगा !

महात्मा गांधी की जिस दिन हत्या हुई, उससे पहले की रात उन्होंने अपनी जिंदगी का आखिरी दस्तावेज लिखा था। उसे पढ़ने-समझने की कसरत भले न करें राजनाथ सिंह, लेकिन इतना तो जानें कि उस दस्तावेज में गांधीजी ने लिखा था कि आजादी मिलने के साथ ही कांग्रेस पार्टी का काम पूरा हो गया, अब इसे विसर्जित कर देना चाहिए। कांग्रेस के जो लोग सत्ता की राजनीति में काम करना चाहते हैं उन्हें अपनी नई पार्टी बनानी चाहिए।

ईमानदारी से इतिहास का ककहरा भी जिसने पढ़ा होगा उसे इसी के साथ एक दूसरा दस्तावेज भी मिलेगा जिसमें आजादी के बाद गांधी जवाहरलाल से पूछते हैं कि तुम अब कांग्रेस की क्या भूमिका देखते हो; और जवाहरलाल कहते हैं कि उन्हें अब कांग्रेस की कोई खास भूमिका दिखाई नहीं देती, तो गांधी कहते हैं कि नहीं, कांग्रेस कभी खत्म नहीं होगी, उसे कभी खत्म नहीं होना चाहिए क्योंकि वह जिन मूल्यों के लिए काम करती रही है, वे मूल्य अक्षुण्ण हैं। राजनीति के जोकरों के लिए यह बारीकी समझ पाना संभव नहीं है कि गांधीजी कांग्रेस संगठन व कांग्रेस मूल्य में फर्क करते हुए जवाहरलाल को सावधान करते हैं।

कांग्रेस जिन मूल्यों के लिए बनी व लड़ी थी, उन मूल्यों को खत्म करने में लगी संघी धारा को कोई नैतिक हक नहीं है कि वह महात्मा गांधी की उन बातों का संबंध आज से जोड़े। इतिहास के पन्ने ही पलटने हों तो 'राजनाथ सिंहों' को वे सारे पन्ने भी देखने चाहिए जिनमें गांधीजी ने 'हिंदू महासभा' - 'राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ' जैसे सांप्रदायिकता में डूबे संगठनों के लिए कठोरतम वर्जनाएं की हैं। सच और झूठ में क्या फर्क है? बकौल कृष्णबिहारी 'नूर': 'सच घटे या बढे तो सच ना रहे/ झूठ की इंतहा नहीं होती।' लगता है यह शेर चुनाव मैदान में खड़ी आज की 'भारतीय जनता पार्टी' के लिए ही लिखा गया है। (सप्रेस)

दृष्टिकोण

डॉ. रामेश्वर मिश्र

लेखक स्तंभकार हैं।

भारतीय संस्कृति का सत्व

20 नवम्बर 1988 को भारत-चीन मैत्री संघ के तत्कालीन अध्यक्ष ठाकुर सेन नेगी ने कहा था कि भारतीय संस्कृति की पवित्रता गंगा नदी की सुगम्य धारा में निहित है जिसमें मिलकर सम्पूर्ण जल प्रवाह गंगा की जल धारा ही बन जाती है, भारतीय संस्कृति के पवित्र आदर्श इन्हीं मूल आदर्शों पर आधारित है। भारतीय संस्कृति में परोपकार की भावना निहित है जिसका तादात्म्य व्यास जी के वचनों से स्थापित होता है जो परोपकार का भाव लिए हुए है, 'अष्टादश पुराणेषु व्यासस्य वचनदयम, परोपकारः पुण्याय पापाय परपीडनम' के श्रेष्ठ आदर्शों वाली संस्कृति को आधात पहुंचाने के लिए आर्य एवं अनार्य की भ्रामक विचारधारा कार्य कर रही है। राष्ट्रीय एकता और अखंडता को प्रभावित करने के लिए पंजाब में खालीस्तानी, पूर्वोत्तर में माओवादी आदि संगठनों द्वारा भारतीय संस्कृति और समाजिक संरचना को प्रभावित करने के लिए भ्रामक जानकारी आज युवा पीढ़ी को दी जा रही है, राजनीति के नापाक विचारों से देश और समाज आहत हुआ है, भारतीय संस्कृति और संस्कारों से जुड़कर हमें समाज एवं राष्ट्र दोनों को सशक्त बनाना है।

आज वर्तमान में युवाओं को भारतीय संस्कृति में निहित मानवीय मूल्य पर केंद्रित संस्कारों से अनभिज्ञता राष्ट्रीय एकता और अखंडता के लिए कड़ी चुनौती है। इस अपरिपक्व ज्ञान और विचारधारा का उन्नयन एक सोची समझी विचारधारा का द्योतक है, इन्हीं नापाक उद्देश्यों की पूर्ति के लिए एवं समाज को समाज से तोड़ने के लिए अनेक भ्रामक विचारों का निष्पादन किया जाता है।

इस दौर में तेजी से आगे बढ़ने की उम्मीद एवं नकल आधारित जीवन जीने की होड़ ने समाज की रीढ़ कहे जाने वाले युवा पीढ़ी और समाजिक संस्कृति की गतिशीलता के लिए उत्तरदायी नारी शक्ति को भारतीय संस्कृति के सत्व को पहचाना होगा। सोशल मीडिया के इस युग में समाज औ राष्ट्र को कमजोर करने के लिए कभी जाति के आधार पर तो कभी उत्तर-दक्षिण का भेद-भाव फैलाकर तो कभी पूर्वोत्तर में हिंसा फैला कर भारतीय राष्ट्र को कमजोर करने की कोशिश की जाती है और जब इन सब नापाक हरकतों से काम नहीं बनता है तब हिन्दू-मुस्लिम वाद और भारतीय संस्कृति के लिए भ्रामक जानकारी फैला कर राष्ट्रीय एकता को कमजोर करने का प्रयास किया जाता है। भारतीय संस्कृति में निहित त्याग, परोपकार, समरसता, दया, करुणा, मैत्री, सहानुभूति, सहिष्णुता, सहृदयता, सहयोग, समन्वय एवं सत्कर्मों आदि ऐसे मानवीय मूल्यों हैं जो भारतीय संस्कृति की श्रेष्ठता को विश्व पटल पर स्थापित करते हैं। भारतीय संस्कृति कभी भी ऊंच-नीच, अगड़ा-पछड़ा या क्षेत्र के आधार पर भेदभाव नहीं करती है। भारतीय संस्कृति में सम्पूर्ण मानव मात्र के कल्याण का भाव निहित है। उपनिषद में निहित अद्वैतवाद मानव मात्र मे ही नहीं वरन प्राणी मात्र में एक ही तत्व के दर्शन कराता है। भारतीय संस्कृति की महत्ता एवं उसकी विशालता तो उसके सम्पूर्ण मानव से तादात्म्य स्थापित करने मे निहित है जिसका मूल वसुधैव कुटुम्बकम की पवित्र भावना है। भारतीय संस्कृति में सम्पूर्ण विश्व को एक परिवार माना गया है। इतने ऊंचे आदर्शों वाली भारतीय संस्कृति के लिए भ्रामक विचारों का उन्नयन अल्प ज्ञान का प्रदर्शन मात्र है। मन की समता, समरसता, त्याग और करुणा के भाव, भारतीय संस्कृति में निहित उच्च मानवीय आदर्श है।

20 नवम्बर 1988 को भारत-चीन मैत्री संघ के तत्कालीन अध्यक्ष ठाकुर सेन नेगी ने कहा था कि भारतीय संस्कृति की पवित्रता गंगा नदी की सुगम्य धारा में निहित है जिसमें मिलकर सम्पूर्ण जल प्रवाह गंगा की जल धारा ही बन जाती है, भारतीय संस्कृति के पवित्र आदर्श इन्हीं मूल आदर्शों पर आधारित है। भारतीय संस्कृति में परोपकार की भावना निहित है जिसका तादात्म्य व्यास जी के वचनों से स्थापित होता है जो परोपकार का भाव लिए हुए है, 'अष्टादश पुराणेषु व्यासस्य वचनदयम, परोपकारः पुण्याय पापाय परपीडनम' के श्रेष्ठ आदर्शों वाली संस्कृति को आधात पहुंचाने के लिए आर्य एवं अनार्य की भ्रामक विचारधारा कार्य कर रही है। राष्ट्रीय एकता और अखंडता को प्रभावित करने के लिए पंजाब में खालीस्तानी, पूर्वोत्तर में माओवादी आदि संगठनों द्वारा भारतीय संस्कृति और समाजिक संरचना को प्रभावित करने के लिए भ्रामक जानकारी आज युवा पीढ़ी को दी जा रही है, राजनीति के नापाक विचारों से देश और समाज आहत हुआ है, भारतीय संस्कृति और संस्कारों से जुड़कर हमें समाज एवं राष्ट्र दोनों को सशक्त बनाना है।

संस्कृति बोध से व्यक्ति हजारों हजार साल से परम्पराओं के जरिये एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक भारतीय संस्कृति के मूल्यों से जुड़ता आ रहा है। भारतीय संस्कृति के सत्व को पहचानने के लिए हमें विवेकानन्द जी, गांधी जी, धरमपाल जी के विचारों के चिन्तन को समझना चाहिए। गांधी जी भारतीय संस्कृति के सत्व को पहचानते थे और अपने सपनों के भारत में देशवासियों के अटूट प्रेम और राष्ट्र की एकता पर बल देते हुए देशज संस्कृति से जुड़ने की बात की है। गांधी जी के इन्हीं विचारों को लेकर धर्मपाल जी ने कार्य किया है और साक्ष्यों एवं प्रमाणों के आधार पर यह साबित किया कि ब्रिटिश शासन ने भारत की शिक्षा पद्धति का अपहरण करते हुए भारतीय संस्कृति का अपहरण किया, इसका एक उदहारण देते हुए धर्मपाल जी लिखते हैं कि '1830 में ब्रिटिश गवर्नर जर्नल बेंटिक ने इस बात पर संतोष व्यक्त करते हुए कहते हैं कि-'सम्पन्न और प्रतिष्ठित भारतीय अब पश्चिमी शिष्टाचार तथा व्यवहार की विधियां अपनाने लगे हैं और भिक्षुकों, सन्यासियों और ब्राह्मणों को दान देना छोड़ रहे हैं। अब उसकी जगह वह धन यूरोपियों का आडम्बर पूर्ण ढ़ंग से मनोरंजन करने में लगाया जाने लगा है।' 'रमणीय वृक्ष' में धर्मपाल जी भारतीय शिक्षा प्रणाली में आये परिवर्तनों के कारणों को बताते हुए लिखते हैं कि- भारतीय भाषाओं में पढ़ाई में कमी का मुख्य कारण पूरे देश में चलाई जा रही ब्रिटिश नीति ही होगी।

भारतीय संस्कृति में हुए इस परिवर्तन के लिए धर्मपाल जी आगे लिखते हैं कि प्रत्येक भाषा का एक विशद अर्थ होता है, उसमे परम्परा, दर्शन-परम्परा और विचार की अभिव्यक्ति होती है। जब हम विदेशी भाषा को अपनाते हैं तो प्रायः स्वयं को, विश्व को, व्यक्ति, समाज संस्थाओं, मान्यताओं, लक्ष्यों, रुचियों तथा आदर्शों आदि को भी हम उसी भाषा-परम्परा और संस्कृति-परम्परा से देखने लगते हैं। धर्मपाल जी ने भारतीय संस्कृति और परम्परा से लोगों को जुड़ने के लिए कहा जिस संस्कृति में लोगों का लोगों के प्रति निजता जुड़ी थी और जिसका पतन भारतीय संस्कारों एवं सभ्यता का पतन था। स्वत्व एवं भारतीयता की जो संकल्पना धर्मपाल जी द्वारा प्रयोग की जाती थी वह मानवीय प्रेरक थी।

भारतीय संस्कृति का बोध यह है कि राष्ट्र एवं विश्व के समस्त प्राणियों के बीच प्रेम और एकता का भाव हो जिसके फलस्वरूप विश्व कल्याण की कामना को मूर्त किया जा सके। भारतीय संस्कृति में निहित समर्पण और शान्ति की कामना से विश्व में शान्ति स्थापित की जा सकती है। इन मालवीय मूल्यों से निहित मंगल कामना से समूल राष्ट्र और विश्व को एकता के सूत्र में पिरोया जा सकता है। भारतीय संस्कृति के मूल '? द्यौः शांति' के मंत्र है, जो कि यजुर्वेद से लिया गया है, इस मंत्र में परमपिता से विश्व कल्याण और शान्ति के लिए प्रार्थना की गयी है। भारतीय संस्कृति की विविधता में एकता की संस्कृति है परन्तु इन सब विविधताओं को जो एक साथ जोड़ता है वह संस्कृति के मूल में निहित शान्ति और विश्व के कण-कण की शान्ति की कामना है। भारत में रहने वाले समूल निवासी उसी परम्परा के वाहक है जो मिश्रित रूप से राष्ट्र कल्याण का भाव रखते हैं।

पारंपरिक लोक गीतों का चलन बना रहे

लोक संस्कृति

संजय वर्मा 'दृष्टि'

पारम्परिक लोक गीत विशेष पर्वों पर गायन का चलन कम होता जा रहा है। सीधे फिल्मी गाने बजाने का चलन हो गया। पहले के ज़माने में जिन्हें लोक गीत गाने आते हो उनको बुलावा दिया जाकर गीत गवाए जाते थे। जैसे राती जोगा, शादी, संजा, गणगौर,धार्मिक पर्वों, आदि पर।कई स्थानों पर शादी में महिला संगीत कार्यक्रम में, फिल्मी नृत्यों ने स्टेज पर जगह ले ली है। पारम्परिक लोकगीत जो गाए जाते और बताशे बाटे जाते थे। वो विलुप्त होते जा रहे है।

इस कार्यक्रम में बुजुर्ग महिलाओं को मान सम्मान मिलता और उन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने और नई पीढ़ी को सिखाने का मौका मिलता था। संक्रमणकाल के दौरान सभी शुभ कार्य में जाने पर सीमित संख्या निर्धारित की गई थी जो की उचित भी थी। संक्रमण काल कम हुआ है इसके साथ ही शुभ कार्य में सम्मिलित होने की संख्या में इजाफा हुआ है। अतः लोक गीतों की प्रथा को बनाए रखें ताकि लोकगीतों में शुभ कार्य सम्पन्न हो क्योंकि लोक गीतों में ईश्वर के प्रति प्रार्थना होती है।

मधुर लोक गीतों की स्वर लहरियाँ घर घर में गुंजायमान होती है। गणगौर त्यौहार पर मालवी निमाड़ी लोक गीतों की स्वर लहरिया रात्रि में लोक गीत गाने के उपरांत तम्बोल (धानी ,चने आदि)प्रसाद के रूप में बाटें जाते है।

वर्तमान में संजा का रूप फूल -पत्तियों से कागज में तब्दील होता जा रहा है। संजा का पर्व आते ही लड़कियां प्रसन्न हो जाती है। संजा को कैसे मनाना है और संजा माता के लोक गीत कैसे गाना है। ये बातें छोटी लड़कियों को बड़ी लड़कियां बताती है। शहरों में सीमेंट की इमारते और दीवारों पर महँगे पेंट पुते होने, गोबर का अभाव, लड़कियों का ज्यादा संख्या में एक जगह न हो पाने की वजह, टी वी, इंटरनेट का प्रभाव और पढ़ाई की वजह बताने से शहरों में संजा मनाने का चलन खत्म सा हो गया है।लेकिन गांवों /देहातों में पेड़ों की पत्तियाँ ,तरह तरह के फूल ,रंगीन कागज ,गोबर आदि की सहज उपलब्धता से ये पर्व मनाना शहर की तुलना में आसान है । परम्परा को आगे बढ़ाने की सोच में बेटियों की कमी से भी इस पर्व पर प्रभाव पढ़ा है।

संजा -सोलही गीत को देखे तो - 'काजल टिकी लेव भाई काजल टिकी लेव /काजल टिकी लई न म्हारी संजा बाई के देव',संजा तू थारा घरे जा /थारी माँ मारेगा के कूटेगा 'नानी सी गाड़ी लुढ़कती जाए' संजा बाई का सासरे जावंगा -जावंगा 'संजा जीम ले' मालवी मीठास लिए और लोक परम्पराओं को समेटे लोक संस्कृति को विलुप्त होने से तो बचाती है साथ ही लोक कला के मायनो के दर्शन भी कराती है। संजा की बिदाई मानों ऐसा माहौल बनाती है जैसे बेटी की बिदाई हो रही हो सब की आँखों में आंसूं की धारा फूट पड़ती है

ये माहौल बेटियों को एक लगाव और अपनेपन का अहसास कराता है।बस ये बचपन की यादें सखियों के बड़े हो जाने और विवाह उपरांत बहुत याद् आती है।कही- कही अंग्रेजी एवं फ़िल्मी गीतों की तर्ज की झलक भी गीतों में समाहित होने से एक नयापन झलकता है। किन्तु असली लोकगीतों की बात ही कुछ और होती है।रिश्तों के ताने बाने बुनती व् हास्य रस को समेटे लोक गीत वाकई अपनी श्रेष्ठता को दर्शाते है।श्रंगार रस से भरे लोक गीत जिस भावना और आत्मीयता बेटियाँ गाती है। उससे लोक गीतों की गरिमा बनी रहती और ये विलुप्त होने से भी बचे हुए है।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) - गिरीश उपाध्याय
वरिष्ठ संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

राजेंद्र बज

बंधी मुट्ठी और खाली मुट्ठी का चुनाव

इस आम चुनाव में अपने सूबे के अधिकांश प्रत्याशी अपने चुनाव परिणाम के प्रति आश्वस्त थे। कुछ को अपनी पक्की जीत का भरोसा था, तो कुछ पराजित मानसिकता से ग्रस्त थे। इसके चलते दोनों ही वर्ग के प्रत्याशियों ने अपने हाथ खींच कर रखे थे। एक की मुट्ठी बंद थी, तो दूसरे ने खाली हाथ हवा में लहरा कर मुट्ठी भींच रखी थी। नतीजा यह हुआ कि चुनाव तो आए लेकिन बहार नहीं आ पाई। वरना लगभग हर एक चुनाव में मतदाताओं की बल्ले-बल्ले होती रही थी। कार्यकर्ता भी भरपूर सुख-सुविधा प्राप्त कर चुनावी मैदान में अपने जौहर दिखलाया करते थे।

वैसे नाचने वाले हर तरह का नाच नाचते रहे। क्योंकि उनकी तासीर ही कुछ ऐसी थी कि जब-जब चुनावी ढोल बजने लगा करते थे, उनके कदम अपने आप ही थिरकने लग जाया करते थे। जहां तक प्रत्याशियों का सवाल है, पक्की जीत का भरोसा लेकर चलने वाले कुछ कम से भी जीतेंगे तो चलेगा, ऐसे में फालतू जेब ढीली क्यों करें?, ऐसी सोच रखने लगे। दूसरी तरफ कमजोर प्रत्याशी की सोच यह रही कि फालतू गड्ढे में गड्ढा कौन करें? यही कारण रहा कि हाई-फाई नेता के रोड शो या आम सभा के अतिरिक्त और किसी मद पर इतनी जेब ढीली नहीं की गई जितनी कि बीते चुनावों के दौरान की जाती रही थी।

ऐसे में मतदाताओं के एक वर्ग में चुनाव के प्रति दिलचस्पी नदारद रही। मतदान के हर चरण में अपेक्षा के अनुरूप मतदान का प्रतिशत नहीं रहा। मतदाताओं का एक वर्ग मान-मनौव्वल का आकांक्षी रहा करता है। इसके चलते जो प्रत्याशी उनके घर पर दस्तक देकर घर के बुजुर्गों के पैर छूकर बराबरी वालों के कंधे पर हाथ रख दिया करते थे, उनकी दावेदारी पर गंभीरतापूर्वक विचार किया जाता था। लेकिन कई इलाकों में ऐसा इस बार नहीं हुआ। प्रत्याशी तो प्रत्याशी लेकिन उसके परिवार का कोई बंदा भी कई घरों की चौखट तक नहीं आया। सचमुच जब अंतिम परिणाम के प्रति आश्वस्ति हो, तो माथाफोड़ी कौन करें?

वैसे माना जाता है कि वोट देने से ज्यादा वोट लेने वाला गरजमंद होता है, लेकिन इस बार तो सारे के सारे प्रमुख दावेदार बेगरज ही थे। जिसको वोट देना हो, वह दे या न दे, हमें तो हमारा अंजाम मालूम है, ऐसी ही कोई धारणा बनी होगी शायद। खैर, वह तो भला हो चुनाव आयोग का, प्रशासन तंत्र का और राष्ट्रवादी संगठनों का, जिन्होंने हर बार की अपेक्षा इस बार अधिक से अधिक मतदान करने की पुरजोर अपील पर अपील करने का बीड़ा उठा रखा था। वरना मात्र प्रत्याशियों के भरोसे ही बैठे रहते तो मतदान का प्रतिशत और नीचे आ जाता। कुछ भी हो लेकिन इस आम चुनाव में हर प्रत्याशी सस्ते में लड़ लिया है।

इतना जरूर है कि लोकतंत्र के प्रबल पक्षधर वर्ग ने इस बार राष्ट्र के नवनिर्माण का स्वप्न संजोकर हर बार की तरह सोच समझ कर मतदान किया है। इस चुनाव में अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य में देश के मान-सम्मान और स्वाभिमान के मद्देनजर भी मतदान हुआ है। सशक्त राष्ट्र की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में स्वस्फूर्त भाव से मतदान के प्रति उत्साह का अतिरेक भी झलका है। नागरिकों के एक वर्ग ने बहुत गहराई से लगभग हर एक राजनीतिक दल की नीति और सिद्धांतों का अनवरत अध्ययन करने के उपरांत अपने-अपने मताधिकार का प्रयोग किया है। इनके अंतर्मन में बुलंद भारत की बुलंद तस्वीर आकार लेती रही है। खैर।

आजकल सभी प्रमुख राजनीतिक दलों द्वारा मतदाताओं को आकर्षक योजनाओं के माध्यम से अपने दल के प्रति समर्थन पाने के प्रयास होते हैं। इसके चलते मतदाताओं का एक वर्ग 'कौन सा दल क्या-क्या देने वाला है' इसका आकलन करते हुए फायदे का सौदा करने लगा है। राजनीतिक दलों के ऐसे प्रचार से प्रभावित होकर भी यह वर्ग अपने-अपने भरोसे के दल पर मेहरबान होता रहा। ठीक भी तो है, प्रत्याशी नहीं तो उसे लड़ाने वाला वर्ग जो देने का वादा कर रहा है, उस वादे के भरोसे मतदान कर देना चाहिए। आखिर कोई तो है जो 'इस हाथ दे और उस हाथ ले' की रीति-नीति को अंजाम देने को आतुर है !

कानून और न्याय

विनय झैलावत

(लेखक पूर्व असिस्टेंट सॉलिसिटर जनरल एवं वरिष्ठ अधिवक्ता हैं)

ईवीएम और मतदान प्रणाली-2

चुनावी प्रक्रिया की अखंडता और विश्वास आवश्यक

ईवीएम महत्वपूर्ण लाभ प्रदान करते हैं। उन्होंने वोट डालने की दर को चार वोट प्रति मिनट तक सीमित करके बूथ कैप्चरिंग को प्रभावी ढंग से समाप्त कर दिया है, जिससे आवश्यक समय बढ़ जाता है। इस प्रकार फर्जी वोटों के सम्मिलन की जांच की जाती है। ईवीएम ने अमान्य मतों को समाप्त कर दिया है, जो मतपत्रों के साथ एक प्रमुख मुद्दा था और गिनती प्रक्रिया के दौरान अक्सर विवादों को जन्म देता था।

ईवीएम पर सुनवाई के दौरान, याचिकाकर्ता एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स ने जर्मनी जैसे देशों का उदाहरण देते हुए सुझाव दिया (और बाद में सुझाव वापस ले लिया) कि भारत को मतपत्र प्रणाली में वापस आना चाहिए। इसने वीवीपीएटी पर्चियों पर बारकोड लगाने की भी सिफारिश की ताकि मतगणना मशीनों का उपयोग किया जा सके जिससे किसी भी देरी को कम किया जा सके। न्यायालय ने कहा कि इस तरह के 'विफल और अनुचित' प्रस्तुतिकरण को खारिज कर दिया जाना चाहिए। क्योंकि, मतपत्र प्रणाली की कमजोरी अच्छी तरह से प्रलेखित है। भारतीय संदर्भ में, लगभग 97 करोड़ भारतीय मतदाताओं की विशाल संख्या, चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की संख्या, मतदान केंद्रों की संख्या और मतपत्रों के साथ आने वाली समस्याओं को ध्यान में रखते हुए, हम मतपत्रों को फिर से शुरू करने का निर्देश देकर चुनावी सुधारों को पूर्ववत करेंगे।

ईवीएम महत्वपूर्ण लाभ प्रदान करते हैं। उन्होंने वोट डालने की दर को चार वोट प्रति मिनट तक सीमित करके बूथ कैप्चरिंग को प्रभावी ढंग से समाप्त कर दिया है, जिससे आवश्यक समय बढ़ जाता है। इस प्रकार फर्जी वोटों के सम्मिलन की जांच की जाती है। ईवीएम ने अमान्य मतों को समाप्त कर दिया है, जो मतपत्रों के साथ एक प्रमुख मुद्दा था और गिनती प्रक्रिया के दौरान अक्सर विवादों को जन्म देता था। इसके अलावा, ईवीएम कागज के उपयोग को कम करती है और लॉजिस्टिक चुनौतियों को कम करती है। यह मतगणना प्रक्रिया में तेजी लाकर और त्रुटियों को कम करके प्रशासनिक सुविधा प्रदान करते हैं। कार्यवाही के दौरान, याचिकाकर्ताओं ने 'द क्विंट' की एक रिपोर्ट पर भरोसा किया। इसमें आरोप लगाया गया था कि 2019 के लोकसभा चुनावों के दौरान ईवीएम और वीवीपीएटी में लिए गए परिणामों में भिन्नता के ईसीआई मान्यता प्राप्त उदाहरण थे। इस तर्क के संबंध में न्यायमूर्ति खन्ना ने कहा कि एक मामले को छोड़कर 20,687 वीवीपीएटी पर्चियों की गणना करते समय कोई अन्य विसंगतियां नहीं देखी गईं। वीवीपीएटी पर्चियों के अनिवार्य सत्यापन के दौरान विसंगति मतदान केंद्र नं. 63, मायदुकुर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र, आंध्र प्रदेश 2019 लोकसभा चुनावों के दौरान। सत्यापन पर, यह पाया गया कि प्रीसाइडिंग अधिकारी द्वारा नकली मतदान डेटा को हटाने में विफलता के कारण विसंगति उत्पन्न हुई थी। जबकि मानवीय त्रुटियों को खारिज करना संभव नहीं है, ईवीएम और वीवीपीएटी पर मैनुअल के अध्याय 14 का पैराग्राफ 14.5 ऐसी स्थितियों से संबंधित है और प्रोटोकॉल निर्धारित करता है जिसका पालन किया जाना है।

न्यायमूर्ति खन्ना ने जोर देकर कहा कि जब हम चुनावी प्रक्रिया की अखंडता पर आक्षेप उठाते हैं तो सावधानी बरतने की आवश्यकता होती है। उन्होंने आगे कहा कि बिना किसी सहायक साक्ष्य के बार-बार और लगातार संदेह करने से अविश्वास पैदा हो सकता है। यह चुनावों में नागरिकों की भागीदारी को कम कर सकता है, जो एक मजबूत लोकतंत्र का एक अनिवार्य पहलू है। कल्पना और अनुमानों को हमें बिना किसी आधार या तथ्यों के गलत काम करने की परिकल्पना करने के लिए प्रेरित नहीं करना चाहिए। न्यायालय ने कहा कि ईसीआई की विश्वसनीयता और वर्षों से अर्जित चुनावी प्रक्रिया की अखंडता को विचित्र चिंतन और अटकलों से प्रभावित नहीं किया जा सकता है।

न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता ने अपनी सहमति वाली राय में दावा किया कि याचिकाकर्ता एडीआर ने ईवीएम को बदनाम करने और चुनावी प्रक्रिया पर छाया डालने का प्रयास किया है। एडीआर, 1999 में स्थापित एक नागरिक समाज, कई न्यायिक हस्तक्षेपों में सबसे आगे रहा है। इसके कारण चुनावी कानूनों में महत्वपूर्ण सुधार हुए हैं। यह चुनावी बॉन्ड योजना को चुनौती देने वाले प्रमुख याचिकाकर्ताओं में से एक था जिसे इस साल फरवरी में सर्वोच्च न्यायालय ने रद्द कर दिया था। मुझे निर्वाचन आयोग के वरिष्ठ वकील की इस दलील को स्वीकार करने में कोई हिचकिचाहट नहीं है कि जैसा कि सुझाव दिया गया है, पिछले युग की पेपर बैलेट प्रणाली की ओर लौटने से याचिकाकर्ता संघ की ईवीएम के माध्यम से मतदान की प्रणाली को बदनाम करने की वास्तविक मंशा का पता चलता है। इस तरह मतदाताओं के मन में अनावश्यक संदेह पैदा करके चल रही चुनावी प्रक्रिया को पटरी से उतार दिया जाता है। न्यायाधीश ने आगे

रेखांकित किया कि चुनावी सुधार लाने में एडीआर के पिछले प्रयासों के बावजूद, उन्हें मतपत्र प्रणाली को वापस लेने की मांग के कारण याचिका दायर करने वाले संघ की ईमानदारी के संबंध में गंभीर संदेह है।

न्यायालय ने कहा कि हाल के वर्षों में, कुछ निहित स्वार्थ वाले समूहों की एक प्रवृत्ति तेजी से विकसित हो रही है। वे राष्ट्र की उपलब्धियों और उपलब्धियों को कमजोर करने का प्रयास कर रहे हैं, जो इसके ईमानदार कार्यबल की कड़ी मेहनत और समर्पण के माध्यम से अर्जित की गई है। ऐसा लगता है कि हर संभव सीमा पर इस महान राष्ट्र की प्रगति को बदनाम करने, कम करने और कमजोर करने का एक ठोस प्रयास किया जा रहा है। इस तरह के किसी भी प्रयास को, या बल्कि प्रयास को, शुरुआत में ही समाप्त कर देना चाहिए। कोई भी संवैधानिक अदालत, चाहे यह अदालत ही क्यों न हो, इस तरह के प्रयास को तब तक सफल होने की अनुमति नहीं देगी जब तक कि इस मामले में उसकी (अदालत की) राय है। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता द्वारा एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स बनाम भारत का चुनाव आयोग (2024) को निर्देश जारी किए गए थे। हालांकि चुनाव आयोग द्वारा मतदान करने के तरीके में कोई बदलाव की सिफारिश नहीं की गई है, लेकिन चुनाव के बाद नई प्रक्रियाओं को अपनाने के लिए कुछ निर्देश जारी किए गए हैं। पहली बार, अदालत ने आदेश दिया है कि 1 मई को या उसके बाद किए गए वीवीपीएटी में प्रतीक लोडिंग प्रक्रिया पूरी होने पर, प्रतीक लोडिंग इकाइयों (एसएलयू) को परिणाम घोषित होने के बाद 45 दिनों के लिए ईवीएम के साथ स्ट्रांग रूम में सील और संग्रहित किया जाना चाहिए। एसएलयू, जिसे लगभग उसी समय शुरू किया गया था जब वीवीपीएटी का उपयोग उम्मीदवारों के प्रतीकों को वीवीपीएटी पर लोड करने के लिए किया जाता है। यह एक जिला चुनाव अधिकारी की देखरेख में किया जाता है। वर्तमान में, ईवीएम के केवल तीन घटक-मतपत्र इकाई, नियंत्रण इकाई और वीवीपीएटी-परिणामों के बाद 45 दिनों के लिए संग्रहित किए जाते हैं। अब, इन एसएलयू को ईवीएम की तरह ही खोला, जांचा और निपटाया जाना है। इसके अलावा अदालत ने दूसरे या तीसरे आने वाले उम्मीदवारों को प्रत्येक संसदीय क्षेत्र के प्रति विधानसभा क्षेत्र में पांच प्रतिषत ईवीएम में बर्न कम्प्यूटर मेमोरी का सत्यापन करने की अनुमति दी है। यह अभ्यास परिणाम की घोषणा की तारीख से 7 दिनों के भीतर उम्मीदवार द्वारा लिखित अनुरोध के बाद निर्माताओं से संबंधित इंजीनियरों की एक टीम द्वारा किया जाएगा। अदालत ने कहा कि सत्यापन प्रक्रिया का खर्च उम्मीदवारों को वहन करना होगा, जिसे ईवीएम के साथ छेड़छाड़ पाए जाने पर वापस कर दिया जाएगा। ऐसे उम्मीदवार या उनके प्रतिनिधि मतदान केंद्र या क्रम संख्या से ईवीएम की पहचान करेंगे। सभी उम्मीदवारों और उनके प्रतिनिधियों के पास सत्यापन के समय उपस्थित रहने का विकल्प होगा। जिला निर्वाचन अधिकारी, इंजीनियरों की टीम के परामर्श से, सत्यापन प्रक्रिया के बाद कंप्यूटर मेमोरी की प्रामाणिकता/अक्षुण्णता को प्रमाणित करेगा।

इन दो निर्देशों के अलावा, न्यायाधीशों ने कहा कि कार्यवाही के दौरान यह सुझाव दिया गया था कि वीवीपीएटी पर्चियों की भौतिक रूप से गिनती करने के बजाय, उन्हें एक गणना मशीन द्वारा गिना जा सकता है। तदनुसार, उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग इस सुझाव के अलावा इसकी ''जांच'' कर सकता है कि वीवीपीएटी में लोड किए गए प्रतीकों की बारकोडिंग मशीन की गिनती में सहायक हो सकती है।

अदालत ने कहा कि चूंकि यह एक तकनीकी पहलू था जिसके मूल्यांकन की आवश्यकता होगी, इसलिए उसने सुनवाई के दौरान किसी भी तरह से टिप्पणी करने से परहेज किया।

कला साहित्य

विवेक कुमार मिश्र

लेखक हिंदी के प्राध्यापक हैं।

जीवन के रास्ते समाज को जीती हैं कहानियां

संसार में सांसारिकता कहानी नहीं होती वह सच के इतने करीब होती कि सामने संसार ही होता। उसे आप कहानी समझ लें तो कोई आश्चर्य की बात नहीं है। कहानी में संसार जहां छिपा होता वहीं संसार हर कहानी को जगह देता है। संसार में कहानियां जन्म लेती रहती हैं... यहां से जीने का रास्ता भी दिखता रहता है। संसार में संसारियत के साथ रहना ही सही मायने में जीवन को जीना होता है। आदमी को संसार और कहानी दोनों ही जब सुहाते हैं तो जीने का संघर्ष और आनंद कई गुना बढ़ जाता है। कहानी सुनते लोग...जीवन को इस तरह जीते हैं कि सामने ही जीवन और कहानी साथ साथ हो और एक दूसरे के सहारे जीते जा रहे हों। यह संसार सीधे-सीधे हमें ज्ञान से, कहानी से और जीवन रस से जोड़ देता है। इस रास्ते पर हम अकेले नहीं होते साथ में पूरा संसार ही होता है।

कहानियां हमारे जीवन के रास्ते समाज को जीती हैं समाज को एक दूरी से देखती हैं और समाज को समझने का भी दावा करती हैं। समाज जितना मूर्त होता उतना ही उसका अमूर्त संसार भी दृश्य पर आता रहता है। आप एक को छोड़कर दूसरे को नहीं अपना सकते यदि जीवन जी रहे हैं तो साथ में कुछ कहानियां और समाज के बहुत सारे संदर्भ भी होंगे जिसपर हमें चलना ही होता है। संसार और कहानी इसी तरह एक दूसरे से गुथें होते हैं। जो कहानी से संसार शुरू करने की बात करते हैं वह कोरी बातें ही होती हैं। कोरी बातें संसार में होते हुए भी सांसारिक नहीं होती। बातों का क्या एक न एक सिलसिले में शुरू हो जाती हैं। अचानक मौन के बीच से ही बातें चल पड़ती हैं। बातें कहां होती और कहां से निकल पड़ती हैं इसे आसानी से समझा नहीं जा सकता। बातों के संसार में कहानियों की दुनिया संसार नहीं बनाती न ही संसार बनाने के लिए कहानियों के भरोसे ही चलना चाहिए। कहानियां न भी हों तो संसार में किसी तरह की दिक्कत नहीं होती इतने बड़े समाज में किसी को नहीं पड़ी है कि वह किसी और की कहानी सुने। भला! आपकी कहानी में किसे दिलचस्पी होगी। कोई भी किसी और की कहानी क्यों सुने? सबको अपनी कहानी सुनने की पड़ी होती है। जो भी कहानी सुनता है वह सबसे पहले कहानी में अपने को शामिल कर लेता है। कहानियों की दुनिया में परस्पर एक दूसरे के प्रति सम्मान का भाव बना होता है। एक कहानी होती है और एक कहानी बनायी जाती है। अपनी कहानी के बीच दूसरों की कहानी भी बन जाती है। दूसरों की कहानी में हम सब शामिल हो जाते हैं यहां एक दूरी से अपने आप को ऐसे देखते हैं कि इसके अलावा कोई और काम ही न हो। कहानियों में दिलचस्पी सभी रखते जिनकी कोई कहानी नहीं होती वह कुछ ज्यादा ही कहानियों के पीछे पीछे भागता रहता है और जिसकी सच में कहानी होती वह कहानी को छिपाने में लगा रहता है पर कहां समाज छोड़ता है वह तो कुरेद कर कहानी सुनता है। कहानी के पास ही संसार संभव होता है।

कहानियां हमारा संसार बनाती हैं। हमारे संसार को जीवन जीने का हिस्सा बना हमीं को हमारी कहानी ऐसे सुनाते हैं कि जैसे किसी और की कहानी हों। आदमी गौर से कहानी को सुनता रहता है यह जानते समझते कि वह कहानी सुन रहा है। अपनी नहीं अपनों की कहानी। यहीं से उसके भीतर कहानियों का साक्षात्कार होता है। कहानियां हमारे अस्तित्व को रचने गढ़ने का काम करती हैं। एक कहानी में एक आदमी अकेले आकार नहीं लेता उसके साथ उसका पूरा संसार उसका परिवेश और वह समय सब इस तरह आ जाता है कि पूरी एक दुनिया आंखों के आगे खुल जाती है। कहानियां हमारी दुनिया को सभ्यता और संस्कृति के रास्ते खोलती हैं। आदमी अपने पूरे अस्तित्व को, अपनी सत्ता को और अपने सामाजिक बोध को लेकर कहानियों में आता है। वह अकेला चल रहा होता है पर जब कहानी में चलना शुरू करता है या कहानी को जीना शुरू करता है तो उसका समाज भी उसके साथ गतिशील होते हुए आ जाता है। कहानी के आगे अस्तित्व की दुनिया है जहां आप संसार को लिए चलते हैं। अस्तित्व का एक क्रम संसार है - एक संसार से आते हुए एक अन्य संसार को लिए हुए चलते हैं। न जाने कितने अस्तित्व राग को लेकर संसार अपना गान करता है। यहां से वहां तक जो है, जो कुछ हो सकता है, जो कुछ आंखों के विस्तार में समाया है और जो नहीं समा सकता है वह सब अस्तित्व की कथा कहता रहता है।

अस्तित्व की कथाएं पृथ्वी पर दबी होती हैं और अपने ढ़ंग से चमकती हैं। पृथ्वी पर बस थोड़ा सा कुरेदने की जरूरत है एक कथा, एक अस्तित्व, एक संसार एक दुनिया मिल ही जायेगी। सब अपनी अपनी कथा सुनाने के लिए बेचैन से रहते हैं। बस कोई मिल जाए और कथा शुरू...यह कथा का होना ही सभ्यता और संस्कृति की कथा को जीवंत रूप में प्रस्तुत करता रहता है। आपके पास कुछ हो न हो पर कथा होनी चाहिए और हर आदमी अपनी कथा को लेकर चलता है। कम से कम इतना तो कर ही लेता है कि अपनी कथा बना लें, अपने बारे में कुछ हटकर कुछ आश्चर्य और कुछ वो सब जो एक आदमी में होना चाहिए और वह भी भर लेता है जो आदमी से कहीं ज्यादा परा शक्ति का कारण बन जाता है। जिससे उसमें एक जादुई आकर्षण आ जाता है। यहां उसका सच, उसकी कहानी और उसका जादू और उसकी एकदम से अलग दुनिया ही एक साथ मिलकर कुछ ऐसा काम कर जाती है कि बस सुनने वाले को यही लगता है कि जो कुछ वह सुन रहा है वह यहीं है और यहां से हटा तो फिर कहानी नहीं मिलेगी। इसीलिए कहानियों को छोड़कर कोई भी कहीं नहीं जाता। सब बस सुनते रहते हैं। कहीं से कहीं चलें जाएं अस्तित्व की कथाएं यों सामने आती हैं कि इसके अलावा कुछ और हो ही नहीं। आग बरसती धूप में भी एक तिनका घांस का अस्तित्व कैसे घोषित होता है इसे पथराई और चट्टानी धरती के बीच चलते महसूस कर सकते हैं। यहीं धरती पर छोटे छोटे पीले फूलों को लिए तिनके की तरह उगी घास नुमा आकृति अलग ही ध्यान खींचती है। यह अस्तित्व का उद्घोष ही है अपनी सत्ता के साथ, अपने रूप के साथ अपने हाल में बने रहना। अपनी जगह पर मगन रहना। अस्तित्व का वोध सबसे ज्यादा प्रकृति ही कराती है और प्रकृति के बीच होते हुए ही हम जीवन सत्ता और अस्तित्व पर चेतना के संसार पर विचार कर पाते हैं। संसार को समझने के लिए अस्तित्व की दुनिया को मानव कहानियों को पढ़ना जानना जरूरी होता है।

जब तक इन चमकती दुनियाओं को देखना और जानना और अनुकूल जगत का हिस्सा बनाते हुए हम सब संसार को उस रूप में देखते हैं जैसे कि पहले कभी देखा ही न हो, और संसार इस तरह इतने रंग रूप में आ जाता है कि उसे अपनी दुनिया में अपनी आंखों में समां लेना आसान नहीं होता पर हम इसी तरह संसार देखते हैं। संसार दिखता है और संसार दिखाता है कि यह दुनिया है, यह दुनिया की गति है और इस गति में यहां इस स्थिति में तुम हो। यह सांसारिक सत्य अक्सर सामने होते हुए भी आदमी न जाने कहां कहां आश्चर्य से आंखें फाड़ फाड़ कर देखता है। आंखों में संसार भरता रहता है - आंखों के संसार से ही संसार को न तो देखा जा सकता है न समझा जा सकता है पर आंखें संसार को अपनी परिधि में लाती रहती है। दूर दूर से खींच कर संसार को आंखें ही दुनिया में लाती हैं। संसार भर की सांसारिकता आंखों का विषय बनती हैं। आंखों के माध्यम से सांसारिकता को हम जीते हैं। जीते जी संसार को समझने के लिए उस पूरे संसार में जाते हैं जो संसार हमारा होता है हमारी दुनिया या हमारा संसार कह जिसे पुकारते हैं। जिसे सत्य की तरह अपने जीवन क्रम पर देखते हैं और सत्ता से भी कहीं ज्यादा संसार हमारी आंखों पर बसा होता है। उसके माध्यम से हम जीवन को, सत्य को, जीवन के प्रश्न को न केवल हल करने की कोशिश करते हैं वल्कि अपने ढ़ंग से संसार सत्य के रूप में देखने की कोशिश भी करते हैं।

स्मृति लेख

गिरीश पंकज

लेखक स्तंभकार हैं।

प्रतिरोध के सशक्त कवि थे सुरजीत पातर

पंजाबी साहित्य को विश्व साहित्य की श्रेणी में खड़ा कर देने वाले महत्वपूर्ण कवि 79 वर्षीय सुरजीत पातर के चले जाने से (11 मई, 2024) पंजाबी साहित्य ही नहीं, भारतीय साहित्य का भी बड़ा नुकसान हुआ है। इससे भी एक कदम आगे बढ़कर कहूँ कि विश्व साहित्य की क्षति हुई है। पद्मश्री, साहित्य अकादमी, सरस्वती सम्मान जैसे अनेक महत्वपूर्ण सम्मानों से विभूषित सुरजीत पातर ने अनेक प्रतिरोधी कविताएँ लिखकर यह स्थापित किया कि रचनाकार व्यवस्था का प्रवक्ता नहीं होता। वह अन्याय का प्रतिरोध करता है। सुरजीत जी को प्रतिरोध की ताकत गुरुनानक देव जी जैसे महानतम संतों से मिली थी। गुरुनानक जी खुद एक समर्थ कवि थे, जिन्होंने हमलावर बाबर को ललकारा था। बाबर के विरुद्ध उन्होंने रचना की थी। जो व्यक्तित्व बाबर को ललकार सकता है, वह कितना साहसी व्यक्तित्व होगा उसकी हम सहज कल्पना कर सकते हैं। तो सुरजीत पातर उसी प्रतिरोधी-परंपरा के कवि रहे। इसका एक बड़ा प्रमाण तो यह है कि जब पंजाब में किसान आंदोलन चल रहा था तो उसके समर्थन में सुरजीत पातर ने उनको मिली पद्मश्री सम्मान लौटने का ऐलान किया था।

डॉ. चमन लाल जैसे समर्थ अनुवादकों के जारिये हमने सुरजीत पातर की रचनाएँ पढ़ीं और उन्हें समझा भी। गूगल के जरिए भी उनकी अनेक धारदार कविताएँ हमें पढ़ने को मिल जाती हैं। मैं अपने को सौभाग्यशाली मानता हूँ कि एक दशक पहले जब मैं साहित्य अकादमी, नई दिल्ली की हिंदी प्रमर्द्ध मंडल और अकादेमी की सामान्य सभा का सदस्य था, तब सुरजीत पातर से दिल्ली में मुलाकातें हुई और उन्हें सुनने का अवसर भी मिला। वह साहित्य में रुचि रखने वाले सिखों के बीच में काफी लोकप्रिय थे। कनाडा में लाखों सिखबंधु निवास करते हैं। वहां भी वह बेहद लोकप्रिय थे। एक उदाहरण साहित्य अकादेमी के सचिव श्रीनिवास राव ने बताया कि जब कनाडा में एक कवि सम्मेलन के लिए सुरजीत पातर को आमंत्रित किया गया, तो जिस पंचतारा होटल में उन्हें रुकवाया गया था, उस होटल के रजिस्टर में उनका नाम जॉनसन के रूप में दर्ज किया गया था। ऐसा इसलिए किया गया कि अगर वहां के लोगों को पता चल जाएगा कि सुरजीत पातर इसी होटल में आकर रुके हैं, तो सैकड़ों लोग मिलने पहुँच जाएँगे तो होटल की व्यवस्था गड़बड़ा जाएगी। यह एक उदाहरण पातर जी की असाधारण लोकप्रियता को बताने के लिए पर्याप्त है।

सुरजीत पातर एक वैश्विक-दृष्टि-संपन्न रचनाकार थे इसीलिए उन्होंने विश्व के कुछ महत्वपूर्ण रचनाकारों की रचनाओं का अनुवाद पंजाबी में किया,यानी गुरुमुखी में। फिर चाहे वे पाब्लो नेरुदा, गार्सिया लोर्का हो, बर्तोल्त ब्रेख्त हों या कन्नड़ के बड़े रचनाकार गिरीश कर्नाड। श्रेष्ठ साहित्य उन्हें दिखा उसे पंजाबी साहित्य को परिचित कराने का कार्य सुरजीत पातर ने किया। पंजाबी के महान कवि शिवकुमार बटालवी की रचनाओं के आधार पर उन्होंने रूपक भी लिखे। पंजाबी साहित्य में कुछ नाम बेहद चर्चित रहे हैं। जैसे भाई वीर सिंह, प्रो पूर्ण सिंह,सोहन सिंह, अमृता प्रीतम, शिवकुमार बटालवी,अवतार सिंह संधु पाश आदि। इस परंपरा में सुरजीत पातर का भी नाम सम्मान से लिया जाता रहा है। हालांकि नानक सिंह जैसे महानतम पंजाबी साहित्यकार को हम भूल नहीं सकते,जिन्होंने अनेक महत्वपूर्ण उपन्यास लिखे, जिसमें पवित्र पापी तो काफी चर्चित रहा, जिस पर हिंदी फिल्म भी बनी थी। पातर जी को अपना गाँव बहुत प्यारा था,पातर कलां। इसलिए उन्होंने अपना नाम गांव के साथ जोड़ लिया। अपना उपनाम ही पातर रख लिया।

सुरजीत पातर की रचनाओं में क्रांति का जो पुट हमें दिखाई देता है, वही इन्हें बड़ा रचनाकार बनाता है। कोई भी रचनाकार इतिहास में तभी याद रखा जा सकता है, जब उसकी रचनाओं में दमन, अन्याय और पीड़ित मानवता के लिए भावनाएं मुखरित होती हैं। सिर्फ प्रकृति-वंदन या सामान्य जीवन-दर्शन की कविता ही कविता नहीं होती। असली कविता मनुष्य की पीड़ा का आख्यान होना चाहिए। और यही काम सुरजीत पातर ने किया। आजादी के पहले लिखने का मतलब था सीधे-सीधे जेल। अनेक कवि जेल गए भी। उन्होंने अपना काम ईमानदारी के साथ किया। दुर्भाग्य की बात है कि आजादी के बाद भी प्रतिरोध का दमन करने के लिए लोकतांत्रिक व्यवस्था पीछे नहीं रही। आज भी सच लिखना खतरे से खाली नहीं है। लेकिन जो ईमानदार रचनाकार होते हैं, वे खतरे उठाकर लिखने का काम करते हैं। बहुत से कवि जो घबराते हैं, लिखने का साहस नहीं कर पाते। ऐसे ही कवियों पर कटाक्ष करते हुए सुरजीत पातर ने अपनी कविता 'कवि साहब' में जो बात कही है, वह समान

रूप से हर उस कवि पर लागू होती है,जो बुनियादी रूप से भीरू होता है। कविता देखें कि 'मै पहली पंक्ति लिखता हूँ/ और डर जाता हूँ राजा के सिपाहियों से/ पंक्ति काट देता हूँ/मैं दूसरी पंक्ति लिखता हूँ/और डर जाता हूँ बाग़ी गुरिल्लो से/पंक्ति काट देता हूँ/मैने अपने प्राणों की ख़ातिर/अपनी हज़ारों पंक्तियों को/ऐसे ही क़त्ल किया है/उन पंक्तियों की आत्माएँ/ अक्सर मेरे आसपास ही रहती हैं/और मुझे कहती हैं ~कवि साहिब/कवि हैं या कविता के क़ातिल हैं आप ? सुने मुनसिफ बहुत इंसाफ़ के क़ातिल/बड़े धर्म की पवित्र आत्मा को/ क़त्ल करते भी सुने थे/सिर्फ़ यही सुनना बाक़ी था/ कि हमारे वक्त में ख़ौफ के मारे/ कवि भी बन गए/कविता के हत्यारे।'

मुझे लगता है यह इकलौती कविता युगों-युगों तक याद की जाएगी, क्योंकि मैं इस बात को विश्वास के साथ कह सकता हूँ कि हर ऐसी कविता के लिए कवियों का दमन होता रहेगा, जो सत्ता को आईना दिखाती है। और आईना दिखाने का मतलब है तरह-तरह के अत्याचार। उसे बहुत कम लोग बर्दाश्त कर पाते हैं।इसलिए ऐसी कोई बात लिखने के पहले सौ बार सोचना पड़ता है।आजादी के बाद से इस देश में अनेक कवियों को कविता लिखने के लिए जेल- यात्रा करनी पड़ी है। सत्ता चाहे किसी भी दल की रही हो, उसका चरित्र एक ही रहता है।वह केवल राग दरबारी सुनना पसंद करती है। रागइंकलाबी उसे बिल्कुल नहीं सुहाता। इसलिए मजबूरी में गहरे और अबूझ किस्म के प्रतिकों के सहारे प्रतिरोधी कविताएं लिखनी पड़ती है। लेकिन अनेक कवि तो वह भी नहीं लिखना चाहते। इस पर तंज करते हुए सुरजीत पातर कहते हैं कि कवि ही कविता के हत्यारे बन गए हैं।

सुरजीत पातर की एक छोटी-सी रचना है- 'एक नदी'। देखें, 'एक नदी आई/ऋषि के पास/दिशा माँगने/उस नदी को ऋषि की/प्यास ने पी लिया।' अगस्त ऋषि के बारे में या मिथक है कि उन्होंने समुचित सागर का पान कर लिया था। अपनी कविता के माध्यम से सुरजीत पातर संभवत यही कहने की कोशिश कर रहे हैं कि पीड़ित मानवता अंततः अन्याय का ही शिकार हो जाती है। शहीदेआजम भगत सिंह की शहादत के दिन 23 मार्च,1988 को पंजाब के एक महत्वपूर्ण क्रांतिकारी कवि पाश की हत्या की गई थी। पाश की बेहद चर्चित पंक्तियां हैं, 'सबसे खतरनाक होता है हमारे सपनों का मर जाना'। उनकी हत्या पर व्यथित होकर सुरजीत पातर ने जो कविता लिखी थी, वह कुछ इस प्रकार है :

'इक लरज़ता नीर था वह मरके पत्थर हो गया
दूसरा इस हादसे से,डरके पत्थर हो गया
तीसरा इस हादसे को था लगा करने बयान
घूरने से वह किसी पत्थर के, पत्थर हो गया
एक शायर बच रहा संवेदना से लरज़ता
इतने पत्थर वह तो गिनते-गिनते पत्थर हो गया।'

पातर जी की एक और कविता है 'पशु कथा'। यह भी एक गहरी प्रतीक कविता है, जो कहीं-न-कहीं वर्तमान परिदृश्य में एक तरह से हलफनामा प्रस्तुत करती है। सियासत को देखें तो हमने पाया है कि जो हमारे सामने नेता मेमने की तरह आते हैं, वे कितनी जल्दी भेड़िये में तब्दील हो जाते हैं। यानी अत्याचारी, अन्यायी, शोषक बम जाते हैं। इस चरित्र को अपनी कविता में सुरजीत पातर जी कुछ इस तरह से पेश करते हैं कि :

गाड़ी चली /गाड़ी में सीटें रोके /बैठे हुए /कुछ थे मेमने कुछ भेड़िए /गाड़ी लाँघती गई स्टेशन /नदियाँ, जंगल, खेत, पहाड़ /नगर बसे शहर उजाड़ /सात-आठ घंटे चलने के बाद क्या देखा डिब्बों के बीच /सभी भेड़िए बन गए मेमने /सब मेमने बन गए भेड़िए /आप यक़ीन करें या न करें /यह सब अपने देश में हुआ /और आदमियों के भेस में हुआ।

सुरजीत पातर जी हमारे बीच नहीं रहे। 79 की आयु में उनका निधन हुआ। पंजाब की वर्तमान सरकार में उनकी प्रतिभा का सम्मान किया और (13 मई, 2024 को) पूरे राज्य की सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया।करना ही चाहिए था। अगर ऐसा नहीं किया जाता तो एक बड़े कवि का अनादर होता। सौभाग्य से ऐसा नहीं हुआ। सुरजीत पातर ने जितना कुछ भी लिखा, वह पंजाबी साहित्य ही नहीं भारतीय साहित्य और विश्व साहित्य की धरोहर है।

उनकी कविताओं में 'हवा लिखे हर्फ़' (हवा में लिखे शब्द), बिरख अर्ज़ करे (इस प्रकार पेड़), हनेरे विच सुलगदी वर्णमाला (अंधेरे में सुलगते शब्द), लफज़ान दी दरगाह (शब्दों का तीर्थ) शामिल हैं। , पतझर दी पाज़ेब (शरद ऋतु की पायल) और सुरज़मीन (संगीत भूमि) आदि प्रमुख हैं। आने वाले समय में उनका और अधिक मूल्यांकन होगा, ऐसा विश्वास है।उनकी एक और सुंदर कविता 'एक लफ्ज़ विदा लिखना' के साथ मैं अपनी भावनाओं को यही विराम दे रहा हूँ

एक लफ़्ज़ विदा लिखना /एक सुलगता सफ़ा लिखना
दुखदायी है नाम तेरा /ख़ुद से जुदा लिखना
सीने में सुलगता है /यह गीत ज़रा लिखना
वरक जल जाएँगे /क़िस्सा न मिरा लिखना
सागर की लहरों पे /मेरे थल का पता लिखना
एक ज़र्द सफ़े पर /कोई हर्फ़ हरा लिखना
मरमर के बुतों को /आख़िर तो हवा लिखना।

मौलिक ने 10वीं में हासिल किए 90 प्रतिशत अंक

बैतूल। मेक्रोविजन एकेडमी बुरहनपुर में अध्ययनरत सीबीएसई पैटर्न कक्षा 10 वीं के मेधावी छात्र मौलिक भार्गव ने 90 प्रतिशत अंक प्राप्त कर परीक्षा उत्तीर्ण की है। उल्लेखनीय है कि मौलिक भार्गव वरिश्थ पत्रकार एव्म संपादक मयूर भार्गव एवं रेनबो चाकलेट की संचालिका श्रीमती रश्मि भार्गव के छोटे सुपुत्र हैं। मौलिक भार्गव को 500 में से 449 नंबर मिले हैं। मौलिक को तीन विषयों में ए-1, दो विषयों में ए-2 ग्रेड मिला है। मौलिक ने अपनी इस सफलता का श्रेय मेक्रोविजन के गुरुजनों एवं माता-पिता के आशीर्वाद को दिया है। उनकी इस उपलब्धि पर परिजनों, रिश्तेदारों, ईष्टमित्रों और शुभचिंतकों ने बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है।

जिले के 32 साइट पर लाईव हुई बीएसएनएल की 4-जी सेवा

बैतूल। सरकारी कंपनी बीएसएनएल ने आखिरकार लंबे अंतराल के बाद बैतूल जिले के कुछ चुनिंदा साईटों पर 4-जी सेवा को लाईव कर दिया है। अब जिलेवासियों को निजी कंपनी की तरह बीएसएनएल में भी तेज इंटरनेट स्पीड सेवा मिलने लगी है। बीएसएनएल भी निजी कंपनी एयरटेल, जिओ और वीआई को कड़ी टक्कर देने के लिए तैयार हो गई है। बीएसएनएल उपभोक्ता कई वर्षो से 4-जी सेवा आने का इंतजार कर रहे थे,

निजी कम्पनी को देगी कड़ी टक्कर- आखिरकार उपभोक्ताओं का इंतजार खत्म हो गया है। बीएसएनएल कार्यालय से प्राप्त जानकारी के मुताबिक हाल ही में बीएसएनएल ने बैतूल मुख्यालय सहित जिले के कुछ ब्लॉकों के कुल 32 साईटों पर टेस्टिंग के लिए अपनी 4-जी सेवा को लाईव कर दिया है। उपभोक्ताओं को मोबाईल में 4-जी सिग्नल मिलना प्रारंभ हो गए है। 4-जी सेवा प्रारंभ होने से उपभोक्ताओं के चेहरे पर भी खुशी देखने को मिल रही है। जानकारी के मुताबिक जिला मुख्यालय पर एक दर्जन से अधिक साईट पर 4-जी की सेवा प्रारंभ की गई है। हालांकि शुरूआत में टेस्टिंग चल रही है, जिसके कारण बीएसएनएल उपभोक्ताओं को थोड़ी परेशानी का सामना भी करना पड़ रहा है। अधिकारियों का कहना है कि टेस्टिंग जल्द पूरी हो जाएगी और लोगों को बिना रूकावट के तेज इंटरनेट स्पीड मिलना शुरू हो जाएगी।

बीएसएनएल के उपभोक्ताओं में होगा इजाफा- वर्षो से बीएसएनएल 3-जी सेवा दे रहा था, जिसके कारण उपभोक्ताओं की संख्या में तेजी से गिरावट आ गई थी। लेकिन अब 4- जी सेवा प्रारंभ होने के बाद सरकारी कंपनी बीएसएनएल के उपभोक्ताओं की संख्या में बढ़ोत्तरी होने की संभावना अधिक बनी है। अभी भी बैतूल जिले में बीएसएनएल के कई उपभोक्ता है, जो केवल बीएसएनएल की सिम का इस्तेमाल करते है। 3-जी सेवा होने के कारण कई उपभोक्ता का सिम को रिचार्ज भी नहीं करते थे, लेकिन अब उपभोक्ता बीएसएनएल की ओर रूख कर सकते है। जानकारी के मुताबिक 15 अगस्त तक संभवत पूरे जिले भर में 4-जी सेवा की शुरूआत हो जायेगी।

जहां कवरेज नहीं, वहां लग रहे बीएसएनएल टॉवर- बीएसएनएल के अधिकारियों के मुताबिक बीएसएनएल ने नए 4-जी टावर लगाने के लिए उन स्थानों का चयनित किया है, जहां किसी भी टेलीकॉम कंपनी का नेटवर्क नहीं है। यहां बीएसएनएल नए 4-जी टॉवर लगा रहा है। जिले में ऐसे करीब ढाई सौ नए टॉवर लगाने की प्रक्रिया जारी है। यह नए टॉवर में सेवा शुरू होने पर गांव-गांव तक बीएसएनएल का नेटवर्क अच्छे से मिल पाएगा।

चोरों ने किसान के घर से 13 लाख के जेवरात और 3 लाख नगद चोरी किये, सोते रह गए घर के सभी सदस्य

बैतूल। जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र के भौंरा के पास बानाबेहडा में एक किसान के घर हुई सेंधमारी में चोर करीब 13 लाख के जेवरात और साढ़े 3 लाख रुपए की नकदी लेकर फरार हो गए। घटना 11-12 मई की दरम्यानी रात की है। रविवार रात को इसकी एफआईआर दर्ज की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार चोरों ने प्रदीप मालवीय के घर दरवाजे में गिरमिट से होल किया और एल्ड्रॉप खोलकर घर के अंदर घुस गए। घर की दो आलमारी तोड़ी, जेवरात और नकदी पर ले गए। प्रदीप मालवीय ने बताया की वे और उनकी पत्नी, बच्चे एक कमरे में सोए हुए थे। कमरे में कूलर चल रहा था, इसलिए घटना की कोई आवाज नहीं आई। रात करीब 2 बजे उनकी नींद खुली तो उन्होंने अपने कमरे का दरवाजा बंद पाया। उन्होंने जाकर देखा तो वह दरवाजा बाहर से बंद था, जिसे एक टॉवेल से बांध दिया गया था। उन्होंने गैलरी से जाकर देखा तो घर में चोरी हो चुकी थी। आशंका है कि चोरों ने 12.30 बजे रात से डेढ़ बजे के बीच घटना को अंजाम दिया हो। उन्होंने आलमारी में रखे उनके और उनकी माता के पुराने जेवरात, जिनकी कीमत करीब 13 लाख है, जबकि चना बेचकर रखे गए साढ़े 3 लाख चुरा लिए थाना प्रभारी जयपाल इवनाती में बताया की घटना की सूचना मिलने के बाद बैतूल से डॉग स्क्वायड और फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट बुलाए गए थे, जिन्होंने घटना स्थल की जांच की है। घर में आलमारियां टूटी मिलीं, जबकि ट्रॉली बैग घर के पीछे पड़ा मिला है, जिस पैटर्न पर यहां चोरी हुई है। उसी पैटर्न पर आज पांढुरना जिले मे भी चोरी की शिकायत दर्ज की गई है।

कब होगा प्रारंभ सीएम राइज विद्यालय भवन निर्माण कार्य

जिले के अन्य भवन पूर्णता की ओर, मुलताई के साथ सौतेला व्यवहार क्यों ?

बैतूल। मुलताई- पवित्र नगरी मुलताई जिले की सबसे महत्वपूर्ण एवं सबसे प्राचीन तहसील है किंतु इस क्षेत्र का दुर्भाग्य देखे मुलताई क्षेत्र संपूर्ण प्रदेश में चलने वाली योजनाओं का लाभ मिलने में भी छोटी-छोटी तहसीलों से पीछे है। इसका उदाहरण है विद्यार्थियों को बेहतर और आधुनिक सुविधा के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के उद्देश्य से बनाई गई सीएम राइज योजना है। संपूर्ण प्रदेश में जहां सीएम राइज विद्यालय के आधुनिक शाला भवनों का निर्माण हो चुका है या पूर्ण होने की कगार पर है वही मुलताई नगर के लिए 42 करोड रुपए की लागत से बनने वाले आधुनिक सीएम राइज विद्यालय भवन की अब तक नीव रखना तो दूर टेंडर प्रक्रिया तक पूर्ण हुई या नहीं हुई इसको लेकर भी कोई ठोस जानकारी नहीं है। जबकि जिले के बैतूल बाजार में सीएम राइज विद्यालय का शाला भवन लगभग पूर्णता की ओर है दिसंबर में नवनिर्मित आधुनिक भवन विद्यालय के सपूरत कर दिया जाएगा। आमला का भी शाला भवन 50 प्रतिशत बन चुका है। फिर बड़ा सवाल यही है कि मुलताई को लेकर ही यह सौतेला व्यवहार क्यों...

दो साल बाद मिली प्रशासनिक स्वीकृति: मुलताई उत्कृष्ट विद्यालय का चयन सीएम राइज विद्यालय के लिए प्रदेश के अन्य 274 सीएम राइज विद्यालय के साथ ही हुआ था। किंतु प्रदेश में जहां पहला सीएम राइज आधुनिक भवन का कार्य शाहजहांपुर जिले के गुलाना में पूर्ण होकर 5 जुलाई 2023 आरंभ हो गया। बैतूल जिले के बैतूल बाजार , आमला में भी कार्य लगभग पूर्ण होने को है वही मुलताई भवन की शासकीय स्वीकृति ही दो साल बाद हुई है। 6 महापूर्व जब भवन के शासकीय स्वीकृति प्राप्त होने की जानकारी मिली तो यह माना जा रहा था कि अब शीघ्र भवन निर्माण हो सकेगा, किंतु 6 माह में भी भवन का निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं हो सका।

इनका कहना-

सीएम राइज विद्यालय के आधुनिक शाला भवन निर्माण की टेंडर प्रक्रिया लोकसभा चुनाव के पहले पुरी हो चुकी है और आचार संहिता समाप्ति के बाद कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा।

-चंद्रशेखर देशमुख, भाजपा विधायक मुलताई विधानसभा

टेंडर होने के संबंध में कोई विभागीय पत्र नहीं मिला है, किंतु सीआईयू विभाग के एसडीओ ने चुनाव के 20 दिन पहले चर्चा में टेंडर होने की बात कही थी।

-संदीप गणेशे, प्रभारी प्राचार्य सीएम राइज विद्यालय मुलताई

अपूर्वा रघुवंशी ने सीबीएसई बोर्ड 12वीं में प्राप्त किए 93%

मुलताई केंद्रीय विद्यालय का परीक्षा परिणाम रहा 100 प्रतिशत

बैतूल / मुलताई। बोरदेही क्षेत्र के ग्राम हथनोरा निवासी आरडी पब्लिक स्कूल बैतूल की छात्रा अपूर्वा पिता भगवन्त सिंह रघुवंशी ने कक्षा 12वीं सीबीएससी बोर्ड परीक्षा में आर्ट संकाय मे 93 प्रतिशत अंक प्राप्त कर आर्ट विषय में जिले में द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। वही मुलताई केंद्रीय विद्यालय नेशनल शिक्षा प्रणाली बोर्ड परीक्षा कक्षा दसवीं का परीक्षा परिणाम 100 प्रतिशत रहा। केन्द्रीय विद्यालय की छात्रा लावण्या डहारे ने कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षा में 93.2 प्रतिशत प्राप्त कर विद्यालय की टॉपर बनी। तनिष्का पानकर ने 90.4 एवं जयति हारोडे ने 89.8 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। कक्षा 10 में कुल 38 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए, जिनमें से सभी 38 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए तथा कक्षा 10वीं का परीक्षा परिणाम 100 प्रतिशत रहा।

आईएएस बनना चाहती हैं अपूर्वा

12वीं बोर्ड परीक्षा में 93 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाली छात्रा अपूर्वा के पिता भगवंत सिंह रघुवंशी ने जानकारी देते हुए बताया कि अपूर्वा आईएएस बनना चाहती है। अपूर्वा की उपलब्धि से संपूर्ण ग्राम में उत्साह का माहौल है और परिवारजनो को बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। अपूर्वा बताती है कि उनकी इस उपलब्धि के पीछे माता-पिता एवं टीचर के मार्गदर्शन की अहम भूमिका रही है। मोरखा रघुवंशी समाज के किशन सिंह रघुवंशी ने बताया कि प्रतिभावान बच्चों का कठिन परिश्रम का फल, हमेशा वैभव की ओर ही जाता है। हथनोरा निवासी ईश्वर सिंह पटेल की नातिन व भग्गू सिंह पटेल की सुपुत्री अपूर्वा ने 12वीं सीबीएसई परीक्षा में आर्ट विषय से 93 प्रतिशत लेकर परिवार व समाज का नाम रोशन किया है। इस उपलब्धि पर समूचे रघुवंशी समाज के साथ अपूर्वा को स्कूल के टीचर, स्टाफ, इष्ट मित्रों एवं परिवारजनो ने मिठाई खिलाकर बधाइयां व शुभकामनाएं दी है।

बिना मुसाफिरी दर्ज कराए बेच रहे आईस्क्रीम

शहर में आ गई आईस्क्रीम बेचने वाले राजस्थानियों की बाढ़

बैतूल। शहर में एक तरफ अपराध बढ़ रहे हैं तो दूसरी तरफ बाहर से आने वाले लोगों की मुसाफिरी दर्ज नहीं हो रही है। इससे कानून व्यवस्था प्रभावित हो रही है और जानकारों का कहना है कि कई अपराधी भी फरारी काटने दूसरे प्रदेशों में व्यवसाय के बहाने पहुंच जाते हैं और पुलिस में अपनी आमद दर्ज नहीं कराते हैं, इसका नुकसान उस शहर के आमजनों को होता है, क्योंकि अपराध बढने पर पुलिस के पास ऐसे लोगों का रिकॉर्ड नहीं रहता है। कोई भी कहीं से आकर शहर में अपना व्यापार शुरू कर देता है। यही कारण है कि पुलिस के पास यह रिकार्ड नहीं है कि दूसरे प्रदेशों से कितने लोग बैतूल शहर में निवास कर रहे हैं, क्योंकि कई लोगों की पुलिस के पास मुसाफिरी दर्ज नहीं है। इन दिनों देखा जा रहा है कि शहर में कई आईस्क्रीम बेचने वाले आईस्क्रीम बेच रहे हैं। जब इनकी पड़ताल की तो पता चला है कि इनमें से अधिकांश लोग बाहर से आए हुए हैं जिनमें कुछ ने तो मुसाफिरी दर्ज कराई है और कुछ नहीं नहीं दर्ज कराई है।

10 साल से दर्ज नहीं हुई मुसाफिरी- मुसाफिरी को लेकर जब पड़ताल की तो पता चला कि राजस्थान से आकर आईस्क्रीम बेचने का काम करने वाले अधिकांश लोग ऐसे हैं जिन्होंने संबंधित थाने में मुसाफिरी दर्ज नहीं कराई है। अम्बेडकर चौक पर आईस्क्रीम बेचने वाले रतनलाल से जब पूछा गया तो उनका कहना है कि उनके मालिक नारायण साहू राजस्थान के चित्तौडगढ़ निवासी हैं और पिछले 10 साल से बैतूल में निवास कर रहे हैं। उनकी कई चलित दुकान हैं जिसमें राजस्थान से आकर युवक काम कर रहे हैं। जब इनसे पूछा गया कि इन्होंने मुसाफिरी दर्ज कराई तो उनका कहना था कि उन्होंने मुसाफिरी दर्ज नहीं कराई है।

मालिक और नौकर सभी राजस्थान के- बैतूल से हजारों किलोमीटर दूर राजस्थान से आकर व्यापार कर रहे आईस्क्रीम विक्रेताओं से चर्चा की तो उनका कहना है कि मालिक और नौकर दोनों ही राजस्थान से आए हैं। आईस्क्रीम की दुकान पर काम करने वाले पंकज ने बताया कि उनके मालिक राजकुमार जाट की दो वाहन है जिस पर काम करने वाले कर्मचारी राजस्थान के हैं और पिछले 8 साल से बैतूल में व्यापार कर रहे हैं। इन्होंने भी पुलिस में वेरिफिकेशन नहीं कराया है।

इनका कहना-

जो बाहरी लोग नॉलेज में आते हैं, उनके वेरिफिकेशन कराए जाते हैं। पुलिस की कोशिश रहती है कि बाहर से आने वालों की मुसाफिरी दर्ज होनी चाहिए।

- देवकरण डहेरिया, टीआई, कोतवाली, बैतूल

फेरी लगाने वाले और ऐसे बाहर से आने वाले जो बैतूल में व्यवसाय कर रहे हैं उनकी मुसाफिरी दर्ज कराई जाती है। जिनकी मुसाफिरी दर्ज नहीं हुई उनको चेक करवाया जाएगा।

- रविकांत डहेरिया, टीआई, थाना गंज, बैतूल

चिचोलीढाना का अरुण खंडाईत बलात्कार के आरोप से दोषमुक्त

बैतूल। भैंसदेही के अतिरिक्त सत्र न्यायालय के न्यायाधीश राकेश पाटीदार द्वारा पारित आदेश में बलात्कार के आरोपी अरुण खंडाईत पिता हेमराज खंडाईत निवासी चिचोलीढाना भैंसदेही को दोषमुक्त कर दिया। वर्ष 2020 से विचाराधीन इस मामले में आरोपी जमानत पर था। मामला भैंसदेही थाना क्षेत्र गुप्तवाडा के जंगल का है, जहां एक युवती ने आरोपी अरुण खंडाईत निवासी चिचोलीढाना के विरुद्ध थाना भैंसदेही में अपने साथ हुई जबरदस्ती की घटना की शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में युवती ने बताया कि 18 मार्च 2020 को गुपतवाड़ा के जंगल में डेम पर मजदूरी करने गई थी। दोपहर करीब ढाई-तीन बजे युवती डेम से वापस घर आ रही थी, तभी अचानक अरुण खंडाईत ने पीछे से आकर पकड़ लिया और नाले की तरफ ले गया। युवती ने चिल्लाने की कोशिश की, लेकिन अरुण ने मुंह दबा दिया और युवती की इच्छा के विरूद्ध बलात्कार किया। युवती ने रिपोर्ट करने का कहने पर आरोपी ने धमकी दिया। घटना की जानकारी युवती ने अपनी माँ को बताई। फिर थाना भैंसदेही आकर रिपोर्ट दर्ज करई। जिसके तहत आरोपी के विरूद्ध धारा 376, 506 भादवि दर्ज कराई थी। इस मामले में न्यायालय द्वारा संज्ञान लेते हुए मामले के गवाहों को तलब कर उनका परीक्षण प्रति परीक्षण कराया।

आरोपी पक्ष के अधिवक्ता द्वारा अपने बचाव में तर्क प्रस्तुत किये गये। परिणामतः आरोपी को धारा 376, 506 भादवि के आरोप से दोषमुक्त कर दिया गया। आरोपी की ओर से अधिवक्ता मारोती बारस्कर, दीपक फोफसे, दीपक जैन, तुलसीराम दौडके ने पैरवी की।

अवैध उत्खनन के प्रकरण में बंसल कंस्ट्रक्शन पर 21.53 करोड़ रुपये का अर्थदंड

बैतूल । अवैध उत्खनन के दो अलग-अलग प्रकरणों में एडीएम कोर्ट बैतूल द्वारा बंसल कंस्ट्रक्शन ग्रुप भोपाल पर 21 करोड़ 53 लाख 43 हजार 600 रुपये का अर्थदंड के आदेश दिए गए है। इनमें ग्राम खेड़ीसांवलीगढ़ भूमि से मुरूम का अवैध उत्खनन करने पर 3 करोड़ 28 लाख 86 हजार 600 रूपए एवं गोधना जलाशय के जल भराव क्षेत्र से गौण खनिज मिट्टी/मुरम का अवैध उत्खनन के दोषी पाए जाने पर एडीएम श्री जयप्रकाश सैय्याम की कोर्ट से अर्थदंड से दंडित किया गया है। एसडीएम न्यायालय से दोनों ही प्रकरणों में 9 मई 2024 को एडीएम के हस्ताक्षर में आदेश जारी किए गए है।

खेड़ीसांवलीगढ़ में मुरम का अवैध उत्खनन

उल्लेखनीय है कि 1.12.21 को ग्राम खेड़ीसांवलीगढ़ में निजी भूमि पर बंसल कंस्ट्रक्शन ग्रुप द्वारा बैतूल से चिचोली फोरलेन मार्ग पर सडक़ बनाने का काम कर रही बैतूल कंस्ट्रक्शन ग्रुप भोपाल द्वारा 10.962 घन मीटर मुरूम अवैध उत्खनन करना खनिज निरीक्षक की रिपोर्ट पर प्रकरण पर अधिकारियों द्वारा किए निरीक्षण मं अवैध उत्खनन पाया गया। एडीएम न्यायालय में प्रस्तुत साक्ष्य में कंस्ट्रक्शन कंपनी सडक़ निर्माण का कार्य कर रही है और मुरूम को सडक़ निर्माण के उपयोग से इंकार नहीं किया जा सकता। उत्खनन स्थल पर समतलीकरण की बात में अनुमति ना होने का हवाला देते हुए असहमति व्यक्त की गई। न्यायालय द्वारा उपरोक्त तथ्यों के आधार पर 3 करोड़ 28 लाख 86 हजार 600 की शास्ति अधिरोपित की गई।

गोधना जलाशय के जल भराव क्षेत्र से अवैध उत्खनन

इसी प्रकार एक अन्य आदेश में दूसरे प्रकरण में बंसल पाथवे के विरूद्ध जल संसाधन एवं खनिज विभाग की संयुक्त टीम द्वारा गोधना जलाशय के जल भराव क्षेत्र से बंसल पाथवे द्वारा अवैध उत्खनन किए जाने पर शासन पक्ष के उपरोक्त साक्ष्यों के आधार पर यह तथ्य निर्विवाद रूप से प्रमाणित होता है कि अनावेदक कंपनी द्वारा गोधना जलाशय के जल भराव क्षेत्र में उत्खनित क्षेत्र की भराई की गई है, यदि अनावेदक कंपनी द्वारा गोधना जलाशय के जल भराव क्षेत्र से मुरूम व मिट्टी का अवैध उत्खनन नहीं किया जाता तो, निश्चित रूप से उनके द्वारा उत्खनि क्षेत्र में भराई करने से भी इंकार कर दिया जाता, अनावेदक कंपनी द्वारा जलाशय के उत्खनित क्षेत्र में भराव करने से इंकार नहीं करना उनकी मौन स्वीकारोक्ति को दर्शाता है। यदि अनावेदक कंपनी द्वारा गोधना जलाशय के जलभराव क्षेत्र से अवैध उत्खनन नहीं किया जाता तो उनके द्वारा जांच दल के समक्ष गोधना जलाशय समिति जनपद पंचायत चिचोली जिला बैतूल का अनापत्ति प्रमाण पत्र दिनांक 25-4-2022 प्रस्तुत नहीं किया जाता। अनावेदक कंपनी द्वारा जांच दल के समक्ष उक्त अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने के तथ्य का खण्डन नहीं किया गया है। इसके अतिरिक्त प्रकरण में यह तथ्य निर्विवादित है कि अनावेदक कंपनी द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 47 बैतूल से चिचोली का निर्माण किया गया है और सडक़ निर्माण कार्य में मुरूम/मिट्टी की आवश्यकता व उपयोग होने के तथ्य से भी इनकार नहीं किया जा सकता है। अनावेदक कंपनी की ओर से यह नहीं बताया गया है कि राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 47 बैतूल से चिचोली के निर्माण कार्य में लगने वाला मुरूम/मिट्टी खनिज उनके द्वारा कहा से लाया गया है, और किस अनुमति या अनुज्ञा के अधीन उत्खनन किया गया है। अनावेदकगण पर रुपये 18,24,57,000/- (रुपये अठारह करोड़ चौबीस लाख सत्तावन हजार केवल) की शास्ति अधिरोपित की जाती है।

श्री श्री रविशंकर जी के जन्मोत्सव सत्संग संपन्न

बैतूल। विश्व विख्यात अंतर्राष्ट्रीय संस्था आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक श्री श्री रविशंकर जी के जन्मदिवस के अवसर पर संस्था के द्वारा राम कृष्ण बगिया में भजन संध्या का आयोजन किया गया। बैंगलौर आश्रम से पधारे गायक रोहित श्रीधर द्वारा अनेक सुमधुर भजनों की प्रस्तुति दी। संस्था की जिला समन्वयक डॉ.अल्का पांडे ने बताया कि शास्त्रीय गायन में पारंगत, गीतकार और गायक रोहित श्रीधर भारत के विभिन्न स्थानों में भजनों की प्रस्तुति दे रहें हैं और संस्था के प्रशिक्षक भी हैं। इनके लिखे गीत को

बड़े-बड़े गायकों आशा भोसले आदि ने भी गाया है। गणेश वंदना के पश्चात, दुर्गा जी, शंकर जी के भजनों के साथ स्वरचित लोकगीत तोरा घर किराए का है, सब मिट्टी में मिल जाना सहित पंजाबी भजनों की शानदार प्रस्तुति दी। उपस्थित श्रोता स्वयं को थिरकने से रोक नहीं पाए। रोहित श्रीधर ने कहा कि वर्तमान में रहो क्योंकि वर्तमान में रहना ही खुशी का कारण है। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती नीरजा शर्मा ने व आभार धीरज हिराणी ने व्यक्त किया। काशीराम पांसे एवं श्रीमती पांसे ने संस्था द्वारा संचालित श्री श्री ज्ञान मंदिर स्कूल की प्राचार्या श्रीमती जयश्री शाह को बच्चों के लिए प्रोजेक्टर भेंट किया। राजू सोनारे, अनिल शर्मा, प्रमोद शाह सहित संस्था के पदाधिकारी और सदस्यों का सराहनीया योगदान रहा।

मतदान के अगले दिन भाजपा प्रत्याशी सावित्री ठाकुर ने मंदिर में देव दर्शन कर विधानसभा विस्तारकों से चर्चा की

धार। महू लोकसभा क्षेत्र में मतदान के बाद 14 मई को भाजपा प्रत्याशी सावित्री ठाकुर ने अपने दिन की शुरुआत मंदिर में देव दर्शन कर की उसके बाद कार्यकर्ताओ से संपर्क कर अपने अपने शक्ति केंद्र पर हुए मतदान की जानकारी ली और कार्यकर्ताओ की चुनाव में जी तोड़ मेहनत की सराहना की ओर सभी का आभार माना। दोपहर को जिला कार्यालय पर भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज सोमानी, जिला पंचायत अध्यक्ष सरदार सिंह मेड़ा, भाजपा जिला उपाध्यक्ष विश्वास पांडे, लोकसभा विस्तारक ओमप्रकाश धय्या, सातों विधानसभा के विस्तारक के साथ बैठक कर चुनाव परिणाम के बारे में चर्चा की . इस दौरान भाजपा जिला कार्यालय पर जिला कार्यालय मंत्री जगदीश जाट, जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा जिला अध्यक्ष पूनम चंद फकीरा ,पूर्व नगर अध्यक्ष अनिल जैन बाबा, मंडल अध्यक्ष विपिन राठौर, नितेश अग्रवाल, दीपक सिंह रघुवंशी विवेक गौड़ सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सीबीएसई 10वीं बोर्ड में धार के अथर्व बांगर 96 प्रतिशत के साथ चमके

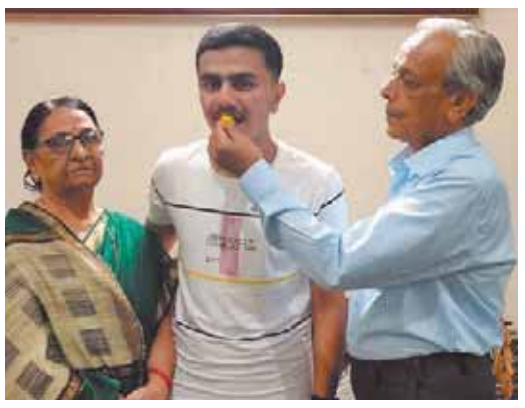

धार। सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकंडरी एजुकेशन (सीबीएसई) ने 10वीं का रिजल्ट घोषित किया । धार के अथर्व बांगर ने हर विषय में डिस्टिंक्शन के साथ 96 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। अथर्व ने यह योग्यता सेंट जॉर्ज इंग्लिश मीडियम स्कूल में पढ़ाई करके प्राप्त की है। इस कामयाबी पर स्कूल प्रबंधन सहित परिवारजन और मित्रों ने उन्हें बधाई दी है।

जैविक उत्पाद प्रशिक्षण के लिए आवेदन आमंत्रित

नरसिंहपुर। कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम 2024- 25 के अंतर्गत कृषि विज्ञान केन्द्र नरसिंहपुर में जैविक उत्पाद प्रशिक्षण के लिए 17 मई तक आवेदन आमंत्रित किये गये हैं। इसके लिए आवेदक को न्यूनतम 10 वीं उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। इस संबंध में वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख कृषि विज्ञान केन्द्र नरसिंहपुर डॉ. विशाल मेश्राम ने बताया कि जैविक उत्पाद पर व्यवसाय करने के इच्छुक कृषक, बेरोजगार युवक- युवतियां एवं छात्र/छात्राएं इस प्रशिक्षण के लिए आवेदन कर सकते हैं। प्रशिक्षण के दौरान आवास एवं भोजन व्यवस्था प्रशिक्षण केन्द्र द्वारा की जायेगी। आवेदक अपना आवेदन के साथ 10 वीं की अंकसूची, बैंक पासबुक की छायाप्रति, मोबाईल नम्बर एवं पासपोर्ट साईज की फोटो जमा करनी होगी। आवेदन प्राप्त उम्मीदवारों का चयन प्रथम आओ- प्रथम पाओं के आधार पर किया जायेगा। चयनित उम्मीदवारों को 20 मई तक उनके मोबाईल नंबर पर सूचित किया जायेगा। प्रशिक्षण के संबंध में अधिक जानकारी के लिए मोबाईल नंबर 7879626764 पर संपर्क किया जा सकता है।

राज्य स्तरीय व्हालीबॉल प्रतियोगिता में 15 मई को स्टेडियम ग्राउंड नरसिंहपुर में होगा चयन

नरसिंहपुर। मुरैना जिले के अम्बाह में आगामी 22 से 26 मई तक आयोजित होने वाली 69 वीं राज्य स्तरीय पुरूष एवं महिला व्हालीबॉल प्रतियोगिता 2024-25 के लिए नरसिंहपुर जिले की महिला एवं पुरूष वर्ग की टीम की सहभागिता के लिए टीम का चयन गुरूवार 15 मई को सायं 5 बजे स्टेडियम ग्राउंड नरसिंहपुर में किया जायेगा।व्हालीबॉल जोनल सेक्रेट्री श्री मनीष कटारे ने बताया कि स्टेडियम ग्राउंड नरसिंहपुर में जिले के महिला व पुरुष वर्ग खिलाड़ी चयन प्रक्रिया में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिला स्तरीय टीम में अपना स्थान सुनिश्चित करेंगे। जिला स्तरीय व्हालीबॉल टीम की चयन प्रक्रिया के संबंध में अधिक जानकारी के लिए खिलाड़ी व्हालीबॉल कोच शाकिर हुसैन के मोबाइल नम्बर 7000012706, नवनीत पटेल के मोबाइल नम्बर 9575942444 एवं स्टेट रेफरी अभिनव चौकसे के मोबाइल नम्बर 9131346765 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

ऊपर से चलने वाली योजनाओं को देखने और क्रियान्वयन के लिए जिम्मेदार कोई नहीं..

नर्मदापुरम। आज नगरवासी हैरान नहीं परेशान भी हैं, सीवरेज ट्रीटमेंट योजना के तहत चल रहे अविवेक पूर्ण कार्य की झंझटों से उसे प्रायः रोज कहीं न कहीं दो चार होना पड़ रहा, मजेदार बात इसमें यह है कि करोड़ों की योजना का दारोमदार पूरी तरह उपर यानी दिल्ली से संचालित होने के कारण प्रशासन भी पूरी तरह इस मामले को देखने समझने तक में अपाहिज और अपंग है। पूरा नगर सीवरेज ट्रीटमेंट योजना के कारण अस्त-व्यस्त बीच सड़क को उपयोग करने से अव्यवस्थित है । इसमें जहां चालीस फुट की सड़क है वहां तो फिर भी परेशानी कम है पर जहां सड़क और गलियां दस बारह फुट या इससे कम है वहां की हालत समझी जा सकती है कि किस मुश्किल में आदमी वहां आवाजाही कर रहे, बीमार को किस परिस्थिति में वहां से निकाला जा सकता, बुजुर्ग घर से बाहर कैसे निकल

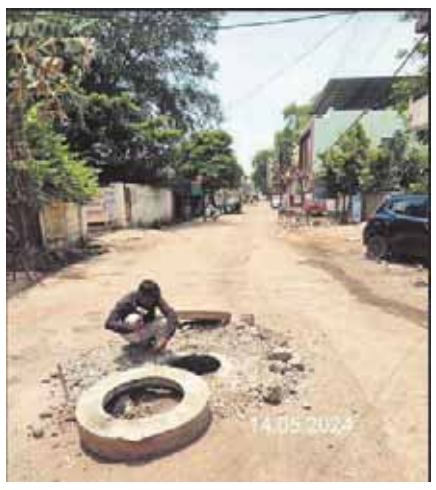

पा रहे, फिर नगरपालिका की मेहरबानी रात में बेचारे बाहर कैसे निकल पाते हैं या फिर बाहर से आने वाले मेहमान घर कैसे पहुंच पाते, इन तकलीफों हालांकि न ठेकेदार को कोई लेना-देना नहीं ना नगरपालिका की इस मामले में कोई दखलंदाजी न जिम्मेदारी, बच रह गया प्रशासन तो उसकी हैसियत नहीं दिल्ली से चलने वाली योजना की तरफ नजर गढ़ा सके, बस सोशल मीडिया में योजना से होने वाली कमोबेश, दुख तकलीफ आम नागरिकों के संज्ञान में देकर उजागर कर दायित्व पूरा कर रहे हैं शायद तकलीफ सुधर जाएं ..? कलेक्टर बंगले के सामने ही स्थित रुद्रा इंकलेब कालोनी का मसला लिया जाए, कलेक्टर बंगले के सामने सीवरेज लाइन डालने के लिए खोदी गई सड़क लंबे समय तक कालोनी वासियों के लिए असुविधा का कारण रही लोगों के सब्र का बांध तब टूटा जब एक मजदूर मिट्टी में दब कर मर गया, हरकत में आए प्रशासन की बजाए से परेशानी कुछ ठीक हुई। मरे मजदूर के परिवार को ठेकेदार ने क्या राहत दी वो ही बता सकता। बगैर जिम्मेदार की देखरेख में हो रहे इस कामकाज में योजना के चैम्बर सड़क से उपर बना दिए गए, उसमें टकरा रहे चार पहिया वाहन वालों की आइल चैम्प फूट रहे आने जाने वाली गाड़ियां आपस में रगड़ खा रही.. किसी को कोई अंतर नहीं पढ़ रहा विकास के लिए उसकी ओर तेजी से बस दौड़ रहे भले ही विकास तक हाथ नहीं पहुंच पाए। अक्टूबर 2023 में वार्ड नंबर दो के लोग बना रहे चैम्बर सड़क से ऊपर जा रहे बताया तो उनसे कहा गया यह प्लानिंग है और निर्माण के सात महीने बाद कष्टदायक मई की तपन में, ये बीच सड़क चौराहे पर सिस्टम लाइन के चेंबरों को नीचे करने की लिए तोड़ फोड़ चल रही है।

पिपरिया बरौदिया में चल रहे जय श्रीराम महायज्ञ की आज पूर्णाहुति

नरसिंहपुर। जिले की करेली तहसील मुख्यालय के पिपरिया बरौदिया गांव में 9 मई 2024 से 15 मई 2024 तक महायज्ञ का आयोजन संत दिवाकर महाराज और समस्त ग्रामवासियों, क्षेत्रवासियों के सहयोग से किया जा रहा है। इस महायज्ञ में श्रद्धालुओं को रात्रि 8 बजे से 12 बजे तक प्रसिद्ध कथावाचकों द्वारा श्रीराम कथा का श्रवण कराया जाता रहा है, आज महायज्ञ का समापन होगा।पिपरिया गांव में श्रीराम महायज्ञ का आयोजन चल रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ पहुंच रही है। आज यहां जय श्रीराम महायज्ञ का पूर्णाहुति के साथ समापन किया जाएगा। यज्ञ स्थल की परिक्रमा और पुण्यलाभ अर्जित करने के लिए हजारों श्रद्धालु यहां पहुंच रहे हैं। यज्ञाचार्य संत दिवाकर महाराज ने बताया कि यह महायज्ञ विश्व की शांति के लिए किया जा रहा है।

यह संत और कथावाचक पहुंचे – यज्ञ में महामंडलेश्वर 1008 श्री सियारामण दास महाराज, संत राजीव लोचन दास महाराज, शक्तिधाम पीठापीठाधीश्वर दिवाकर दास महाराज, साक्षी देवी, आस्था देवी आदि संत और कथावाचकों ने श्रद्धालुओं को कथा का श्रवण कराया।

श्रृद्धालुओं का रखा ध्यान मेला भी लगा – यज्ञ में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। गर्मियों को देखते हुए श्रद्धालुओं के लिए समुचित मात्रा में शीतल पेयजल की व्यवस्था की गई है।

मेला परिसर क्षेत्र में स्वच्छता पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। आयोजन में आसपास के गांव सहित दूर दराज़ के श्रद्धालू भी पहुंच रहे हैं साथ ही यज्ञ स्थल पर मेले में खिलौनों, झूले, बर्तन, चाट-चौपाटी, गुब्बारे आदि दुकाने भी पहुंची हैं। महायज्ञ परिसर में श्रद्धालुओं के लिए अलग से भंडारे की व्यवस्था की है जिसमे वे प्रसाद ग्रहण कर रहे हैं।

अशोका गार्डन, ईदगाह हिल्स में आज बिजली कटौती

- भोपाल के 25 इलाकों में सप्लाई नहीं; बाग मुगालिया, जिंसी-मंदाकिनी में भी असर

भोपाल (नप्र)। राजधानी भोपाल के 25 से अधिक इलाकों में रविवार को 3 से 7 घंटे तक बिजली कटौती होगी। इन इलाकों में बिजली कंपनी मेंटेनेंस करेगी। इसके चलते सप्लाई बंद रखी जाएगी। ऐसे में लोग जरूरी काम पहले से निपटा लें। ताकि, कोई परेशानी न हो। बुधवार को जिन इलाकों में मेंटेनेंस के चलते सप्लाई बंद रहेंगी, उनमें अशोका गार्डन, ईदगाह हिल्स, बाग मुगालिया, जिंसी, मंदाकिनी चौराहा, बीडीए कॉलोनी जैसे कई बड़े रहवासी इलाके भी शामिल हैं।

इन इलाकों में पड़ेगा असर: सुबह 9 से दोपहर 12 बजे तक बाग मुगालिया एक्सटेंशन, आम्रपाली मार्केट एवं आसपास के इलाके। सुबह 9 से दोपहर 2 बजे तक प्रगति नगर, अशोका गार्डन, अमृत गार्डन, ईदगाह हिल्स, बीडीए कॉलोनी, पुलिस कॉलोनी, ओल्ड विधानसभा, एमवीएम कॉलेज, पुलिस कंट्रोल रूम, जिंसी, नईम रोड एवं आसपास के क्षेत्र। सुबह 10 से दोपहर 1 बजे तक इंद्रविहार बी-सी सेक्टर, पंचवटी एवं आसपास के इलाके। सुबह 10 से शाम 5 बजे तक मंदाकिनी चौराहा, खादिम चौराहा, विंडसर स्क्वायर, गुरुकृपा टॉवर, दृष्टि रिटेल एवं आसपास के इलाके।

इंदौर नगर निगम में करोड़ों के फर्जी बिल घोटाले में चार अफसर सस्पेंड, सरकार ने लिया ऐक्शन

भोपाल (नप्र)। इंदौर नगर निगम में करोड़ों के फर्जी बिल घोटाले में सरकार ने चार अफसरों को सस्पेंड कर दिया है। वित्त विभाग के अवर सचिव विजय कठाने ने इसके आदेश जारी किए। ये चारों अधिकारी निगम में लोकल ऑडिट फंड विभाग में पदस्थ थे। अनिल कुमार गर्ग (संयुक्त संचालक, क्षेत्रीय कार्यालय, स्थानीय निधि संपरीक्षा, इंदौर) ने फर्जी दस्तावेज और बिल तैयार करवाए। इनके आधार पर ठेकेदारों को भुगतान किया गया। सस्पेंड अवधि के दौरान गर्ग का कार्यस्थल सागर रहेगा। इसी तरह समर सिंह परमार (उप संचालक, आवासीय संपरीक्षा) ने भी फर्जी दस्तावेज और बिल तैयार करवाए।

तेंदुए के पंजे की हड्डियां टूटी, अलग किया

भोपाल के वन विहार में मादा तेंदुए की जांच; लटेरी से किया था रेस्क्यू

भोपाल (नप्र)। भोपाल के वन विहार नेशनल पार्क में मंगलवार को रेस्क्यू कर लाए गए मादा तेंदुए की जांच की गई। जांच में तेंदुए के पंजे की हड्डियां टूटी मिली। इस पर पंजे अलग किए गए। ताकि, उसकी जान बच सके। वन्यप्राणी डॉक्टर उस पर 14 घंटे नजर रखे हुए हैं। विदिशा की लटेरी परिक्षेत्र के एक ग्रामीण के घर से मादा तेंदुआ को रेस्क्यू कर वन विहार लाया गया था। तेंदुआ घायल अवस्था में था। इसे वन विहार में क्वारेंटाइन में रखा गया था। वन्यप्राणी चिकित्सक डॉ. अतुल गुप्ता विशेषज्ञों से परामर्श लेकर इलाज भी कर रहे हैं। मंगलवार को तेंदुए की जांच की गई।

जान बच सके, इसलिए पंजे को अलग किया: राज्य पशु चिकित्सालय भोपाल के वरिष्ठ पशु चिकित्सक डॉ. सुनील कुमार तुमड़िया, वन विहार के वन्यप्राणी चिकित्सक डॉ. गुप्ता एवं वाइल्ड लाइफ एसओएस वन विहार के वन्यप्राणी चिकित्सक डॉ. रजत कुलकर्णी ने घायल मादा तेंदुआ को बेहोश कर संयुक्त रूप से स्वास्थ्य परीक्षण किया। एक्स-रे कर ब्लड सैंपल भी लिए गए। जांच में पाया कि पिछले बांये पंजे की हड्डियों टूटी हुई है। गैंगेरियस होने के कारण एवं घायल मादा तेंदुआ की जान बचाने के लिए उसके पंजे को अलग किया गया।

छिंदवाड़ा में पटवारी 12 हजार की रिश्वत लेते पकड़ाया

छिंदवाड़ा (नप्र)। छिंदवाड़ा में तहसील कार्यालय में पटवारी को 12 हजार नगद की रिश्वत लेते पकड़ा है। कार्रवाई लोकायुक्त पुलिस ने की। आरोपी रोहित मालवीय है। शिकायतकर्ता पंचलाल परतेती से कृषि भूमि में नक्शा सुधार के एवज में से रुपए मांगे थे। पंचलाल का कहना कि आरोपी पटवारी पिछले तीन महीने से नक्शे में सुधार के लिए लटका रहे थे। 15 हजार मांगे थे, लेकिन 12 हजार में सौदा तय हुआ।

मिलन समिति में स्वागत

नरसिंहपुर। जिला भाजपा अध्यक्ष पंडित अभिलाष मिश्रा के मिलन समिति कार्यालय में आगमन पर मिलन समिति के अध्यक्ष संजय राय ने शाल श्रीफल से सम्मान किया। इस अवसर पर मिलन समिति के संरक्षक एस, के, चतुर्वेदी , शैलू शर्मा सचिव छोटू पटेल की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

आर्ट एंड क्रॉफ्ट का समर कैम्प आज से

नरसिंहपुर। सरस कल्याण समिति के तत्वावधान मे गुरू महक कला केन्द्र मे आर्ट एंड क्राफ्ट का समर कैम्प शुरू हो रहा है। सरस कल्याण समिति द्वारा आयोजित आर्ट एंड क्राफ्ट का कैम्प गुरू महक कला केंद्र मे इंदौर से पथारे श्री लोकेन्द्र जी द्वारा प्रशिक्षण दिया जाएगा। दिनांक 21/5/24 से केमप का शुभारंभ होगा। रजिस्ट्रेशन 15/5/24 से शुरू हो रहा हे शहर के सभी महीलाए एवं बच्चो से आग्रह है की इस कैम्प मे रजिस्ट्रेशन लेकर विभिन्न कलाओ का प्रशिक्षण ले। स्केचिंग ड्राइंग पेंसिल पेंटिंग पोस्टर पेंटिंग कार्टून राइटिंग आईल विस्टर कलर पेंटिंग फ्यूजन ग्लास पेंटिंग मार्डन ग्लास पेंटिंग एडवांस फैब्रिक पेंटिंग 3ष्ठ पेंटिंग इसी तरह की कई ओर कलाओ का प्रशिक्षण दिया जाएगा। मेहंदी, कुकिंग, बेकिंग आइसक्रीम की भी क्लासेस शुरू रहेगी।

जैन मुनि सुयत्न सागर जी का धार आगमन मुनिश्री ने कहा धर्म के हर कार्य में सहयोग दो

धार। धार नगर मंगलवार को धर्ममय हो गया. दिगंबर जैन आचार्य सुनील सागर जी महाराज के परम शिष्य मुनि श्री सुयत्न सागर जी महाराज का मंगल आगमन मंगलवार को हुआ .मीडिया प्रभारी पारस जैन गंगवाल ने बताया कि घोड़ा चौपाटी पर मुनि श्री की अगवानी समाज अध्यक्ष श्रेणिक गंगवाल , मानतुगंगिरी तीर्थ के नरेश गंगवाल, कागदीपुरा तीर्थ के संजय छाबड़ा, आहू तीर्थ के पवन जैन गंगवाल ने की.घोड़ा चौपाटी से मुनि श्री की शोभायात्रा निकली इसमें बैंड बाजे के साथ धार्मिक भजन के साथ जयकारे लगाए.जगह-जगह जैन समाज के घरों के सामने पाद प्रक्षालन कर मुनि श्री की आरती उतारी.शोभा यात्रा दिगंबर जैन मंदिर पर धर्म सभा के रूप में परिवर्तित हो गई इस अवसर पर मुनि श्री ने

कहा कि धर्म के हर कार्य में सहयोग या अनुमोदन करने से महान पुण्य की प्राप्ति होती है और कर्मों का नाश होता है .इस अवसर पर दिगंबर जैन महिला मंडल अध्यक्ष नेहा छाबड़ा, योगेन्द्र जैन बाबू, प्रवीण बडजात्या ,संजय बेरछा दिलावरा सहित बड़ी संख्या में समाज जन उपस्थित थे.मुनि श्री की आहार चर्या का लाभ बाबूलाल बडजात्या को मिला.शाम को 48 दीपक के साथ भक्तामर महाकाव्य पाठ का आयोजन संत भवन में हुआ .यात्रियों का बहुमान विमलचंद शास्त्री ने किया।

ग्रीष्मकालीन खेल शिविर 10 जून तक, जवाहरलाल नेहरू स्मृति महाविद्यालय परिसर में आयोजित होंगे

सुबह सवेरे सोहागपुर ।

जवाहरलाल नेहरू स्मृति महाविद्यालय परिसर में मध्य प्रदेश शासन खेल, युवा कल्याण विभाग एवं शिक्षा विभाग के निर्देश अनुसार सोहागपुर ब्लॉक में ग्रीष्मकालीन खेल शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिसका समापन 10 जून को होगा। ग्रीष्मकालीन खेल शिविर में हॉकी, वॉलीबॉल, फुटबॉल एवं बैडमिंटन को शामिल किया गया है। विगत दिवस पंडित जवाहरलाल नेहरू महाविद्यालय परिसर में विधिवत शुभारंभ किया गया। शुभारंभ के अवसर पर जवाहरलाल नेहरू स्मृति महाविद्यालय शिक्षा समिति सचिव हमीरसिंह चंदेल , शिक्षा विभाग ब्लॉक खेल अधिकारी हेमराजसिंह नागा , ब्लॉक समन्वयक चंदा मिश्रा आदि के आतिथ्य में संपन्न हुआ। ज्ञातव्य है कि प्रदेश

सरकार प्रतिवर्ष ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण का आयोजन करता है। जिससे छात्र ,छात्राओं के खेलों उत्कृष्टता के आ सके। इस आयोजन में वरिष्ठ हॉकी खिलाड़ी दादूराम कुशवाह, सौरभ तिवारी ,अख्तर खान एकम राजपूत राजपूत, अश्वनी सरोज, दर्शन डोंगरे, आशु राय, लतीफ शाह, हेमलता राय आदि छात्र छात्राओं को प्रशिक्षण प्रदान करेंगे। इस अवसर पर सीमा गौर, भावना बिल्लौरे ,मीनाक्षी राजपूत, गोलू अग्रवाल,छात्र छात्राएं भी उपस्थित थीं। उक्त आश्य की जानकारी आशु राय ने सुबह सवेरे संवाददाता को दी।

एमपी के 31 जिलों में ओले-बारिश का अलर्ट

गुना, शिवपुरी और विदिशा समेत कई जिलों में गिरा पानी; 16 मई तक ऐसा ही मौसम

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में मंगलवार को भी अचानक मौसम बदल गया। कई जिलों में तेज हवाओं के साथ बारिश हुई। कहीं-कहीं ओले भी गिरे। प्रदेश में गुना, अशोकनगर, विदिशा, शिवपुरी, छिंदवाड़ा और बैतूल के मुलताई में मंगलवार दोपहर को तेज आंधी के साथ पानी गिरा। मनावर में आंधी-बारिश से केले की फसल को नुकसान पहुंचा है। मौसम विभाग ने प्रदेश के 31 जिलों में बारिश और ओलावृष्टि का अलर्ट जारी किया है। 16 मई तक प्रदेश में आंधी-बारिश का दौर जारी रहेगा। वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ), साइक्लोनिक सर्कुलेशन और ट्रफ लाइन गुजरने की वजह से ऐसा होगा।

यहां ओलावृष्टि का अलर्ट

मौसम विभाग ने श्योपुर, शिवपुरी के कूनो, अशोकनगर, सागर, दमोह, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा के पेंच, छतरपुर के खजुराहो, पन्ना, टीकमगढ़ और दमोह में मध्यम गरज के साथ आकाशीय बिजली गिरने, ओलावृष्टि होने और 60 किमी प्रति घंटे तक की रफ्तार से हवा चलने का अलर्ट जारी किया है।

यहां बूंदाबांदी की संभावना

कटनी, जबलपुर के भेड़ाघाट, सिवनी, मंडला, डिंडौरी, आलीराजपुर, झाबुआ, रतलाम, मंदसौर, धार, बड़वानी, गुना, बैतूल, निवाड़ी, विदिशा, रायसेन, नरसिंहपुर, मैहर, सतना, रीवा, शहडोल, अनूपपुर के अमरकंटक और उमरिया में भी हल्की गरज के साथ बिजली चमकने और बूंदाबांदी होने की संभावना है।

इसलिए स्ट्रॉन्ग हो गया सिस्टम

मौसम विभाग, भोपाल की सीनियर वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया, वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ), साइक्लोनिक सर्कुलेशन और ट्रफ लाइन गुजरने की वजह से मध्यप्रदेश में ओले, बारिश, आंधी और आकाशीय बिजली गिरने या चमकने का दौर चल रहा है। 16 मई तक ऐसा ही मौसम रहेगा। कई जिलों में ऑरेंज अलर्ट भी जारी किया है। 40 से 60 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है। 17 मई से गर्मी का असर बढ़ने लगेगा।

अगले 3 दिन इन जिलों में बदला रहेगा मौसम

15 मई- इंदौर, अलीराजपुर, बड़वानी, धार, खरगोन, बुरहानपुर, खंडवा, बैतूल, पांढुर्णा, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, बालाघाट, सागर और पन्ना में हल्की बारिश हो सकती है। यहां 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा भी चल सकती है।

16 मई-धार, बड़वानी, खरगोन, खंडवा, बुरहानपुर, बैतूल, पांढुर्णा, छिंदवाड़ा, नरसिंहपुर, सिवनी, मंडला और बालाघाट में बादल-बारिश का मौसम रहेगा।

17 मई- मुरैना, ग्वालियर, भिंड, दतिया, शिवपुरी, गुना और अशोकनगर में हीट वेव यानी गर्म हवाएं चल सकती हैं। बड़वानी, खरगोन, खंडवा, बुरहानपुर, नर्मदापुरम, बैतूल, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, मंडला और बालाघाट में आंधी-बारिश वाला मौसम रहेगा।

जबलपुर में महिला ने खुद पर डाला पेट्रोल, कहा-

पति ने दूसरी शादी कर ली, मुझे घर से निकाला; दहेज की कर रहे डिमांड

जबलपुर (नप्र)। मेरे पति ने मुझे घर से भगा दिया। मेरी सास मुझे परेशान करती है। मुझसे दहेज मांगते हैं। मैं मरना चाहती हूं। मैं डेढ़ साल से परेशान हूं। पुलिस प्रशासन मेरी कोई सुनवाई नहीं कर रहा है। ये कहते हुए जबलपुर के एसपी ऑफिस में एक महिला ने खुद पर पेट्रोल डाल लिया। वह हंगामा करने लगी। जिसके बाद वहीं मौजूद महिलाओं और पुलिसकर्मियों ने महिला के हाथ से पेट्रोल भरा डिब्बा छीना और उसे उचित कार्रवाई का भरोसा दिया। घटना मंगलवार दोपहर करीब डेढ़ बजे की है। महिला का नाम मंजू तिवारी है। जो संजीवनी नगर में रहती हैं। उसका कहना है कि वह अपनी परेशानी को लेकर संजीवनी नगर थाने से लेकर महिला थाने और एसपी ऑफिस तक गुहार लगा चुकी है। लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई है। महिला का पति योगेश प्रॉपर्टी डीलर है। उनके दो बच्चे भी है। बेटी 10 साल की और 6 साल का बेटा है।

महिला ने कहा- पति ने मुझे घर से भगा दिया: महिला ने बताया- मैं डेढ़ साल से थानों के चक्कर काट रही हूं। मैं परेशान हो गई हूं। मुझे घर से भगा दिया गया है। पति योगेश तिवारी, जेठ राकेश तिवारी, सास फूल तिवारी और मेरी ननद नीलम पांडे, ये मुझे आए दिन परेशान करते रहते हैं। कहते हैं कि तुम घर पर नहीं रहो, दहेज लेकर आओ। महिला का कहना है कि मैं अभी मायके में रह रही हूं। परेशान हूं। यहां-वहां भटक रही हूं। मेरे पास अब मरने के अलावा कोई चारा नहीं है।

मेरे पति ने दूसरी शादी कर ली, मुझे भगा दिया: मंजू ने बताया, 11 साल पहले योगेश उर्फ रोहित तिवारी से शादी हुई थी। तब से अब तक दहेज में 15 लाख रुपए दे चुके हैं। बावजूद दहेज के लिए लगातार परेशान किया जा रहा है। नहीं देने पर मारपीट की जाती है। पति ने बच्चों के साथ उसे घर से बाहर निकाल दिया है। इसमें जेठ राकेश भी सपोर्ट कर रहे हैं। महिला ने कहा- पति योगेश ने कुछ साल पहले दूसरी शादी भी कर ली। अब हमें घर से निकाल दिया। परेशान होकर अब आत्महत्या का रास्ता ही बचा है। महिला ने ये भी बताया कि उसका पति एक राजनीति दल से जुड़ा है।

एएसपी बोले- महिला की शिकायत पर जांच कर रहे: मामले में एएसपी सूर्यकांत शर्मा का कहना है कि संजीवनी नगर की रहने वाली मंजू तिवारी ने शिकायत की है। महिला ने आवेश में आकर अपने ऊपर डालने की कोशिश की थी, लेकिन उसे अन्य महिलाओं ने पकड़ लिया। शिकायत की जांच की जा रही है।

महिला के पति समेत चार लोगों पर केस: मंजू की शादी 2012 में योगेश उर्फ रोहित तिवारी से हुई थी। शिकायत पर मंगलवार को संजीवनी नगर थाने में पति योगेश तिवारी, जेठ राकेश तिवारी, सास फूल तिवारी और जेठानी मनू तिवारी के खिलाफ आईपीसी की धारा 498, 294 के तहत मामला दर्ज किया है।

सलकनपुर मंदिर परिसर में वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित

देवी लोक निर्माण कार्य के चलते लिया फैसला, 13 जून तक जारी रहेगा प्रतिबंध

सीहोर (नप्र)। मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम द्वारा निर्माण कार्य किए जाने के तहत सलकनपुर मंदिर पर देवी लोक का निर्माण कार्य किया जा रहा है, जो कि प्रगति पर है। निर्माण कार्य में प्रगति लाने के लिए मटेरियल शिफ्टिंग, पत्थरों की मूर्ति, कॉलम इत्यादि भी लगातार परिवहन हो रहे हैं। अपर जिला दण्डाधिकारी वृंदावन सिंह द्वारा दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 के अन्तर्गत जन सामान्य के हित, जानमाल की सुरक्षा की दृष्टि से सलकनपुर मंदिर सड़क पहुंच मार्ग मे प्रतिबंध लगाया गया है। रे हटी-बुदनी मार्ग पर स्थित संलकनपुर मंदिर प्रवेश द्वार क्रमांक 1 से मंदिर तक समस्त प्रकार के वाहनों का अवागमन पूर्ण रूप से प्रतिबंधित किया गया है। केवल निर्माण कार्य में संलग्न एवं शासकीय वाहन प्रतिबंध से मुक्त रहेंगे। इस व्यवस्था के लिए चल रहे निर्माण कार्य की एजेंसी द्वारा सड़क मार्ग के प्रवेश द्वार पर आवश्यक व्यवस्था की जाएगी। इस कार्य में पुलिस द्वारा आवश्यक सहयोग किया जाएगा। यह व्यवस्था पांच कार्यालयीन दिन सोमवार से शुक्रवार तक लागू रहेगी। शनिवार और रविवार को समस्त प्रकार के वाहन इस प्रतिबंध से मुक्त रहेंगे। जिला प्रशासन द्वारा किसी विशेष पर्व पर प्रतिबंध से छूट प्रदान की जाएगी। यह आदेश दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 के तहत 13 जून तक प्रभावशील रहेगा। आदेश का उल्लंघन करने पर धारा 188 भारतीय दण्ड विधान अन्तर्गत दण्डनीय अपराध की श्रेणी मे आयेगा।

छतरपुर में डीजल चोरी करने वाले तीन कर्मचारियों पर एफआईआर

छतरपुर (नप्र)। छतरपुर में नगर पालिका में डीजल चोरी करने वाले तीन कर्मचारियों पर एफआईआर दर्ज हुई है। ये लोग कचरा कलेक्शन वाहनों से डीजल चोरी करते थे। प्लास्टिक की बोतल में चोरी का 8 लीटर डीजल मिला है। चोरी करने वाले तीन में से एक कर्मचारी परमानेंट, बाकी दो संविदाकर्मी हैं। सीएमओ माधुरी शर्मा की शिकायत पर सिविल लाइन थाने में मामला दर्ज हुआ है।

उज्जैन में पूर्व महामंडलेश्वर मंदाकिनी गिरफ्तार

पुलिस ने अस्पताल से डिस्चार्ज होते ही पकड़ा; धोखाधड़ी की दो एफआईआर दर्ज हैं

उज्जैन (एजेंसी)। उज्जैन में निरंजनी अखाड़े से निष्कासित पूर्व महामंडलेश्वर मंदाकिनी पुरी उर्फ ममता जोशी गिरफ्तार हो गई हैं। मंगलवार को मंदाकिनी के अस्पताल से डिस्चार्ज होते ही चिमनगंज मंडी पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया। धोखाधड़ी के आरोप लगने पर उन्होंने सुसाइड का प्रयास किया था। इसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पूछताछ के बाद पुलिस मंदाकिनी को कोर्ट में पेश करेगी। दरअसल, निरंजनी अखाड़े के ही महंत सुरेश्वरानंद पुरी महाराज ने 6 मई की रात उज्जैन के चिमनगंज थाने में धोखाधड़ी का केस दर्ज कराया था। उन्होंने पुलिस को बताया था, 'महामंडलेश्वर मंदाकिनी पुरी उर्फ ममता जोशी ने श्रीपंचायती निरंजनी अखाड़े में महामंडलेश्वर की उपाधि दिलवाने की बात कही थी। इसके एवज में 15 अप्रैल 2024 को मैंने मंदाकिनी को साढ़े सात लाख रुपए दिए थे। अखाड़ा मुख्यालय में संपर्क किया तो बताया गया कि रुपए लेकर उपाधि नहीं दी जाती। इसके बाद मैंने रकम वापस मांगी। मंदाकिनी ने रुपए देने से मना कर दिया।' इसके बाद 10 मई को जयपुर के महामंडलेश्वर नर्मदाशंकर ने महाकाल थाने में एफआईआर कराई। उनका कहना है कि मंदाकिनी ने आचार्य महामंडलेश्वर बनाने का झांसा देकर 8 लाख 90 हजार रुपए लिए थे। ये राशि उन्होंने पिछले सात महीने में अलग-अलग किस्तों में ऑनलाइन ट्रांसफर की थी। उन्होंने बताया, मंदाकिनी ने कहा कि अखाड़े में प्रमोशन हो जाएगा लेकिन 10 से 12 लाख रुपए लगेंगे। मैंने उनको बताया कि मैं निजी स्कूल के शिक्षक से संत बना। मेरे पास इतने रुपए नहीं हैं। उन्होंने कहा कि जब पैसे आते जाएं, भेजते रहना। मैंने पिछले 7 महीने में 8 लाख 90 हजार रुपए मंदाकिनी के बैंक खाते में ऑनलाइन ट्रांसफर किए। इस दौरान मंदाकिनी ने दूसरे लोगों के अकाउंट नंबर भी दिए लेकिन मैंने पैसे ट्रांसफर करने से मना कर दिया।'

कीटनाशक पीकर सुसाइड की कोशिश की थी : उपाधि दिलाने के लिए पैसे लेने के मामले सामने आने पर मंदाकिनी को अखाड़े से निष्कासित कर दिया गया था। इसके बाद उन्होंने 7 मई की सुबह 11 बजे कीटनाशक पी लिया था। मंदाकिनी जिला अस्पताल के आईसीयू में भर्ती थीं। अस्पताल में वे किसी को पहचान नहीं पा रही थीं। इस कारण पुलिस उनके बयान नहीं ले सकी थी। अब अस्पताल से छुट्टी मिलते ही पुलिस मंदाकिनी को अपने साथ ले गई है।

जयपुर से हर्बल प्रोडक्ट खरीदे, पैसे नहीं दिए

जयपुर के एक बिजनेसमैन ने भी मंदाकिनी द्वारा धोखाधड़ी किए जाने की शिकायत अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रविंद्र पुरी से की है। बिजनेसमैन ने बताया कि मंदाकिनी ने उसकी कंपनी से हर्बल जूस खरीदे और उन पर अपनी फोटो वाला मां आरोग्यम मंदाकिनी का लोगो लगाकर स्टॉक तैयार किया। व्यापारी का आरोप है कि मंदाकिनी ने इस सामान के दाम नहीं चुकाए बल्कि एक्सपायरी डेट निकल जाने के बाद पूरा स्टॉक कंपनी को वापस भिजवा दिया। मंदाकिनी के इस फ्रॉड से व्यापारी को 2 लाख रुपए का नुकसान उठाना पड़ा।

माल का भुगतान नहीं किया, एक्सपायर हुआ तो वापस भेजा

जयपुर निवासी संदीप शर्मा जोठवाड़ा इंडस्ट्रीज इलाके में हर्बल मैन्युफैक्चरिंग का काम करते हैं। संदीप ने बताया कि जयपुर में ही एक साल पहले महामंडलेश्वर नर्मदाशंकर महाराज से मुलाकात के दौरान साध्वी मंदाकिनी मिली थीं। मैं उनसे प्रभावित हो गया। वे तीन बार जयपुर में आकर मेरे घर भी रहीं। मंदाकिनी मेरी फैक्ट्री भी देखने आईं। कहा, 'मैं भी गौमाता की सेवा करने के लिए हर्बल जूस बेचना चाहती हूं। कच्चा माल आपकी फैक्ट्री से लूंगी।' मैंने हां कर दी। इसके बाद 2-2 लीटर जूस के 500 पैकेट उनके परिचित के पास हरिद्वार भिजवा दिए। पूरा माल करीब 2 लाख रुपए का था। संदीप ने बताया कि कुछ समय बाद जब भुगतान मांगा तो उन्होंने कहा- बाद में देती हूं। कई बार मांगने पर भी पैसे नहीं दिए। करीब एक साल बाद सभी जूस वापस कर दिए। खराब होने के कारण वह माल किसी काम का नहीं रहा। उसे फेंकना पड़ा।

एसटीआर में 6 साल बाद फिर दिखे विलुप्त इंडियन स्कीमर

भारत और बांग्लादेश में मिलती है प्रजाति, मछलियों का शिकार करने में होते हैं माहिर

नर्मदापुरम (नप्र)। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में 6 साल से विलुप्त इंडियन स्कीमर पक्षी 13 मई को नजर आया। देनवा किनारे बैक वॉटर क्षेत्र में पक्षी इंडियन स्कीमर दिखा। बांग्लादेश और भारत में मिलने वाले इस प्रजाति के पक्षियों व पक्षियों की घटती आबादी के कारण अंतरराष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (आईयूसीएन) ने इंडियन स्कीमर को विलुप्त प्रजाति में रखा है। दुनिया भर में विशेषज्ञों द्वारा की गई पक्षी गणना के अनुसार ऐसे केवल 3000 से 4,000 पक्षी बचे हैं। एसटीआर की डिप्टी डायरेक्टर पूजा नागले ने बताया एसटीआर के जंगल में 6 साल पहले इंडियन स्कीमर पक्षी दिखाई देता था। उसके बाद से ये विलुप्त हो गए थे। बीते वर्ष हुई पक्षियों की गणना में भी स्कीमर नजर नहीं आया था। 13 मई सोमवार को स्कीमर पक्षी देनवा बैकवॉटर किनारे दिखाई दिया। गश्ती दल से सूचना मिलते ही एसटीआर की टीम मौके पर पहुंची। जायजा लेने के बाद इंडियन स्कीमर होने की पुष्टि हुई।

मछलियों का शिकार करने में होते हैं माहिर

इंडियन स्कीमर की एक अनूठी विशेषता है, कि भोजन की तलाश करते समय, स्किमर अपनी निचली नारंगी चोंच को खुला रखते हुए पानी के सतह पर उड़ते हुए मछली का शिकार करते है। इसमें ये माहिर होते है। यह पक्षी रेतीले मैदानों और द्वीपों में सर्दी मौसम के अंत से गर्मियों के महिनों के अंत तक बैक वॉटर क्षेत्र का भ्रमण करते है। रेतीले द्वीपों एवं रेतीले नदी तटों पर इस पक्षी के प्रजनन जोड़े देखे जा सकते हैं। इंडियन स्कीमर मार्च से अप्रैल तक अंडे देते हैं। बालू में घरौंदे बनाने वाला यह पक्षी एक बार में 1 से 4 अंडे तक देते हैं। अंडे हल्के मिट्टी जैसे कलर के होते हैं। इन पर काले धब्बे बन आते हैं। नर और मादा दोनों चोंच में पानी भर अंडों पर डालते रहते हैं, ताकि गर्मी से बचाया जा सके। मई के अंत और जून के पहले सप्ताह में बच्चे उड़ान भरने को तैयार हो जाते हैं।

इंडियन स्कीमर प्रजाति को बचाना महत्वपूर्ण

पर्यावास का क्षरण, आवारा पशुओं, आवारा कुत्तों द्वारा इनका शिकार होना प्रमुख कारण है। सैंडबार की सुरक्षा करना और निवास स्थान के नुकसान को रोकना इंडियन स्कीमर्स के अस्तित्व के लिए महत्वपूर्ण है। पिछले सालों में सतपुड़ा टाइगर रिजर्व द्वारा सतत रूप से किए जा रहे वन्यप्राणी रहवास के विकास कार्यों जैसे चारागाह विकास, अनावश्यक एवं आक्रामक घास की प्रजाति का उन्मूलन, जल स्त्रोत निर्माण आदि के परिणाम स्वरूप इंडियन स्कीमर की उपस्थिति नजर आई है।

यहां पाया जाता है

इंडियन स्कीमर नदियों, झीलों और नम भूमियों में पाए जाने वाला सुंदर पक्षी है, जो पहले भारतीय उपमहाद्वीप में तथा चीन व म्यांमार में बहुतायत में पाए जाते थे। अब केवल पाकिस्तान और म्यांमार में इनकी बहुत ही कम संख्या जीवित बची है। वर्तमान में भारत और बांग्लादेश में इंडियन स्कीमर पाए जाते हैं। यह मात्र भारत में प्रजनन करते हैं। इंडियन स्किमर राजस्थान में केवल चंबल क्षेत्र में ही पाए जाते हैं।

नर्मदापुरम में युवक की बेरहमी से पिटाई

युवती से बात करने के शक में डिस्क केबल से पीटा, पीठ पर बने निशान

नर्मदापुरम (नप्र)। नर्मदापुरम शहर के आदर्श नगर निवासी युवक अजय कहार की मोहल्ले के तीन युवकों ने बेहरमी से मारपीट की। अजय कहार को तीनों युवकों ने पहले आनंदनगर के पास से ले गए और उसे आधा घंटे तक पीठा। साथ ही उसका वीडियो भी बना लिया। युवकों ने धमकी दी कि यदि पुलिस को बताया तो वीडियो वायरल करेंगे और मारपीट करेंगे। युवक वहां से जैसे-तैसे आरोपियों के चुंगल से छूटा और घर गया। घर पर परिजनों को पूरी बात बताई। इसके बाद उन्होंने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। आरोपी अभी फरार हैं। तीनों आरोपियों ने युवक को इतना पीटा कि उसकी पीठ लाल हो गई और केबल के निशान पीठ पर उभर आए। पूरी पीठ पर खून जम गया। मारपीट का कारण किसी युवती से अजय कहार की बातचीत करने को लेकर हुआ था। एसडीओपी पराग सैनी ने बताया कि फरियादी अजय कहार की रिपोर्ट पर उसके बताए आरोपी सूरज कुमार, शिवा भंडारी और सौरभ के खिलाफ मारपीट करने का मामला दर्ज हुआ है। आरोपी अभी गिरफ्तार नहीं हुए है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। वहीं अजय कहार ने बताया कि तीनों ने मुझे आधे घंटे तक डिस्क की केबल से पीटा है।

यह है पूरा मामला

अजय मजदूरी करता है। वह आदर्श नगर से सतरस्ते जा रहा था। सांई नाथ एसटीडी के पास पहले उसके मोहल्ले में रहने वाले सूरज, शिवा और सौरभ उसे मिल गए। उन्होंने लड़की से बात करने को लेकर विवाद किया। फिर उसे सुनसान जगह में लेकर केबल से पूरी तरह मारपीट कर दी, फरियादी ने कहा था कि वह बात नहीं करेगा, लेकिन आरोपी नहीं माने उसकी जमकर पिटाई की जिससे उसे काफी चोटें आई हैं।